THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 276 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.13 2081 शनिवार, 28 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चिराग के करीबी हुलास पांडेय के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई

पटना, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व विधायक और बाहुबली लोजपा नेता हुलास पांडेय के पटना सहित अन्य कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी चल रही है। यह छापेमारी उन ठिकानों में पटना के 2 ठिकाने और बेंगलुरू का एक ठिकाना शामिल है। पटना के गोला रोड स्थित उनके आवास और बोरिंग रोड में स्थित उनके कार्यालय में छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह छापेमारी बालू के अवैध खनन को लेकर की जा रही है। हुलास पांडेय लोजपा (राम विलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के करीबी नेता बताए जाते हैं। ईडी के अनुसार यह छापेमारी बालू के अवैध खनन मामले से जुड़ा हुआ है। यह छापेमारी पटना में दो से तीन जगहों पर की जा रही है।

मोदी कैबिनेट ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने राष्ट्रीय जीवन पर अपनी छाप छोड़ी है। उनके निधन से राष्ट्र ने एक प्रख्यात राजनेता, जानेमाने अर्थशास्त्री और एक प्रतिष्ठित नेता खो दिया।

आधिकारिक बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में एक शोक प्रस्ताव पारित किया। मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रखकर डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। बयान में आगे कहा गया कि उनके सम्मान में एक जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया गया है।

इस दौरान पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका दिया जाएगा और विदेशों में स्थित सभी भारतीय मिशनों व उच्चायोगों में भी राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। इस दौरान केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश घोषित किया गया है। शोक प्रस्ताव में कहा गया, मंत्रिमंडल 26 दिसंबर, 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है।

ओवरस्पीड बस गंदे नाले में गिरी, 8 मरे

बठिंडा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को प्राइवेट कंपनी की बस (पीबी 11 डीबी- 6631) अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई। जिसमें ड्राइवर समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 से ज्यादा लोग घायल हैं। ड्राइवर की पहचान मानसा के रहने वाले बलकार सिंह के रूप में हुई है। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा जीवन सिंह वाला गांव के पास हुआ। बस सरदूलगढ़ से बठिंडा की तरफ जा रही थी। बस में करीब 50 लोग सवार थे। हादसे की सूचना पाकर प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। बठिंडा के डीसी शौकत अहमद पर्रे ने बताया कि बस में सवार यात्रियों ने बताया कि ड्राइवर बस को तेज स्पीड से चला रहा था। तभी सामने से एक बड़ा ट्राला आ गया। उससे बचने के लिए बस टर्न की गई, जिसकी वजह से यह हादसा हो गया।

राहुल गांधी की बढ़ेंगी मुश्किलें

हाथरस मामले में आरोपियों के वकील ने भेजा मानहानि का नोटिस

हाथरस, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के गांव बूलगढी के मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा एक्स पर की गई पोस्ट को लेकर अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंडीर ने राहुल गांधी को लीगल नोटिस भेजा है। मुन्ना सिंह पुंडीर का कहना है कि इस मामले में न्यायालय तीन आरोपियों को बरी कर चुका है और न्यायालय ने इसे रेप का मामला भी नहीं माना है। फिर भी राहुल गांधी कोर्ट द्वारा बरी इन तीनों लोगों को रेप का आरोपी बताया है।

बता दें कि 12 दिसंबर को विपक्ष के नेता राहुल गांधी कोतवाली चन्दपा क्षेत्र के गांव बूलगढी आए थे और वह पीड़ित परिवार से मिले थे। सितंबर 2020 में इस गांव की एक लड़की के साथ दरिंदगी हुई थी। उस समय इस गैंगरेप और हत्या का मामला बताया गया था, लेकिन न्यायालय ने इस मामले में अपना फैसला सुना दिया था। न्यायालय ने तीन आरोपी लवकुश, रामू और रवि को बरी कर दिया था। न्यायालय ने इसे गैर-इरादतन हत्या का मामला माना था। इसमें एक आरोपी संदीप को दोषी ठहराया था। संदीप अभी जेल में बंद है और सजा काट रहा है। बूलगढी में पीड़ित परिवार से मिलने के बाद राहुल गांधी ने एक्स पर इस परिवार के साथ एक वीडियो शेयर किया था। इस मामले में कोर्ट द्वारा बरी लवकुश, रामू और रवि की ओर से अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंडीर ने राहुल गांधी को लीगल नोटिस भेजा है।

अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंडीर ने बताया कि न्यायालय ने इस मामले को रेप का मामला नहीं माना, लेकिन फिर भी राहुल गांधी इसे गैंगरेप का मामला बता रहे हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर की थी। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में यह भी कहा कि सभी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि न्यायालय इनमें से तीन लोगों को दोषमुक्त कर चुका है। इसलिए राहुल गांधी ने न्यायालय की अवमानना की है और उनके मुवक्किलों की मानहानि की है। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी को मानहानि का नोटिस भेजा गया है।

आज सुबह कांग्रेस मुख्यालय से शुरू होगी अंतिम यात्रा

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा शनिवार सुबह 9.30 बजे दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय से शुरू होगी। वेणुगोपाल ने बताया कि मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर शुक्रवार को अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास 3, मोतीलाल नेहरू रोड पर रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजघाट के समीप किया जा सकता है।

वेणुगोपाल ने बताया, कल 28 दिसंबर को सुबह 8 बजे मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय ले जाया जाएगा, जहां जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह 8.30 बजे से 9.30 बजे तक पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे। उन्होंने बताया, कल सुबह 9.30 बजे डॉ. सिंह की अंतिम यात्रा कांग्रेस मुख्यालय से श्मशान घाट तक जाएगी। भारत के आर्थिक सुधारों के निर्माता और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार रात को निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। मनमोहन सिंह को गुरुवार रात करीब 8.30 बजे गंभीर हालत में नई दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह साल 1991 में भारत के वित्त मंत्री बने और उन्होंने ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत की। मनमोहन सिंह को आर्थिक उदारीकरण के साथ ही सूचना का हक कानून, मनरेगा, आधार कार्ड और आरटीई के साथ ही अमेरिका के साथ ही असैन्य परमाणु समझौते के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

सोनिया, राहुल, प्रियंका गांधी व खडगे ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह के आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर के दर्शन किए और श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि राष्ट्र के प्रति उनकी विशिष्ट सेवा और असाधारण योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

पीपीआई के जरिए यूपीआई भुगतान को आरबीआई ने दी हरी झंडी

पूर्ण केवाईसी होना अनिवार्य

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को प्रीपेड भुगतान उपकरण धारकों को थर्ड पार्टी मोबाइल एप्लिकेशन जरिए यूपीआई भुगतान करने और प्राप्त करने की अनुमति दे दी। केंद्रीय बैंक ने परिपत्र में कहा कि तीसरे पक्ष के यूपीआई एप्लिकेशन पर पूर्ण-केवाईसी रहने पर प्रीपेड भुगतान उपकरणों (पीपीआई) से/तक यूपीआई से भुगतान को सक्षम करने का निर्णय लिया गया है। परिपत्र में कहा गया है, पीपीआई जारीकर्ता अपने ग्राहक पीपीआई को अपने यूपीआई हैंडल से जोड़कर केवल अपने पूर्ण-केवाईसी पीपीआई धारकों को यूपीआई भुगतान करने में सक्षम बनाएगा। जारीकर्ता के आवेदन पर पीपीआई से यूपीआई लेनदेन ग्राहक के मौजूदा पीपीआई क्रेडेंशियल का उपयोग करके प्रमाणित किया जाएगा। इस प्रकार, ऐसा लेनदेन यूपीआई प्रणाली तक पहुंचने से पहले ही पूर्व-अनुमोदित हो जाएगा। आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली प्रदाता के रूप में पीपीआई जारीकर्ता को किसी भी बैंक या किसी अन्य पीपीआई जारीकर्ता के ग्राहकों को अपने साथ नहीं जोड़ा जाना जोड़ना चाहिए। आरबीआई के इस निर्णय का उद्देश्य गिफ्ट कार्ड, मेट्रो रेल कार्ड और डिजिटल वॉलेट जैसे पीपीआई धारकों को अधिक लचीलापन प्रदान करना है।

अन्ना यूनिवर्सिटी में बेरोकटोक आता-जाता था आरोपी, शिक्षा मंत्री ने खुद कबूला

चेन्नई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। चेन्नई स्थित अन्ना विश्वविद्यालय कैंपस में एक छात्रा से कथित यौन उत्पीड़न का आरोपी विवि की एक अस्थायी कर्मचारी का पति है। वह कैंपस में अक्सर आता जाता था। इसलिए उसे आसानी से विवि परिसर में प्रवेश मिला जाता है। यह खुलासा तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेझियान ने किया है। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई। हालांकि घटना के बाद विवि में सुरक्षा प्रबंधों पर सवाल खड़े हो गए हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि विवि में बनी यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति (पीओएसएच) को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। क्योंकि छात्र-छात्राओं ने समिति को धमकी मिलने के बारे में कोई सूचना नहीं दी थी। मंत्री ने कहा कि अब समिति को निगरानी बढ़ाने और ऐसे मामलों को रोकने के लिए साप्ताहिक रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार मामले की जांच करा रही है। आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री चेझियान ने कहा कि विवि में दस दिन में कड़े सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए कड़े उपाय किए जा रहे हैं।

क्या है मामला?

चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में 23 दिसंबर को इंजीनियरिंग की एक छात्रा का यौन उत्पीड़न किया गया। मामला तब सामने आया, जब छात्रा ने इसकी पुलिस से खुद शिकायत की थी। शुरू में पुलिस ने केस को हल्के में लिया और कोई कार्रवाई नहीं की। सोशल मीडिया पर केस उछला तब पुलिस हरकत में आई। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। 37 वर्षीय आरोपी यूनिवर्सिटी परिसर के पास में बिरयानी बेचता है। इस घटना ने पूरे चेन्नई को हिलाकर रख दिया है। तमिलनाडु की राजनीति गरमाने लगी है। घटना को लेकर तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई भी बहुत गुस्से में हैं। उन्होंने न्याय की मांग करते हुए खुद को कोड़े मारे। साथ ही राज्य सरकार पर हमलावर हुए। उन्होंने इससे एक दिन पहले एलान किया कि वह 48 दिनों के लिए उपवास पर रहेंगे।

आगरा में मिला ब्रिटिश कालीन खजाना

गोशाला की जमीन ने 'उगले' सोने-चांदी के सिक्के, बटोरने के लिए लगी होड़

पिनाहट (आगरा), 27 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा के पिनाहट के बसई अरेला में पुराने गांव में प्राचीन चामुंडा मंदिर के पास खाली पड़ी जमीन पर गोशाला निर्माण के लिए ट्रैक्टर से मिट्टी के समतलीकरण में सोने और चांदी के सिक्के मिले। मटके में सिक्के भरे थे, जो ट्रैक्टर चलने के कारण फूट गया। कुछ सिक्कों को ग्रामीण अपने साथ ले गए। यह सिक्के ब्रिटिश हुकूमत के दौरान वर्ष 1940 और 1942 के हैं।

प्राचीन चामुंडा मंदिर के पास गोशाला की जमीन को समतल करने के दौरान सोने-चांदी के सिक्कों से भरा मटका पाया गया। ट्रैक्टर चालक और ठेकेदार सेवाराम के साथ मंदिर के सेवक गरीबदास ने इन सिक्कों को बटोर लिया। मटके में सिक्के मिलने की बात जब गांव में पहुंची तो अन्य ग्रामीण भी पहुंचे और सोने-चांदी के सिक्के लेने की होड़ लग गई।

जिसे जितने सिक्के मिले, उठा लिए। प्रशासन को कुछ लोगों ने शिकायत की तो मंदिर के सेवक गरीबदास से चांदी के तीन सिक्के बरामद किए गए। इन पर किंग जॉर्ज की छवि अंकित है। ग्रामीणों के मुताबिक साधु, ट्रैक्टर चालक और ठेकेदार सेवाराम के पास कई सिक्के हैं। बसई अरेला के पुराने गांव जंगल की तरफ प्राचीन चामुंडा मंदिर के पास खाली पड़ी जमीन पर गोशाला निर्माण के लिए जमीन का ट्रैक्टर द्वारा समतलीकरण करने के दौरान एक खंडर पड़े मकान की जमीन मे अचानक ट्रैक्टर टकरा गया, जिसमे सोने चांदी के सिक्कों से भरा मटका फुट पड़ा था। सिक्कों को ग्रामीण उठा ले गये। जिसकी ग्राम प्रधान द्वारा बृहस्पतिवार को थाना प्रभारी तिवारी को जानकारी दी गई थी।

दो जिलों में गोलीबारी, पुलिसकर्मी और ग्रामीण घायल

इंफाल, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल पूर्व और कांगपोकली जिलों में गोलीबारी हो रही है। लोगों के मुताबिक मोर्टर भी दागे जा रहे हैं। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच एक बार फिर हिंसा शुरू हुई है। सनसाबी इलाके में उग्रवादियों से मुठभेड़ में पुलिसकर्मी और ग्रामीण को गोली लगी। पुलिस ने बताया कि पुलिसकर्मी की नाम के. हरिदास (37) है। उसके बाएं कंधे पर गोली लगी। उसका जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान इलाज जारी है। एक और ग्रामीण घायल है, उसका भी इलाज जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक 24 दिसंबर से दोनों जिलों के कई इलाकों में जारी गोलीबारी ने शुक्रवार को बड़ा रूप लिया। इन जिलों के यिंगांगपोकपी, थमनापोकपी, थंबापोकपी, सबुंगखोक खुनौ, शांति खोंगबल, सनसाबी सहित दूसरे इलाकों में दहशत है। यिंगंगपोकपी में ग्रामीणों ने अधिकारियों से उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की मांग की है। लोगों के मुताबिक पहाड़ी से मैदानी इलाकों गोलीबारी की जा रही है। गुरुवार को राज्य के सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा था कि राज्य के सिक्योरिटी एडवाइजर और डीजीपी को प्रभावित जिलों में सिक्योरिटी बढ़ाने का निर्देश दिया है।

> भारत को पाकिस्तान की गीदड़भभकी <

आक्रमण का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं

इस्लामाबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कंगाली की दहलीज पर खड़ा पाकिस्तान लगातार भारत को गीदड़भभकी दे रहा है। पाकिस्तानी सेना के प्रॉपगैंडा विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने धमकी देते हुए कहा है कि पाकिस्तान सेना नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर किसी भी भारतीय आक्रमण का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उसने हर बार की तरह कश्मीर का राग भी अलापा और अपनी सुरक्षा कमजोरियों की ठीकरा भारत पर फोड़ा। पाकिस्तान की यह धमकी तब आई है, जब उसने दो दिन पहले ही अफगानिस्तान में हवाई हमला कर 46 निर्दोष अफगानों को मार दिया था। तालिबान ने इन हमलों पर सख्त एतराज जताया है और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है।

पाकिस्तानी प्रॉपगैंडा विंग ने क्या कहा :

डीजी आईएसपीआर अहमद शरीफ ने भारत में अलगाववादी आंदोलनों को समर्थन देने की पाकिस्तानी सेना की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। उन्होंने जम्मू कश्मीर का राग अलापा और भारत पर अत्याचार करने के आरोप लगाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के कार्यान्वयन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, डीजी आईएसपीआर यह भूल गए कि संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव पूरे जम्मू और कश्मीर के लिए था, जिसमें पाक अधिकृत कश्मीर और गिलगित बाल्टिस्तान भी शामिल है। ऐसे में इस तरह के किसी प्रस्तावों के लिए पाकिस्तान को पहले इन इलाकों से अपना दावा छोड़ना होगा।

भारत पर लगाए संघर्ष विराम तोड़ने के आरोप :

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक ने कहा कि पाकिस्तान पूर्वी सीमा पर भारत द्वारा उत्पन्न खतरों से पूरी तरह अवगत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत ने 25 बार संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया है और 564 बार गोलीबारी की घटनाओं को अंजाम दिया है। उन्होंने अपने आरोपों में भारत पर 181 181 सामरिक हवाई उल्लंघनों के साथ-साथ 61 हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का भी दावा किया। मेजर जनरल शरीफ ने कश्मीर राग अलापते हुए कश्मीरी लोगों के साथ खड़े होने का भरपूर दिखावा किया।

2024 में पाकिस्तान ने कितने आतंकवादियों को मारा :

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक मेजर जनरल अहमद शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 2024 में 925 आतंकवादियों का सफलतापूर्वक सफाया कर दिया है। शुक्रवार को एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में, आईएसपीआर डीजी ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान 27 अफगान आतंकवादी भी मारे गए। आईएसपीआर डीजी ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान की सेना ने पूरे साल विभिन्न खतरों के खिलाफ 59,775 सफल ऑपरेशन किए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने आतंकवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई में महत्वपूर्ण बलिदान दिया है।

इस्तेमाल के बाद सोलर पैनलों की सही रिसाइक्लिंग नहीं करने पर एनटीजी सख्त, केंद्र सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने फोटोवोल्टिक (पीवी) सोलर पैनलों के गलत तरीके से निपटान और रिसाइक्लिंग पर केंद्र से जवाब मांगा है। बता दें, यह आदेश उत्तर प्रदेश के एक किसान द्वारा दाखिल की गई पत्र याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें इस्तेमाल किए गए सोलर पैनलों के सही तरीके से निपटान की सुविधाओं की कमी की शिकायत की गई थी। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ ने 23 दिसंबर को कहा, याचिकाकर्ता का कहना है कि सोलर पैनल का उपयोग उनके गांव में कृषि क्षेत्रों में सिंचाई के लिए कुसुम योजना के तहत 2019 से किया जा रहा है और उन्होंने क्षतिग्रस्त सोलर पैनलों के जीवन चक्र प्रबंधन में अंतर को उजागर किया है। पीठ ने यह भी कहा कि याचिका के अनुसार, इन सोलर पैनलों की मरम्मत नहीं की जा सकती थी और इन्हें स्क्रैप के रूप में निपटाया जाना था।

घरेलू विवाद से परेशान युवक ने उठाया खौफनाक कदम

माता-पिता, पत्नी और बेटे को काट डाला

सूरत, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में पारिवारिक रंजिश से परेशान एक युवक ने अपने पूरे परिवार को ही चाकू से काट डाला। उसने पहले अपने माता-पिता को चाकू से गोदा और फिर पत्नी और अंत में बेटे पर हमला किया। परिवार के सभी लोगों को काटने के बाद उसने अपना भी गला चाकू से काट लिया। परिवार के सभी लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। यहां आरोपी की पत्नी और बेटे की मौत हो चुकी है। वहीं, उसके माता-पिता और उसका इलाज चल रहा है। दिल दहलाने वाली घटना सूरत के सरथाणा क्षेत्र में सामने आयी है। एक बेटे ने अपने ही माता पिता, पत्नी और खुद के बेटे पर चाकू से वार किया और खुद का गला भी काट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस पूरी घटना में पत्नी ओर बेटे की मौत हो गई, जबकि माता पिता और हत्यारा खुद गंभीर रूप से घायल है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि पारिवारिक रंजिश के कारण आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया है।

'नाथेश्वर धाम' के बाबा पर दुष्कर्म का आरोप, झाड़ फूंक के नाम पर कराया हवन, धुआं उठते ही महिला हुई बेहोश

सागर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम में लोगों का पर्चा बनाकर उनकी समस्याओं का निदान पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री करते हैं। अब अंचल में ठीक वैसे ही अनेक बाबा इस प्रकार का पर्चा बनाने का दावा करने लगे हैं। ऐसा ही एक बाबा सागर जिले की माल्थोन तहसील के पथरिया वामन गांव में अपना आश्रम बना कर लोगों का पर्चा बनाकर उनका समाधान करने का दावा करने लगे थे। इन्होंने अपना नाम रखा था 'नाथेश्वर धाम'। अब इन बाबा पर एक महिला ने झाड़-फूंक के नाम पर दुष्कर्म करने का आरोप लगा सागर एसपी को आवेदन दिया है। झाड़-फूंक की आड़ में महिला से दुष्कर्म करने वाले बाबा के खिलाफ पुलिस ने गुरुवार को प्रकरण दर्ज किया है। पीड़ित महिला ने एसपी कार्यालय पहुंचकर मामले की शिकायत की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच करते हुए बाबा ओंकार मिश्रा नागेश्वर धाम सरकार के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

लड़की का अपहरण कराने के आरोप में 12 लोगों पर केस

ठाणे, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक लड़की का अपहरण करने और उसे शादी के लिए मजबूर करने के आरोप में 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उनमें से सात की पहचान कर ली गई है। 18 वर्षीय शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसे सबसे पहले मंदिर दर्शन के बहाने गुजरात में नवसारी ले जाया गया था। उसके बाद उसे एक रिश्तेदार के घर पर ले जाया गया। लड़की ने नाबालिग को बताया कि रिश्तेदार उसपर एक आरोपी से शादी के लिए दबाव बनाने लगे। 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बर्फबारी का नजारा देखने आए थे पांच दोस्त, देखते ही देखते मच गई चीख-पुकार

विकासनगर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। शुक्रवार सुबह त्यूणी-चकराता-मसूरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर लोखंडी के पास एक कार अनियंत्रित होकर तीन सौ मीटर नीचे खाई में गिर गई। सड़क हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें से एक की मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस प्रशासन व एसडीआरएफ की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए एंबुलेंस के माध्यम से सीएचसी चकराता पहुंचाया। दुनिया में स्विट्जरलैंड के अलावा बस मसूरी में दिखती है विंटर लाइन, दीदार को देश-दुनिया से पहुंच रहे सैलानी अस्पताल पहुंचने से पहले गंभीर घायल एक युवक ने दम तोड़ दिया। राजस्व उप निरीक्षक अनिल चौहान ने बताया हादसे में मृतक की युवक की पहचान करन रावत (24) पुत्र प्रीतम सिंह निवासी चंबा टिहरी गढ़वाल के रूप में हुई है। घायलों में ऋषभ निवासी इंदिरापुरम दिल्ली, आकाश निवासी चंबा टिहरी, वैशाली निवासी देहरादून व सपना निवासी रायवाला समेत चार लोगों को राजकीय अस्पताल चकराता में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर विकासनगर रेफर कर दिया गया।

'किसान नेता की जिंदगी दांव पर लगी है'

जगजीत सिंह डल्लेवाल के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के मामले में फटकार लगाई है और उन्हें जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 31 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता की सेहत और उपचार को लेकर पंजाब सरकार से हलफनामा मांगा है और कल फिर सुनवाई करने का फैसला किया है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम कल सुनवाई के दौरान जगजीत सिंह डल्लेवाल से ऑनलाइन बात करेंगे। उसके बाद कोई आदेश देंगे। हमारी पहली प्राथमिकता उनकी जिंदगी है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के चीफ सेकेट्री और डीजीपी को भी कल होने वाली सुनवाई में ऑनलाइन मौजूद रहने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को आदेश दिया है कि डल्लेवाल को पर्याप्त चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। हालांकि, पंजाब सरकार ऐसा नहीं कर पा रही है। ऐसे में पंजाब सरकार के खिलाफ याचिका लगाई गई है, जिसमें कहा गया है कि पंजाब सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवमानना कर रही है। सुप्रीम कोर्ट की स्पेशल बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए पंजाब सरकार को फटकार लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए डल्लेवाल को मेडिकल सहायता उपलब्ध कराने के उसके निर्देश पर अमल न होने पर पंजाब सरकार के रवैये पर नाराजगी जाहिर की।

किसान नेता को बंधक बनाकर नहीं रख सकते

पंजाब सरकार की ओर से कहा गया कि प्रदर्शनकारी किसान नहीं चाहते कि डल्लेवाल को धरनास्थल से शिफ्ट किया जाए। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कुछ लोग किसान नेता को इस तरह से बंधक बना कर नहीं रख सकते। डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें उन किसानों की नीयत पर शक है जो डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में बाधा डाल रहे हैं।

पंजाब सरकार को नोटिस

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अवकाशकालीन पीठ ने डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता के संबंध में शीर्ष अदालत के आदेश का पालन नहीं करने के कारण मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना याचिका पर पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, ''अगर कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है तो आपको इससे सख्ती से निपटना होगा। किसी का जीवन दांव पर है। आपको इसे गंभीरता से लेना चाहिए। चिकित्सा सहायता दी जानी चाहिए और ऐसा लगता है कि आप इसका पालन नहीं कर रहे हैं।''

हिसार में निगम चुनाव की तैयारी

हैदराबाद की टीम ने ईवीएम की जांच शुरू की, कार्यालय में रखी गई 1500 मशीनें काम पूरा

हिसार, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। हिसार में नगर निगम चुनाव को लेकर सक्रियता शुरू हो गई है। निगम निगम चुनाव को लेकर निगम कार्यालय में रखी गई ईवीएम को जांचने के लिए टीम नगर निगम कार्यालय पहुंची। इस टीम में 10 कर्मचारी शामिल हैं। ये कर्मचारी सभी 1500 ईवीएम की जांच करेंगे कि कहीं किसी में कोई तकनीकी खराबी तो नहीं है। अगर किसी मशीन में खराबी है तो उसे ठीक किया जाएगा। साथ ही इन मशीनों में फीड पुराने डाटा को भी डिलीट करेंगे। यह काम 8 दिन तक चलेगा। इन मशीनों की जांच करने के बाद फिर से स्ट्रॉन्ग रूम को सील कर दिया जाएगा। ये मशीन ईसीआईएल कंपनी की है।

इन मशीनों की जांच करने के लिए कर्मचारी हैदराबाद से आए हैं। कर्मचारियों की मानें तो वह एक-एक मशीन का पुराना डाटा डिलीट कर रहे हैं। साथ ही मशीन की अच्छी तरह से जांच कर रहे हैं। मशीन जचने के लिए वह प्रत्येक बटन को पांच बार दबाते हैं और फिर उससे वोट डालकर देखे हैं। अगर वोट डाल जाता है तो इसका मतलब यह है कि वह बटन सही है। इस तरह से वह मशीन के सभी 16 बटनों की जांच कर रहे हैं।

मनमोहन सिंह को 'भारत' रत्न देने की मांग का

संजय सिंह ने किया समर्थन, केंद्र से की ये अपील

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने की मांग का समर्थन किया है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जब मैं राज्यसभा में पहुंचा उस वक्त से लेकर अब तक उनका आशीर्वाद मुझे प्राप्त हुआ। मुझे एक घटना याद है जिसको मैं कभी भूल नहीं सकता। एक बार मैं सिग्नेचर कर रहा था, तब डिजिटल सिग्नेचर का दौर नहीं था। लोग खुद सिग्नेचर किया करते थे। मैंने देखा कि पीछे से मेरे कंधे पर किसी ने हाथ रखा। मैंने देखा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह जी खड़े हैं। मैंने उनके पैर छुए। उन्होंने कंधे पर हाथ रखकर कहा कि संजय सिंह आप विपक्ष की मजबूत आवाज हैं। तो उनके ये वाक्य मुझे हमेशा याद रहते हैं। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह बहुत बड़े इंसान थे। जब वो संसद में बोलने के लिए खड़े होते थे दोनों लोग चाहे वो पक्ष हो या विपक्ष चुपचाप सभी उनकी बात सुनते थे। वह ज्यादा से ज्यादा 2 या तीन मिनट में अपनी बात पूरी कर देते थे। कम शब्दों में बड़ी बात कह देते थे। डॉक्टर मनमोहन सिंह का देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

ट्रेन के पहियों के नीचे छुप कर 250 किलोमीटर तक किया सफर

जबलपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक ऐसी चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसके बारे में जान कर आपके भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे। यहां के एक युवक ने 250 किलोमीटर का सफर ट्रेन के नीचे पहियों के बीच में छिपकर तय किया। आरपीएफ ने युवक को हिरासत में ले लिया है। दरअसल, इटारसी से जबलपुर के बीच चलने वाली दानापुर एक्सप्रेस ट्रेन के पहियों के नीचे छुपकर एक युवक जबलपुर पहुंच गया। इस बात का खुलासा उस समय हुआ जब ट्रेन के S4 कोच की जांच के दौरान रेलवे के कर्मचारियों ने पहिये के नीचे एक युवक को छुपते हुए देखा।

रेलवे कर्मचारियों ने इस बात की सूचना रेलवे पुलिस फोर्स को दे दी, जिसके बाद आरपीएफ ने युवक को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि युवक के पास ट्रेन में सफर करने के पैसे नहीं थे, इसलिए उसने पहियों के बीच में छुपकर इटारसी से जबलपुर तक का सफर तय कर लिया। रेलवे के कर्मचारी जब ट्रेन की जांच कर रहे थे तो उन्हें पहिये के नीचे कुछ हरकत नजर आई। इसके बाद देखा गया तो वहां से बिना टिकट यात्री निकला। रेलवे की जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि यह घटना सामने आने के बाद पूरे मामले को गंभीरता से लिया गया है। इसके अलावा, सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस पूरे मामले में रेलवे पुलिस फोर्स आगे जांच कर कार्रवाई करेगी।

दिल्ली में एंटी नारकोटिक्स सेल की बड़ी कार्रवाई

6 साल तक दिल्ली में रही महिला को वापस भेजा बांग्लादेश

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी-नारकोटिक्स यूनिट ने शुक्रवार को अवैध बांग्लादेशी महिला को डिपोर्ट करने की कार्रवाई की। दरअसल, दिल्ली में अवैध रूप रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं की तलाशी के दौरान 28 वर्षीय महिला को हिरासत में लिया गया था। एंटी नारकोटिक्स सेल ने महिला पहचान सोनाली शेख के रूप में की थी। वह पिछले 6 सालों से भारत में अवैध तरीके से रह रही थी, जिससे विदेशी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन हो रहा था। इन्हीं प्रावधानों के तहत एंटी नारकोटिक्स यूनिट ने महिला को हिरासत में लेने के बाद वापस बांग्लादेश भेज दिया। दिल्ली पुलिस ने फेक पहचान पत्र और डॉक्यूमेंट्स बनाने वाले 11 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें 5 बांग्लादेशी और 6 स्थानीय लोग शामिल थे। ये लोग अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को फर्जी डॉक्यूमेंट्स जैसे- वोटर आईडी और आधार कार्ड मुहैया कराकर दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बसाते थे। इससे पहले भी दिल्ली पुलिस व अन्य एजेंसियों ने एलजी विनय सक्सेना के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने 175 बांग्लादेशियों को हिरासत में था।

सरपंच संतोष देशमुख हत्या का मामला गरमाया

धनंजय मुंडे के खिलाफ जांच की मांग, आज होगी महारैली

मुंबई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड में मसाजोग गांव के सरपंच का हत्याकांड तूल पकड़ रहा है। सरपंच संतोष देशमुख मर्डर केस के दोषियों को पकड़ने और उनको सजा दिलाने की मांग विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी लगातार कर रही है। इस बीच अब एमवीए की ओर से बड़ा कदम उठाया जा रहा है। शनिवार (28 दिसंबर) को बीड में एमवीए की सभी पार्टियों की तरफ से बड़ी रैली निकाली जाएगी। इस रैली में एमवीए के सभी बड़े नेताओं समेत कांग्रेस, शरद पवार गुट और उद्धव ठाकरे गुट के कई नेता शामिल होने वाले हैं। यह रैली बीड में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में निकाली जा रही है। विपक्ष का आरोप है कि संतोष देशमुख हत्याकांड में महायुति के नेता धनंजय मुंडे के लोग शामिल हैं। ऐसे में विपक्ष की मांग है कि धनंजय मुंडे के नेताओं के अलावा एनसीपी नेता के खिलाफ भी जांच हो।

विपक्ष ने लगाया 'मानवता की हत्या' का आरोप

गौरतलब है कि सरपंच संतोष देशमुख की हत्या हुए 18 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक सभी आरोपियों को पकड़ा नहीं जा सका है। इस बीच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर विपक्ष बैनर लेकर मौन मार्च करेगा। इस बैनर्स पर लिखा है, 'संतोष देशमुख की हत्या मानवता की हत्या है।' यह मार्च बाबा साहेब अंबेडकर चौक से शुरू होगा और कलेक्टर कार्यालय तक जाएगा। इस मार्च के बारे में विधायक संदीप क्षीरसागर ने कहा कि जिस दिन ये वारदात हुई, वह गांव गए हुए थे। लोगों ने उन्हें आरोपियों के नाम बताए। वह सब डरे हुए थे, लेकिन उनकी बातों में रोष था। संदीप क्षीरसागर ने कहा कि 28 दिसंबर को न्याय की मांग करते हुए विपक्ष मार्च निकालेगा। साथ ही, वाल्मीक कराड की गिरफ्तारी की भी मांग की जाएगी।

नकाबपोश बदमाशों ने की लूट सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी को बंधक बनाकर पीटा

सीहोर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। भैरूंदा के सोना पैलेस गार्डन के सामने स्थित एक मकान में किराये से रह रहे मंडी के सहायक ग्रेड-3 के कर्मचारी को बुधवार-गुरुवार की रात डेढ़ बजे चार अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने घर में बंदकर पहले तो उनके साथ मारपीट की। इसके बाद पर्स में रखे 20 हजार रुपये निकाल लिए। इससे पहले की कर्मचारी कुछ समझ पाता, नकाबपोश बदमाश पीछे के रास्ते से फरार हो गए। कर्मचारी ने सुबह होते ही थाने पहुंचकर इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस अज्ञात बदमाशों की तलाश में जुट गई है। कृषि उपज मंडी भैरूंदा में सहायक ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ कर्मचारी दावनंद पिता शंकरलाल अहिरवार निवासी मिर्जापुर गंजबासौदा जिला देवास ऋषि नगर कालोनी भोपाल मुख्य मार्ग पर अमोल पंवार के मकान में पिछले तीन माह से किराये पर निवास कर रहे हैं। इसी बीच रात 1 बजे के लगभग वह शौच के लिए उठे और कमरे का गेट खोला तो गेट पर पहले से चार अज्ञात नकाबपोश बदमाश खड़े हुए थे।

बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई ने खुद पर क्यों मारे कोड़े?

चेन्नई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। चेन्नई के अन्ना विश्वविद्यालय में 19 वर्षीय छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न को लेकर बीजेपी हमलावर है। इस मामले में न्याय के लिए, तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष के अन्नामलाई ने खुद को कोड़े मारकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही अन्नामलाई राज्य सरकार पर हमलावर हैं। तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष के अन्नामलाई अपने कोड़े मारने को लेकर कहा कि तमिल संस्कृति को समझने वाला कोई भी व्यक्ति हमेशा यह जानता कि ये सभी इसी भूमि का हिस्सा हैं। खुद को कोड़े मारना, खुद को दंडित करना और खुद को कठिन परिस्थितियों से गुजारना इस संस्कृति का हिस्सा है। यह किसी भी व्यक्ति या किसी के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शन राज्य में लगातार हो रहे अन्याय के खिलाफ है। अन्ना विश्वविद्यालय में जो कुछ हुआ है, वह केवल एक संकेत है। कल जो मैंने घोषणा की उसी रास्ते पर चलना चुना है।

जिस पर मेरे बहुत से पूर्वज चले हैं, खुद को कोड़े मारते रहे हैं और कोड़े मारते रहेंगे। अन्ना यूनिवर्सिटी में एक इंजीनियरिंग की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न किया गया। मामला तब सामने आया, जब छात्रा ने इसकी पुलिस से खुद शिकायत की थी। सोशल मीडिया पर केस उछला तब पुलिस हरकत में आई। मामले में पुलिस ने अब तक एक आरोपी ज्ञानसेकरन को गिरफ्तार किया है। 37 वर्षीय ज्ञानसेकरन यूनिवर्सिटी परिसर के पास में बिरयानी बेचता है। कथित तौर पर आरोपी ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश किया। उसने इंजीनियरिंग छात्रा के दोस्त की पिटाई की। फिर उसका यौन उत्पीड़न किया और बाद में उसे झाड़ी में छोड़ दिया। कोयंबटूर में बीते दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अन्नामलाई ने अपने जूते उतार दिए और कहा कि कल से लेकर जब तक डीएमके सत्ता से बाहर नहीं हो जाती, मैं कोई फुटवियर नहीं पहनूंगा। इसके साथ ही उन्होंने भगवान मुरुगन के सभी 6 धामों में जाने के लिए 48 दिनों के उपवास की भी घोषणा की।

बारामूला में सेना का सर्च ऑपरेशन ड्रोन से आतंकियों की तलाशी

जम्मू, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में नए साल से पहले संदिग्ध गतिविधियों के चलते सेना ने बारामुला जिले के हीवान इलाके में बड़े पैमाने पर घेराबंदी की है। इसके साथ ही सेना यहां लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। सेना को इनपुट मिला है कि इस इलाके में कुछ आतंकवादी छिपे हो सकते हैं जिसके बाद ये ऑपरेशन शुरू किया गया है। सेना को खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली है कि हीवान इलाके में कुछ आतंकवादी हो सकते हैं, इसी के चलते सेना यहां घेराबंदी शुरू कर दी है। इसके साथ ही आतंकियों की तलाश की जा रही है। सेना की तरफ से पूरे इलाके में ड्रोन से नजर रखी जा रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, 53 सीआरपीएफ और भारतीय सेना के राष्ट्रीय राइफल 46 ने एक विशेष अभियान के तहत सभी एंट्री और एग्जिट प्वाइंटों को पूरी तरह से सील कर दिया है। नए साल पर आतंकियों द्वारा जम्मू-कश्मीर में कोई साजिश रची जा सकती है। जिसको लेकर सुरक्षाबलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। जम्मू-कश्मीर में संदिग्ध गतिविधियों पर सुरक्षाबल अपनी नजरें बनाए हुए हैं। इसके पहले सेना की तरफ से दो पहले भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। अधिकारियों ने कहा कि इलाके की सुरक्षा को देखते हुए यहां ऑपरेशन चलाया जा रहा है। आने वाले समय में कोई भी घटना न हो इसके लिए पूरी तैयारी की जा रही है। सेना आने वाले न्यू ईयर या फिर अन्य दिनों में कोई भी घटना देखने को न मिले, इसको लेकर इंडियन आर्मी पूरी तरह से एक्टिव हो चुकी है। हर एक छोटी मूवमेंट पर नजर रख रही है। किसी पर शक होने पर उसकी बारीकी से जांच की जा रही है।

दिल्ली में आप और कांग्रेस में तकरार

संजय राउत कराएंगे सुलह! बोले- 'इनको समझना होगा कि इनका दुश्मन कौन है'

मुंबई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में तकरार बढ़ गई है। इसपर शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा है कि आम आदमी पार्टी वो है, जिसकी सरकार है और कांग्रेस वो है जो अपनी सरकार चाहती है तो इनको आपस में समझना होगा कि इनका दुश्मन कौन है? आपस में नहीं बीजेपी से लड़ना है। दिल्ली में विधानसभा के चुनाव 2025 की शुरुआत में ही होने हैं। हालांकि चुनाव के मद्देनजर अभी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। इस बीच दिल्ली में सियासी तापमान बढ़ा हुआ है। इंडिया गठबंधन का हिस्सा आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने विधानसभा का चुनाव अलग-अलग लड़ने की घोषणा की है। दोनों पार्टियों के नेता एक दूसरे पर जमकर हमले भी बोल रहे हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने गुरुवार को आरोप लगाते हुए कहा था ये बिल्कुल साफ़ हो गया है कि दिल्ली के चुनावों के लिए कांग्रेस ने बीजेपी से सांठगांठ कर ली है। उन्होंने कहा, "बुधवार को कांग्रेस के बड़े नेता अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल को एंटी-नेशनल कहा। मैं कांग्रेस से पूछना चाहती हूं कि उन्होंने आजतक बीजेपी के किसी भी नेता पर ऐसा आरोप लगाया? लेकिन आज कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर एंटी नेशनल होने के आरोप लगा रही है।" उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल और मेरे ख़िलाफ़ एक एफ़आईआर दर्ज करवाई लेकिन क्या कांग्रेस ने आजतक बीजेपी के ख़िलाफ़ कोई एफ़आईआर करवाया?

मनमोहन सिंह दूरदर्शी नेता के रूप में याद किए जाएंगे: शिंदे

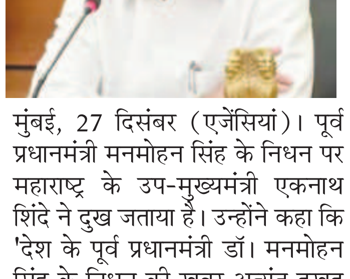

मुंबई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि 'देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। पहले केंद्रीय वित्त मंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में उनकी पहचान इतिहास में एक दूरदर्शी नेता के रूप में रहेगी, जिन्होंने क्रांतिकारी फैसले लिए जिससे देश के आर्थिक विकास को गति मिली और देश की अर्थव्यवस्था के लिए, नए रास्ते खुले। एकनाथ शिंदे ने आगे कहा, बेहद सरल, सीधे और शांत स्वभाव के डॉ. मनमोहन सिंह वैश्विक स्तर पर एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री के साथ में जाने जाते थे। उनके निधन से एक रणनीतिक और बुद्धिमान अर्थशास्त्री और राजनीतिक नेता खो गया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके परिवार को इस दुःख से उबरने की शक्ति प्रदान करे। हार्दिक संवेदनाएं।

वित्त मंत्री भी रहे मनमोहन सिंह

बता दें कि मनमोहन सिंह साल 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे थे। साल 1991 में मनमोहन सिंह की राजनीति में एंट्री हुई जब 21 जून को पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार में उन्हें वित्त मंत्री बनाया गया। उस समय देश एक गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। पी.वी. नरसिंह राव के साथ मिलकर उन्होंने विदेशी निवेश का रास्ता साफ किया था। वित्त मंत्री रहते उन्होंने देश में आर्थिक उदारीकरण की नीतियों को लागू किया, जिससे विदेशी निवेश को बढ़ावा मिला और भारत को विश्व बाजार से जोड़ा जा सका। वह 1991 में पहली बार असम से राज्यसभा के सांसद चुने गए। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए कई सुधार किए, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर हुई। वह 1998 से 2004 तक विपक्ष के नेता भी रहे।

सुविचार: अनुभव उम्र से नहीं परिस्थितियों का सामना करने से आता है।

मनमोहन ने अपनी दूरदर्शी कुशलता से एक नए भारत का निर्माण किया : भट्टी

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश को आर्थिक संकट से सफलतापूर्वक बाहर निकाला और अपने दूरदर्शी नेतृत्व के माध्यम से एक नए भारत के निर्माण में योगदान दिया। शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक संदेश में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सिंह ने राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में सम्मान और शिष्टाचार बनाए रखने, विवाद और आलोचना से बचने के महत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया। भट्टी ने जोर देकर कहा, डॉ. मनमोहन सिंह एक असाधारण अर्थशास्त्री, एक सराहनीय नेता, एक सुधारक और सबसे बढ़कर एक उल्लेखनीय मानवतावादी थे। इसके अलावा, उन्होंने स्वीकार किया कि देश के लिए, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, सिंह का योगदान अतुलनीय है

और उन्होंने अपने विशिष्ट जीवन के दौरान विभिन्न क्षेत्रों को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध किया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण तैयार किया है, जो अर्थशास्त्री और शिक्षाविद् डॉ. मनमोहन सिंह के उत्थान को रेखांकित करता है, जिन्हें योजना आयोग के उपाध्यक्ष, वित्त मंत्रालय के सलाहकार, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष आयोग, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण भूमिकाओं में सेवा करने का अवसर मिला। भट्टी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डॉ. सिंह का योगदान महत्वपूर्ण समय के दौरान राष्ट्र के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण रहा है, जिसमें राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना, विशेष आर्थिक क्षेत्रों का विस्तार, सूचना का अधिकार अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ परमाणु समझौता, चंद्रयान और मंगलयान मिशन, 2013 भूमि अधिग्रहण अधिनियम, राष्ट्रीय जांच एजेंसी की स्थापना, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, खाद्य सुरक्षा अधिनियम और आधार कार्ड का विकास जैसी पहल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह का निधन देश और कांग्रेस पार्टी दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षति है।

कविता ने पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग की

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति संस्थापक और बीआरएस एमएलसी कलवकुंतला कविता ने कांग्रेस सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के वादे को तत्काल लागू करने की मांग की है, जैसा कि कामारेड्डी घोषणापत्र में बताया गया है। बीआरएस नेता एमएलसी कविता ने घोषणा की कि जब तक यह प्रतिबद्धता पूरी नहीं हो जाती, तब तक चुनाव नहीं होने दिए जाएंगे, साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस मांग को संबोधित किए बिना चुनाव कराए गए तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। 43 से अधिक पिछड़ी जातियों के नेताओं के साथ एक बैठक में तेलंगाना जागृति संस्थापक और बीआरएस एमएलसी के. कविता ने सरकार पर अपने वादे पर काम करने के लिए

दबाव बनाने की रणनीतियों पर चर्चा की। बीआरएस सुप्रीमो की बेटी ने पिछड़ी जातियों के अधिकारों के लिए आंदोलन को तेज करने के लिए 3 जनवरी को हैदराबाद के इंदिरा पार्क में एक विशाल जनसभा महा धरना की घोषणा की। एमएलसी के. कविता ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार को चुनाव से पहले बीसी जनसंख्या के आंकड़े और बीसी समर्पित आयोग की रिपोर्ट जारी करनी चाहिए। कांग्रेस सरकार द्वारा आरक्षण बढ़ाए बिना चुनाव कराने की मंशा जताने वाली रिपोर्टों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए निज़ामाबाद की पूर्व सांसद कलवकुंतला कविता ने सत्तारूढ़ पार्टी को उसके चुनाव पूर्व आश्वासनों की याद दिलाई। उन्होंने चेतावनी दी कि इन वादों से कोई भी विचलन मंडल और जिला स्तर पर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का कारण बनेगा।

कविता ने यह भी मांग की कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार आगामी राष्ट्रीय जनगणना के हिस्से के रूप में बीसी के लिए जाति आधारित जनगणना कराए, उन्होंने बीसी कल्याण की उपेक्षा के लिए राज्य और केंद्र दोनों सरकारों की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस पर पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को रोकने का आरोप लगाया, जिन कार्यक्रमों ने पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का काफी उत्थान किया था।

इसे एक बड़े आंदोलन की शुरूआत बताते हुए एमएलसी के. कविता ने लोगों से 3 जनवरी को होने वाले 'महाधरना' में बड़ी संख्या में शामिल होने का आग्रह किया और संकेत दिया कि अगर मांगें पूरी नहीं की गईं तो पिछड़ी जातियों के अधिकारों की लड़ाई और मजबूत होगी। उन्होंने तीखी चेतावनी देते हुए कहा, यह तो बस ट्रेलर है- फिल्म तो 3 जनवरी को दिखाई जाएगी।

हार्दिक बधाई

रितिका पिपरिये
सुपुत्री स्व. श्री मनमोहन पिपरिये (मन्नु भाई), श्रीमती रजनी पिपरिये
चार्टेड अकाउंटेंट (CA) बनने पर
शुभेच्छुक
बालकिशन माणिकलाल
समस्त पुनेरिये परिवार
"बड़ी पढाई करने पर हो बधाई कड़ी मेहनत का फल है भाई"

सरकारी कार्यालयों में अवकाश, 7 दिन का शोक घोषित

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में शुक्रवार को सभी शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों में अवकाश तथा राज्य में सात दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री का गुरुवार को निधन हो गया। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने एक आदेश में कहा कि राजकीय शोक के दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

रेल की पटरियों पर मिला शव

वारंगल, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार तड़के काज़ीपेट और वारंगल रेलवे स्टेशनों के बीच दरगाह रेलवे फाटक के पास 40 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारियों के अनुसार अज्ञात व्यक्ति ने सुबह-सुबह किसी मालगाड़ी के सामने छलांग लगा दी होगी। मृतक ने नीली पैंट और सफेद शर्ट पहन रखी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

फ्लोरोसिस के नए मामले सामने आने से चिंता बढ़ी

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले के मर्रिगुडा मंडल से दंत फ्लोरोसिस के नए मामले सामने आए हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब केंद्र सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की महत्वाकांक्षी मिशन भागीरथ योजना के तहत नलों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति के माध्यम से फ्लोरोसिस की समस्या से काफी हद तक छुटकारा पाने के लिए तेलंगाना की सराहना की थी। नलगोंडा जिले के मर्रिगुडा मंडल में, जो कभी फ्लोराइड हॉटस्पॉट हुआ करता था, अब बच्चों में डेंटल फ्लोरोसिस के नए मामले सामने आए हैं। इससे फ्लोराइड की समस्या के फिर से उभरने का संकेत मिलता है, जिससे क्षेत्र में पानी के प्रदूषण के मुद्दे पर चिंता फिर से बढ़ गई है।

इन नए मामलों से चिंतित जिला प्रशासन ने मर्रिगुडा मंडल में 13,000 से ज़्यादा घरों में घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने का आदेश दिया है। आशा कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए इस सर्वेक्षण में पिछले 5 दिनों में डेंटल फ्लोरोसिस के लगभग 140 मामलों की पहचान की गई है और यह अगले दस दिनों तक जारी रहेगा। मुनुगोड़े, नामपल्ली और देवरकोंडा मंडल के गांवों से भी ऐसी ही शिकायतें सामने आई हैं, जबकि इन इलाकों में मिशन भागीरथ कार्यक्रम के तहत 100 प्रतिशत नल जल आपूर्ति कवरेज प्राप्त हुई है। फ्लोरोसिस के मामलों की पुनरावृत्ति ने हाल ही में कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हाईकोर्ट ने केटीआर को 31 दिसंबर तक गिरफ्तार न करने का आदेश दिया

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने फॉर्मूला ई-कार रेसिंग मामले में पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि केटीआर को इस महीने की 31 तारीख तक गिरफ्तार न किया जाए। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 31 दिसंबर को तय की है। हाईकोर्ट ने फॉर्मूला ई-कार रेस मामले में पुलिस को 30 दिसंबर तक गिरफ्तार न करने का आदेश पहले ही जारी कर दिया है। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था कि केटीआर के खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए और उन्हें गिरफ्तार न किया जाए। फॉर्मूला ई-कार रेसिंग मामले की शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। एसीबी अधिकारियों ने मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल किया है। एसीबी ने एक और याचिका भी दाखिल की है। कोर्ट ने केटीआर और राज्य सरकार को उनकी याचिकाओं के संबंध में जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 31 दिसंबर को तय की है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

CA विकास चौधरी
: सुपुत्र :
श्री भीमारामजी-पोनीबाई काग
CA (Final) की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं शुभकामनाएं
: इन्ही मंगलमय शुभकामनाओं के साथ :
सीताबाई - ओमप्रकाश देवड़ा
(सास-ससुर)
एवं समस्त देवड़ा परिवार
: फर्म : शिव शक्ति इन्टरप्राईजेज
कुतबुलापुर रोड, सुचित्रा, जीडिमेटला हैदराबाद 9885338014
P.Solankey

थर्मल ड्रोन खरीदेगा वन विभाग

बाघों की गतिविधियों का लग सकेगा पता

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से उत्तरी तेलंगाना में बाघों की आवाजाही बढ़ने के साथ, वन विभाग उनकी गतिविधियों का पता लगाने और स्थानीय ग्रामीणों को सतर्क करने के लिए दो थर्मल ड्रोन खरीद रहा है। आदिलाबाद, आसिफाबाद, मुलुगु और अन्य इलाकों के कई गांवों में दहशत फैल गई क्योंकि स्थानीय लोगों ने बाघों को सड़कों को पार करते, खेतों में घूमते और यहां तक कि मवेशियों पर हमला करते देखा। महाराष्ट्र में कुमारम भीम आसिफाबाद सीमा के अंतर्गत सिरपुर मंडल से तीन किलोमीटर दूर और चंद्रपुर सीमा के करीब एक बाघ देखा गया। इसी तरह, लोगों ने कागजनगर सीमा में भी बाघों को देखा।

फिलहाल, बाघ की गतिविधियों पर नज़र रखने और सुरक्षा उपाय शुरू करने के लिए आसिफाबाद में एक थर्मल ड्रोन तैनात किया जा रहा है। थर्मल ड्रोन, जिसे रात के समय भी संचालित किया जा सकता है, हैदराबाद के नेहरू जूलॉजिकल पार्क से उधार लिया गया था। इस साल अप्रैल में इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था, जब महाराष्ट्र की सीमा से पलायन करने वाले हाथियों ने तेलंगाना के गांवों में उत्पात मचाया था। अब, खेतों में और मानव बस्तियों के करीब बाघों के घूमने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए वन विभाग दो थर्मल ड्रोन खरीद रहा है। पहले ही ऑर्डर दे दिए गए हैं और फरवरी के अंत या मार्च तक अमराबाद और कवाल टाइगर रिजर्व के फील्ड अफसरों को ये उपलब्ध करा दिए जाएंगे। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक ड्रोन की कीमत करीब 20 लाख रुपये है। वे हैदराबाद में तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा कि फील्ड अधिकारियों की आवश्यकता के आधार पर उन्हें संबंधित स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

महाराष्ट्र से बाघों के पलायन के संबंध में अधिकारी ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ दिनों में आदिलाबाद, आसिफाबाद, मुलुगु और अन्य स्थानों के विभिन्न इलाकों में लगभग 7 से 8 बाघ देखे गए हैं। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण

प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा निर्धारित सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। बाघों की गतिविधियों पर फील्ड अधिकारी महाराष्ट्र में अपने समकक्षों के साथ लगातार समन्वय कर रहे हैं। बाघों के नाम और पहचान की जांच और पुष्टि दोनों राज्यों के अधिकारियों द्वारा की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बाघ सुरक्षित हैं और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों द्वारा रेंजवार समन्वय किया जा रहा है और तदनुसार अलर्ट भी जारी किए जा रहे हैं।

बीआरएस पार्टी ने मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होने का फैसला किया

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी बीआरएस पार्टी ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने का फैसला किया है। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के नेतृत्व में पार्टी के सांसद, पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम केसीआर के निर्देशानुसार दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देंगे। इस अवसर पर बोलते हुए केसीआर ने याद किया कि देश के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में मनमोहन सिंह ने देश के लिए बहुत बड़ी सेवा की है। इसके अलावा, तेलंगाना का मनमोहन सिंह के साथ एक विशेष रिश्ता है। उनके मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में काम करने के कारण, मेरे उनके साथ व्यक्तिगत संबंध हैं। वह बहुत महत्वाकांक्षी दूरदर्शी थे। तेलंगाना आंदोलन के समय से लेकर राज्य के गठन तक, उनके योगदान को तेलंगाना समाज कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने हर मौके पर मुझमें विश्वास जगाकर तेलंगाना की हमारी लड़ाई में मेरा और टीआरएस पार्टी का साथ दिया। तेलंगाना राज्य का गठन उस समय हुआ जब वह प्रधानमंत्री थे। मैं राज्य के गठन के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण को कभी नहीं भूलूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने का फैसला किया है, जो तेलंगाना समुदाय के बहुत करीब हैं। केसीआर ने कहा, मैंने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और सांसदों को उनके अंतिम विदाई के अवसर पर अंतिम संस्कार में शामिल होने का निर्देश दिया है। वे शनिवार को अंतिम संस्कार समारोह में मौजूद रहेंगे।

पूर्व तट रेलवे
पार्किंग/बाइक रेंटल/बाइक धुलाई लॉट के लिए ई-नीलामी
नीलामी सूचीपत्र सं.: CAT-PARK-00066
लॉट सं./श्रेणी: PARKING-WAT-VSKP-TW-117-24-2 (पार्किंग - दो पहिया वाहन)
विवरण: वाल्टियर मंडल में विशाखापट्टणम (VSKP) रेलवे स्टेशन के पूर्व दिशा की ओर रेलवे इंस्टीच्यूट की तरफ तथा RMS के निकट स्थल पर दो पहिया वाहनों के लिए पार्किंग/बाइक रेंटल/बाइक धुलाई लॉट।
लॉट शुरू होने की तारीख एवं समय: 30.12.2024 को 1100 बजे। लॉट बंद होने की तारीख: 30.12.2024 को 1130 बजे।
दर इकाई: वार्षिक लाइसेंस शुल्क, ट्रिप/दिन: 1095, न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2%, लॉट की स्थिति: प्रकाशित सूचीपत्र में नया।
ऊपरोक्त ई-नीलामी सूचना की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,
PR-842/P/24-25 वाल्टियर

पूर्व तट रेलवे
(1) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-39-2024, दिनांक 18.12.2024
कार्य का नाम: वरिष्ठ मंडल अभियंता (DEN)/दक्षिण/वाल्टियर (WAT) में सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/MYD/वाल्टियर (WAT) के क्षेत्राधिकार के अधीन VSPS-जंक्शन केबिन लाइन में पुल 753, 755, 756 के लिए माइक्रो टनल पद्धति द्वारा स्टोन स्लैब पुलों का प्रस्तावित पुनर्निर्माण।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 87,95,660.76, EMD: रु. 1,75,900.00.
(2) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-40-2024, दिनांक 18.12.2024
कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल की मेन लाइन पर वरिष्ठ मंडल अभियंता (DEN)/दक्षिण/वाल्टियर (WAT) तथा वरिष्ठ मंडल अभियंता (DEN)/पूर्व/वाल्टियर (WAT) के क्षेत्राधिकार के अधीन स्टील चैनल स्लीपरों के साथ TOPI नटों तथा अलाइंमेंट रिटेनरों की स्थापना द्वारा गर्डर पुलों पर ट्रैक का रखरखाव।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,88,06,947.16, EMD: रु. 2,44,000.00.
(3) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-41-2024, दिनांक 18.12.2024
कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता (DEN)/दक्षिण के क्षेत्राधिकार के अधीन स्टील गर्डर पुलों पर हूक बोल्ट के लिए सिंगल पीस स्प्रिंग अनुप्रवेशित पुनः प्रयोग के योग्य लॉक नटों का प्रावधान एवं स्थापना।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 74,12,788.88, EMD: रु. 1,48,300.00.
कार्य समापन की अवधि: 12 (बारह) महीने (क्रमांक 1 एवं 2 के लिए) एवं 06 (छह) महीने (क्रमांक 3 के लिए)।
निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 10.01.2025 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मंडल रेल प्रबंधक (Engg.),
PR-837/P/24-25 वाल्टियर

विशेष ट्रेन सेवाओं के विस्तार की घोषणा

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। त्यौहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे ने शुक्रवार को विभिन्न गंतव्यों के बीच कुछ विशेष रेल सेवाओं के विस्तार की घोषणा की। 31 जनवरी से 28 मार्च तक, ट्रेन नंबर 07191 काचीगुडा-मदुरै, सोमवार को सेवा के साथ 27 जनवरी से 31 मार्च के बीच और ट्रेन नंबर 07192 मदुरै-काचीगुडा, बुधवार को सेवा के साथ 29 जनवरी से 2 अप्रैल तक विस्तारित किया गया है।

इसी तरह, शुक्रवार को सेवा वाली ट्रेन सं. 07435 काचीगुडा-नागरकोइल को 24 जनवरी से 28 मार्च के बीच विस्तारित किया गया है, रविवार को सेवा वाली ट्रेन सं. 7436 नागरकोइल-काचीगुडा को 26 जनवरी से 30 मार्च के बीच विस्तारित किया गया है, रविवार को सेवा वाली ट्रेन सं. 07481 तिरुपति-सिकंदराबाद को 26 जनवरी से 30 मार्च के बीच विस्तारित किया गया है और सोमवार को सेवा वाली ट्रेन सं. 07482 सिकंदराबाद-तिरुपति को 27 जनवरी से 31 मार्च के बीच विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 07445 काकीनाडा टाउन-लिंगमपल्ली, जो सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलती है, को 22 जनवरी से 31 मार्च के बीच विस्तारित किया गया है, ट्रेन संख्या 07446 लिंगमपल्ली-काकीनाडा टाउन, जो मंगलवार और गुरुवार को चलती है, को 23 जनवरी से 1 अप्रैल के बीच विस्तारित किया गया है।

ट्रेन सं. 07165 हैदराबाद-कटक, जिसकी सेवा मंगलवार को है, को 7 जनवरी से 25 मार्च के बीच विस्तारित किया गया है, ट्रेन सं. 07166 कटक-हैदराबाद, जिसकी सेवा बुधवार को है, को 8 जनवरी से 26 मार्च के बीच विस्तारित किया गया है, जबकि ट्रेन सं. 07051 हैदराबाद-रक्सौल, जिसकी सेवा शनिवार को है, को 4 जनवरी से 29 मार्च के बीच विस्तारित किया गया है और ट्रेन सं. 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद, जिसकी सेवा मंगलवार को है, को 7 जनवरी से 1 अप्रैल के बीच विस्तारित किया गया है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

ए.तेजस्विनी
माता : ए. श्वेता किरण
पिता : ए. विजय यादव

।।श्री गणेशाय नमः।।
(रजि.2/BK IV 2016)

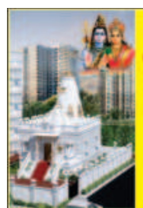

जाट समाज ट्रस्ट
हैदराबाद सिकन्दराबाद (तेलंगाना) के द्वारा
दो दिवसीय
भजन संध्या एवं बोलियाँ का कार्यक्रम
रविवार 29 दिसम्बर एवं सोमवार 30 दिसम्बर 2024
प्रात : 11.01 बजे से प्रभु इच्छा तक
दोपहर एवं रात्रि में भोजन प्रसादी की व्यवस्था रखी गई है।
स्थान: जाट समाज ट्रस्ट मन्दिर
अलमासगुडा, बी. एन रेड्डी नगर, वनस्थलीपुरम, हैदराबाद

गायक कलाकार

श्री गजेन्द्र राव

गायक कलाकार

श्री ओमजी मुण्डेल

गायक कलाकार

श्री संजु राव

एंकर

श्री शैतान सिंह

नम्र निवेदन: समाज के सभी सदस्यों से निवदेन है की आप अपने सह परिवार सहित कार्यक्रम में पधारना अनिवार्य है ।
विशेष आग्रह: समाज के सभी बन्धुओं से आग्रह है की 30 दिसम्बर को अवश्य अपने प्रतिष्ठान बंद रखना है।
निवेदक : जाट समाज ट्रस्ट हैदराबाद-सिकन्दराबाद

अध्यक्ष

दूदाराम बाबल 9440436047

संरक्षक

सोहनलाल बांगड़ा 8309954929

सचिव

बाबूलाल पुनिया 9440039902

कोषाध्यक्ष

लिक्माराम खोखर 9441015910

महाकुंभ मेला की फर्जी वेबसाइट बनाकर टेंट व होटल की बुकिंग करने वाले चार शातिर गिरफ्तार

प्रयागराज, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ मेला की फर्जी वेबसाइट बनाकर टेंट और होटल की बुकिंग करने वाले चार शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वाराणसी की एक सॉफ्टवेयर कंपनी में वेबसाइट बनाने का कार्य करते हैं। इनके पास से पुलिस ने तीन लैपटॉप, दो मोबाइल और छह एटीम कार्ड बरामद किया है। पुलिस इनकी काफी दिनों से तलाश कर रही थी। प्रयागराज शहर के बड़े होटलों की फोटो लगाकर यह बुकिंग करके लोगों से मोटी रकम वसूल कर रहे थे। बता दें कि महाकुंभ में शहर के नामी होटल में बुकिंग के नाम पर आए दिन पर्यटकों को ठगी को शिकार बनाया जा रहा है। होटल कान्हा श्याम के नाम से भी चल रही फर्जी वेबसाइट को लेकर साइबर पुलिस को पता चला। पुलिस की जांच में पाया गया कि यह साइट हरियाणा से ऑपरेट की जा रही है।

'आधुनिक और स्वावलंबी भारत की नींव रखी'

लालू प्रसाद ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

पटना, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ। मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र कल रात निधन हो गया। भारत के आर्थिक सुधारों के जनक मनमोहन सिंह के निधन के बाद शोक संदेश का तांता लग गया। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने भी मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। लालू प्रसाद ने कहा कि मनमोहन सिंह ने आधुनिक और स्वावलंबी भारत की नींव रखी

उनके साथ काम करना मेरा सौभाग्य

सोशल मीडिया एक्स पर लालू प्रसाद ने लिखा, ' पूर्व प्रधान मंत्री डॉ। मनमोहन सिंह के निधन का दुखद समाचार सुना। सरदार मनमोहन सिंह जी ईमानदारी, सादगी, सज्जनता, सरलता, विनम्रता, बुद्धिमत्ता व दूरदर्शिता की प्रतिमूर्ति थे। आर्थिक उदारीकरण के शिल्पकार सरदार मनमोहन सिंह ने आधुनिक व स्वावलंबी भारत की नींव रखी। उनका जाना एक व्यक्तिगत क्षति है। उनका प्रचुर स्नेह मुझे मिलता रहा। ऐसे विनम्र विशाल व्यक्ति के साथ काम करना मेरा सौभाग्य था।

1 लाख 44 हज़ार करोड़ की धनराशि एवं परियोजनाएं दी

2004 से 2014 के बीच उन्होंने बिहार और भारत को बेहतरीन एवं फलदायक वर्ष अथवा यूं कहे कि स्वर्णिम दशक दिया। यूपीए गठबंधन में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी राजद के नेता तथा कैबिनेट सहयोगी रेलमंत्री के रूप में हमारी सकारात्मक पहल एवं आग्रह पर उन्होंने 2004 से 2009 के बीच बिहार को विकास कार्यों के लिए 1 लाख 44 हज़ार करोड़ की धनराशि एवं परियोजनाएं दी। कोसी विभीषिका के समय हमारे निवेदन पर तुरंत बिहार चले आए तथा हजारों करोड़ की आर्थिक सहायता, राहत सामग्री एवं राशि प्रदान की। उनके स्वर्गवास उपरांत 2004 से 2014 के स्वर्णिम दशक में उनकी छाप व उनकी सफलता एक रिकॉर्ड के रूप में स्वतः ही इतिहास में ओर अधिक जोर-शोर से प्रचारित होगी। उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। इस कठिन समय में उनके परिवार, प्रियजनों व प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक शोक संवेदना। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

बता दें कि गंभीर हालत में रात करीब साढ़े आठ बजे एम्स के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था। एम्स ने एक बुलेटिन में कहा कि 26 दिसंबर को ''उनका आयु संबंधी चिकित्सा उपचार जारी था और वह घर पर अचानक बेहोश हो गए।'' बुलेटिन में कहा गया, ''उन्हें घर पर तत्काल होश में लाने के प्रयास किए गए। उन्हें रात आठ बजकर छह मिनट पर दिल्ली एम्स लाया गया। तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें होश में नहीं लाया जा सका और रात 9.51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।'' सिंह ने भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में वर्ष 2004 से 2014 तक 10 वर्षों तक देश का नेतृत्व किया। पिछले कुछ माह से उनका स्वास्थ्य खराब था। उनके परिवार में पत्नी गुरचरण सिंह और तीन बेटियां हैं।

बेकाबू डंपर ने तीन मजदूरों को कुचला, तीनों की मौत, पुलिस ने घेराबंदी कर ड्राइवर को पकड़ा

हाथरस, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक डंपर ने तीन मजदूरों को कुचल दिया। इस हादसे में तीनों मजदूरों की मौत हो गई। बेकाबू डंपर से कुचले जाने के बाद तीनों मजदूरों को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दो मजदूरों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, तीसरे मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई। कुछ दिन पहले ही मुंबई में एक तेज रफ्तार डंपर ने नौ लोगों को कुचल दिया था। इस घटना में भी तीन लोगों की मौत हो गई थी। घटना सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र की है। यहां मुगलगढ़ी के पास मटर प्लांट के सामने डंपर ने तीन मजदूरों को कुचल दिया। तीनों मजदूर सड़क पर पैदल चलते हुए जा रहे थे। इनमें से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और तीसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भाजपा नेता के रिश्तेदार की अपहरण के बाद हत्या; गोलियों से भूनकर उतारा मौत के घाट

मेरठ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के मेरठ जनपद के सरधना थाना क्षेत्र में भाजपा नेता के रिश्तेदार की अपहरण के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका शव गंगनहर के किनारे मिला है। भाजपा नेता का रिश्तेदार जानलेवा हमले के मामले में जेल जा चुका था और जमानत पर चल रहा था। जमानत पर छूटने के बाद से वह अपनी बहन के यहां रहकर खाद-बीज की दुकान चलाता था। भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य सुनील प्रधान का रिश्तेदार शिवम 26 वर्ष मूल रूप से हापुड़ जिले के पिलखुवा के गांव बड़ौदा का रहने वाला था। रात जब वह दुकान बंद करके घर की तरफ जा रहा था, तभी रास्ते में कुछ लोग कार से आए और उसका अपहरण कर लिया। शिवम का अपहण एक पेट्रोल पंप के पास से किया गया। घटना के बारे में बताते एसपी देहात एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा। पेट्रोल पम्प कर्मियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने खोजबीन की तो लगभग 500 मीटर दूर शिवम की बाइक, खून के निशान और मोबाइल पड़ा मिला। पुलिस ने इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया तो सलावा गांव के पास गंगनहर पटरी पर एक शव मिला। जिसके बाद मोबाइल के माध्यम से कुछ नंबर पर सम्पर्क किया तो शव की पहचान शिवम के रूप में हुई। उसकी गोली मारकर हत्या की गई थी। एसपी देहात एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। शिवम बड़ौदा गांव में एक जानलेवा हमले के मामले में जेल जा चुका था। इन दिनों वह जमानत पर था और अपनी बहन के यहां रहकर खाद-बीज की दुकान चला रहा था। हत्या के खुलासे के लिए टीम बनाई गई है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा स्थगित

मनमोहन सिंह के निधन के बाद लिया गया निर्णय

पटना, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'प्रगति यात्रा' स्थगित कर दी गई है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ। मनमोहन सिंह के निधन के कारण यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 'प्रगति यात्रा' के तहत आज (शुक्रवार) मुजफ्फरपुर और (शनिवार) हाजीपुर जाने वाले थे। इस दो दिन की यात्रा को स्थगित किया गया है। हालांकि आज की यात्रा को लेकर मुजफ्फरपुर में पूरी तैयारी हो गई थी। यहां तक कि शहर के रूट आदि को भी डायवर्ट कर दिया गया था। कई रास्तों को बंद भी किया गया था। नीतीश कुमार की यात्रा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से देर शाम तक सारी तैयारी पूरी कर ली गई थी लेकिन देर रात में पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन के बाद अचानक यात्रा में यह बदलाव किया गया है।

सम्राट चौधरी ने भी अपने कार्यक्रम को किया रद्द

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण अन्य नेता भी अपने कार्यक्रम को रद्द कर रहे हैं। जानकारी सामने आई है कि नीतीश कुमार की 'प्रगति यात्रा' के बाद बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी अपने सारे कार्यक्रम को रद्द कर दिया है। बता दें कि नीतीश कुमार की 'प्रगति यात्रा' का पहला चरण 23 दिसंबर 2024 से शुरू हुआ था। पहले चरण के तहत 28 दिसंबर तक यह यात्रा होनी थी। वहीं दूसरे चरण की यात्रा चार जनवरी 2025 से शुरू होने वाली है। यह यात्रा 13 जनवरी तक चलेगी। दूसरे चरण के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार छह जिलों का दौरा करेंगे। हालांकि देखना होगा कि हाजीपुर और मुजफ्फरपुर की यात्रा जो रद्द की गई है इसके लिए दोबारा क्या तारीख तय होती है। अभी इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर यूपी में भी 7 दिनों तक राजकीय शोक का ऐलान

लखनऊ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का लंबी बीमारी के बाद बीती रात निधन हो गया। 92 साल की उम्र में डॉ सिंह ने दिल्ली स्थित एम्स में आखिरी सांस ली। पूर्व पीएम डॉ सिंह के निधन पर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। यूपी की योगी सरकार ने राज्य में राजकीय शोक घोषित कर दिया है। 1 जनवरी 2025 तक उत्तर प्रदेश में राजकीय शोक घोषित किया गया है। इसको लेकर शासन द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। बता दें कि आज से लेकर 1 जनवरी तक राजकीय शोक के दौरान यूपी में भी राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इसी के साथ कोई भी सरकारी मनोरंजक कार्यक्रम नहीं होगा।

राष्ट्रीय शोक भी घोषित

बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर भारत सरकार ने 7 दिनों के राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है। पूरे राजकीय सम्मान के साथ पूर्व पीएम का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

नालंदा में सिपाही की पत्नी का शव घर से बरामद

हिरासत में लिया गया पुलिसकर्मी, क्या है मामला?

नालंदा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा में शुक्रवार को एक सिपाही की पत्नी का शव बरामद किया गया है। घटना की जानकारी के बाद मायके के लोग भी पहुंचे। इस पूरे मामले में पुलिस ने महिला के सिपाही पति को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। मृतका की पहचान सोहसराय थाना इलाके के खासगंज मोहल्ला निवासी सिपाही ओम प्रकाश दिवाकर की 24 वर्षीय पत्नी अनुराधा कुमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बिहार थाना इलाके के उपरौरा गांव की रहने वाली अनुराधा कुमारी की शादी 2019 में ओम प्रकाश दिवाकर के साथ हुई थी। फिलहाल इन दोनों की कोई संतान नहीं है। अनुराधा के पिता राजकिशोर पासवान ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी के समय 16 लाख रुपये उपहार के रूप में दिए थे। सुसराल वालों ने बीती रात गला दबाकर उनकी बेटी की हत्या कर दी। घटना के समय उसका सिपाही पति भी मौजूद था। इस घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया है। दूसरी ओर राजकिशोर पासवान ने आरोप लगाते हुए कहा कि उनका दामाद बुलेट और पांच लाख रुपये की मांग कर रहा था। मांग पूरी नहीं करने पर बेटी से मारपीट की जाती थी। कई बार मामले को लेकर समझौता भी करवाया गया, लेकिन ओम प्रकाश दिवाकर को सिपाही होने का गुमान था। वो लगातार पांच महीनों से उसकी बेटी को परेशान कर रहा था। सोहसराय थाना प्रभारी राजमणि ने बताया कि महिला के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। इसको लेकर महिला के पति को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। महिला के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। दहेज हत्या के आवेदन पर जांच के बाद कार्रवाई होगी।

पति ने पत्नी की मांग में पड़ोसी से डलवाया सिंदूर अवैध संबंध के आरोप से दो परिवार हुआ तबाह

पूर्णिया, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में अवैध संबंध की वजह से कई परिवार तबाह हुए हैं। हाल में अवैध संबंध की वजह से कई हत्याएं भी सामने आयी। वहीं पूर्णिया जिले में एक मामला सामने आया है जिसमें गलत संबंध का आरोप लगाकर पति ने अपनी पत्नी की मांग में जबरन अपने पड़ोसी से सिंदूर डलवा दिया। जिस व्यक्ति पर अवैध संबंध का आरोप है उसे ग्रामीणों ने जमकर पीटा। महिला दो बच्चों की मां है और अब उसे पति ने घर से भगा दिया है। वो उसी पड़ोसी के बरामदे पर रह रही है जिससे उसके अवैध संबंध बताए गए हैं। पूर्णिया जिले के केनगर थाना क्षेत्र के हाट धनहारा गांव में हाईवोल्टेज ड्रामा चला। पूरे मामले के बारे में तब पता चला जब एक पीड़ित महिला एसपी से मदद मांगने के लिए पुलिस कार्यालय पहुंच गयी। महिला ने बताया कि 14 साल पहले उसकी शादी हुई है और उसे 10 साल की एक बेटी और 8 साल का बेटा भी है। उसके पति ने उसके ऊपर पड़ोसी से अवैध संबंध होने का आरोप लगाया और गांव वालों को बुलाकर सरेआम तमाशा किया।

पुलिस की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सख्त निगरानी के दिए आदेश समर्पित कॉर्पस फंड और स्थापित किया जाए

लखनऊ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग के तहत पुलिस लाइन, ट्रांजिट हॉस्टल और प्रशिक्षण संस्थानों के निर्माण में गुणवत्ता बनाए रखने और समय सीमा का पालन करने के महत्व पर जोर दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपने सरकारी आवास पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रगति सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रशासनिक स्तरों पर इन परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए।

बढ़ाई जाए निगरानी की जिम्मेदारी

सीएम योगी ने जोर दिया कि गृह विभाग के सचिव स्तर के अधिकारी को साप्ताहिक समीक्षा करनी चाहिए, जबकि अतिरिक्त मुख्य सचिव को पाक्षिक समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निगरानी की जिम्मेदारी जिला, रेंज और जोनल पुलिस अधिकारियों तक भी बढ़ाई जानी चाहिए।

50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का ऑडिट

जवाबदेही पर जोर डालते हुए सीएम योगी ने 50 करोड़ रुपये से अधिक की सभी परियोजनाओं के लिए तकनीकी संस्थानों द्वारा मासिक तीसरे पक्ष के ऑडिट का आदेश दिया। बयान में कहा गया है कि इस ऑडिट में ऑन-साइट सत्यापन और रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत फोटोग्राफिक साक्ष्य शामिल होने चाहिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्माण प्रक्रिया में अनुभवी पेशेवरों की आवश्यकता को भी रेखांकित किया, यदि आवश्यक हो तो प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों से सेवानिवृत्त इंजीनियरों या कुशल पेशेवरों को शामिल करने का सुझाव दिया। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि कार्य शुरू होने के बाद स्वीकृत परियोजना डिजाइन में कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए, सिवाय अपरिहार्य परिस्थितियों और अधिकारियों से पूर्व अनुमोदन के। सीएम योगी ने ऊंची इमारतों के लिए निर्देश दिया कि लिफ्ट को अनिवार्य किया जाए और उनके रखरखाव के लिए एक समर्पित कॉर्पस फंड स्थापित किया जाए।बजट आवंटन और परियोजना प्रगति की क्षेत्रवार समीक्षा करते हुए सीएम आदित्यनाथ ने फील्ड अधिकारियों के लिए आवास सुविधाओं में सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। बयान के अनुसार, इस उद्देश्य के लिए पुलिस लाइन में बहुमंजिला आवासीय भवनों का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि संभल, हापुड़, चंदौली, औरैया, अमरोहा और शामली जैसे जिलों में वर्तमान में स्थायी पुलिस लाइन नहीं है। परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए उनका निर्माण चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अलीगढ़ पुलिस लाइन में चार ब्लॉकों वाला एक ट्रांजिट हॉस्टल अप्रैल 2025 तक पूरा हो जाएगा। सीएम ने कहा कि उन्नाव में राजकीय अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय और लखनऊ में वीरांगना उदा देवी महिला पुलिस बटालियन के लिए आवासीय और गैर-आवासीय सुविधाओं में तेजी आनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। सीएम योगी ने मुरादाबाद, मेरठ, गोरखपुर और सीतापुर में पुलिस प्रशिक्षण सुविधाओं की क्षमता दोगुनी करने सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्ध नगर और शामली में नई पीएसी बटालियन स्थापित करने, अयोध्या में फोरेंसिक लैब बनाने और गोरखपुर में महिला पीएसी बटालियन के लिए मेरठ और बदायूं में आवासीय पुलिस प्रशिक्षण स्कूल बनाने के लिए भी इसी तरह के निर्देश जारी किए।

संसद भवन के सामने खुद को आग हवाले कर लिया था युवक, आरएमएल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत,

बागपत, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में अति सुरक्षित इलाका रेल भवन के सामने खुद को आग लगाने वाले युवक की शुक्रवार को मौत हो गई। 25 दिसंबर के दिन दोपहर के समय युवक ने खुद को आग हवाले कर लिया था। इस घटना के बाद उसे घायल अवस्था मे इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात युवक की आरएमएल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बीती रात अस्पताल के डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। बता दें कि 25 दिसंबर को दोपहर के वक्त बागपत के रहने वाले जितेंद्र ने अपने आप को आग के हवाले कर लिया था।

अब दिल्ली तक दौड़ेगी नमो भारत ट्रेन

29 दिसंबर को पीएम मोदी करेंगे आनंद विहार स्टेशन का उद्घाटन

गाजियाबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को साहिबाबाद से आनंद विहार स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके मद्देनजर गाजियाबाद में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए गाजियाबाद पुलिस ने आठ थाना क्षेत्रों को ड्रोन रहित क्षेत्र घोषित किया है। प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोतवाली, मधुबन बापूधाम, नंदग्राम, लिंक रोड, साहिबाबाद, इंदिरापुरम, सिहानी गेट और कौशांबी

थाना क्षेत्रों में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

बीएनएस की धारा 163 लागू

पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (उपद्रव या खतरे की आशंका के तत्काल मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति) भी लागू की है। कुमार ने कहा, "पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और हम जल्द ही कार्यक्रम के दौरान सुचारू आवाजाही के लिए मार्ग परिवर्तन योजना जारी करेंगे।"

बता दें कि नमो भारत ट्रेनें भारत की भविष्य की क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट प्रणाली का हिस्सा हैं, जो आधुनिक, हाई-स्पीड कनेक्टिविटी प्रदान करती हैं। स्मार्ट टिकटिंग, आरामदायक सीटिंग और बेहतर सुरक्षा प्रणालियों जैसी उन्नत सुविधाओं से लैस इन ट्रेनों का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में यातायात की भीड़ और प्रदूषण को कम करते हुए एक सहज यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

दिल्ली से मेरठ के बीच 82 किलोमीटर के रूट पर चलेगी ट्रेन

30,274 करोड़ रुपये की परियोजना का पूरा गलियारा 82 किलोमीटर लंबा होगा और दिल्ली के सराय काले खां स्टेशन से मेरठ के मोदीपुरम तक फैला होगा। मेल एक्सप्रेस ट्रेन में मेरठ और दिल्ली के बीच डेढ़ घंटे और लोकल ट्रेन में दो घंटे का समय लगता है, लेकिन आरआरटीएस में केवल 55-60 मिनट लगेंगे। इस पूरे प्रोजेक्ट को जून 2025 में पूरा होने की उम्मीद है। बता दें कि इस परियोजना की आधारशिला पीएम मोदी ने 8 मार्च, 2019 को रखी थी।

20 अक्टूबर, 2023 को हुआ था पहले खंड का उद्घाटन

साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच आरआरटीएस का पहला 17 किलोमीटर का प्राथमिकता वाले खंड का 20 अक्टूबर, 2023 को मोदी ने उद्घाटन किया था। वर्तमान में नमो भारत सेवाएं साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुरादनगर, मोदी नगर दक्षिण, मोदी नगर उत्तर और मेरठ दक्षिण सहित नौ स्टेशनों तक 42 किलोमीटर के गलियारे में संचालित होती हैं।

'मुस्लिम मथुरा-काशी और अयोध्या दे देते तो हिंदू समाज आज मान गया होता

मथुरा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में मंदिर मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद के बीच विश्व हिन्दू परिषद के संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेंद्र जैन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि इस देश में लाखों मंदिरों पर मस्जिदें बनाई गई हैं। हमने तो मुस्लिम समाज से सिर्फ मथुरा, काशी और अयोध्या ही मांगे थे। अगर मुस्लिम समाज इसके लिए मान जाता है तो हिन्दू समाज एक बार के लिए रुक सकता है। सुरेंद्र जैन ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भारत में लाखों मंदिरों को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने हिन्दू मंदिर को तोड़ा और वहां मस्जिदें बनाईं। 1984 में भारत के संतों ने मुसलमानों को अच्छा प्रस्ताव दिया था कि आप हमें केवल तीन मथुरा, काशी और अयोध्या वापस दे दो, हम लाखों मंदिरों को भूल जाएंगे। आज जो हालात बने हैं उनके लिए मुस्लिम नेतृत्व और धर्मनिरपेक्षता का दम भरने वाले नेता ही जिम्मेदार है।

मथुरा-काशी वापस करे मुस्लिम समाज

वीएचपी महासचिव ने आगे कहा हमने अयोध्या तो ले ली। लेकिन, कोर्ट में लड़कर ली है। अगर मुसलमान उस वक्त आगे बढ़ते और हमारे वो तीनों स्थान हमें वापस कर देते तो ये विषय ही नहीं आता। अब बाकी दो बचे हैं अगर उन दोनों को भी दे देते हैं तो मुझे लगता है कि समाज में जो जागृत वर्ग है उन्हें भी हम समझा सकेंगे कि हर जगह पर ये काम नहीं किया जा सकता है। सर संघचालक मोहन भागवत के बयान पर उन्होंने कहा कि सरसंघचालक ने जो कहा है वो ठीक है लेकिन, सबके लिए कहा है। यदि कहीं कोर्ट में मामला चल रहा है उसका फैसला कोर्ट को करने दीजिए। लेकिन वो सड़कों पर उतरेंगे, विरोध करेंगे, सर तन से जुदा के नारे लगाएंगे ये कौन से तरीका है न्यायपालिका के न्याय की प्रतीक्षा सबको करनी चाहिए।

'मजिस्ट्रेट को अति-तकनीकी दृष्टिकोण नहीं अपनाना था'

दुष्कर्म के आरोपी फिल्म निर्माता को राहत पर कोर्ट नाराज

मुंबई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। एक सत्र अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट को आरोपी फिल्म निर्माता गुणवंत जैन की गिरफ्तारी के कारणों के बारे में सूचना मिलने के समय को लेकर अति-तकनीकी दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए था, जिस कारण उसे राहत दी गई थी। जैन पर एक 38 वर्षीय मॉडल के साथ दुष्कर्म का आरोप है।

इसलिए किया था रिहा

गुणवंत जैन को 21 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था और अगले दिन उसे उपनगर अंधेरी स्थित मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पांच दिन की रिमांड की मांग की थी। हालांकि, मजिस्ट्रेट ने पाया कि गिरफ्तारी के चार मिनट बाद आरोपी को बताया गया था कि उसे क्यों गिरफ्तार किया जा रहा है, जो कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) का उल्लंघन है। इसलिए जैन को तुरंत रिहा कर दिया।

पुलिस पहुंची थी सत्र न्यायालय

इस आदेश के खिलाफ पुलिस ने सत्र न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर

की। 24 दिसंबर को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डीजी धोबले ने पुलिस की याचिका को स्वीकार करते हुए फिल्म निर्माता को संबंधित पुलिस स्टेशन (वर्सोवा) में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। साथ ही, अदालत ने कहा कि अगर जैन आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो पुलिस उसे फिर से गिरफ्तार कर सकती है।

जैन के वकील का दावा

पुलिस ने सत्र न्यायालय में कहा कि मजिस्ट्रेट का आदेश कानून के खिलाफ और जांच में रुकावट डालने वाला था। पुलिस का कहना था कि जैन की गिरफ्तारी बीएनएसएस के प्रावधानों के तहत वैध थी। वहीं, जैन के वकील ने यह तर्क दिया कि गिरफ्तारी खुद अवैध थी क्योंकि बीएनएसएस के तहत अनिवार्य प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। उनका कहना था कि जैन या उनके परिवार वालों को गिरफ्तारी के कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई थी। उन्हें 21 नवंबर को रात 11 बजकर 56 मिनट पर गिरफ्तार किया था और 23 बजे गिरफ्तारी का कारण बताया गया था।

क्या बोला सत्र न्यायालय?

सत्र न्यायालय ने कहा कि यह विवाद नहीं था कि गिरफ्तारी के कारणों के बारे में जैन को सूचित किया गया था, बल्कि यह सवाल था कि समय पर सूचना दी गई थी या नहीं। कोर्ट ने कहा, 'कानून के तहत गिरफ्तारी के कारण तुरंत सूचित किए जाने की बात कही गई है, लेकिन इसका मतलब है कि इसे उचित समय के भीतर किया जाना चाहिए।' कोर्ट ने यह भी कहा कि गिरफ्तारी के कारणों के दस्तावेज में समय 23:00 बजे के आसपास दर्ज किया गया था, लेकिन यह केवल एक टाइपिंग गलती हो सकती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस गलत समय से कोई नुकसान नहीं हुआ और न ही इसका कोई प्रबंधकीय असर पड़ा। अंततः सत्र न्यायालय ने कहा कि मजिस्ट्रेट ने 'तत्काल' शब्द का गलत अर्थ लिया और इसकी वजह से आदेश को निरस्त किया।

कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि मजिस्ट्रेट कोर्ट को अति-तकनीकी दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए था और इसे जांच की जरूरतों के साथ प्रक्रिया का संतुलन बनाना चाहिए था। प्राथमिकी में फिल्म निर्माता पर आरोप है कि उसने मॉडल को शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया, उसे नशीला पदार्थ देकर शारीरिक उत्पीड़न किया और धमकी दी।

'सहपाठी को पेन चुभोने के लिए बच्चों को उकसा रही थी शिक्षिका, एफआईआर दर्ज

नागपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में छात्रों को एक सहपाठी को पेन चुभोने के लिए कहने पर ट्यूशन पढ़ाने वाली 45 वर्षीय शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक शिक्षिका एक क्लासमेट को पेन से चोट पहुंचाने के लिए बच्चों को उकसा रही थी। यह घटना मंगलवार को ट्यूशन के दौरान हुई। ट्यूशन पढ़ने के दौरान पांच साल के लड़के ने अपने 10 साल के भाई को पेन चुभो दिया। इसके बाद शिक्षिका श्रीनिता सखारे ने दूसरे छात्रों को भी बड़े भाई के साथ ऐसा ही करने को कहा। मामले की जानकारी मिलने पर लड़के के पिता ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। बच्चों के पिता ने नाराजगी जताई है। उन्होंने बच्चों के साथ इस व्यवहार को अनुचित बताया। अधिकारी ने बताया कि यशोधरा नगर पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। यशोधरा नगर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत दर्ज होने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इस तरह की घटनाएं फिर से न हों और बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिले।' वहीं, कई अभिभावकों ने ट्यूशन शिक्षकों की जवाबदेही और बच्चों के साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाने की मांग की है।

'2025 के विधानसभा चुनावों में हार तय मान चुकी आप' देवेंद्र यादव ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि 2025 विधानसभा चुनावों में अरविन्द केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की हार तय मान चुकी आम आदमी पार्टी अब कांग्रेस द्वारा चयनित उम्मीदवारों से घबरा कर खुले रूप से गलत बयानबाजी कर रही है।

विदेशों से फंडिंग का कांग्रेस ने आप पर लगाया आरोप

देवेन्द्र यादव ने कहा, "आम आदमी पार्टी के नेता अपने दम पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस पर आरोप लगाने से पहले बताएं कि विदेशों से प्रतिवर्ष कितनी फडिंग होती है, उसे सार्वजनिक करें। क्योंकि खालिस्तान की बात करके उन्होंने अपना असली चेहरा पहले ही जनता के सामने दिखा दिया है"।

दिल्ली के विकास को 50 वर्ष पीछे लाकर खड़ा किया: यादव

देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में दिल्ली की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्वस्त करने, बिजली के बिलों में दोगुनी वृद्धि, गंदे पानी के भारी भरकम बिल भरते और दिल्ली को बेरोजगारी के रिकार्ड स्तर पर पहुंचाने वाले अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली को विकास के क्षेत्र में 50 वर्ष पीछे लाकर खड़ा कर दिया है।

गठबंधन को लेकर आप की बयानबाजी पर दिया जवाब

उन्होंने गठबंधन पर आप की बयानबाजी पर आड़े हाथ लेते हुए कहा कि गठबंधन संबंधित बयानबाजी आम आदमी पार्टी के नेता न ही करें तो बेहतर होगा, अगर करनी है तो पूछे अपने मुखिया केजरीवाल से जिन्होंने दिल्ली में सबसे पहले बयान दिया कि दिल्ली में कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। यह गठबंधन का ही परिणाम है कि कश्मीर में आम आदमी पार्टी का एक विधायक है, वरना उनका वहां कोई वजूद नहीं था। डीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा, "जारी श्वेत पत्र केजरीवाल के 11 वर्षों के कुशासन का मात्र का कुछ अंश ही प्रकाशित है और आम आदमी पार्टी दोराहे पर आकर खड़ी हो गई है। क्या सीएए में आम आदमी पार्टी बीजेपी के साथ खड़ी नहीं रही? शराब घोटाला में दोनों ने मिलकर दिल्ली की जनता को नशे की राजधानी बनाया और दिल्ली की सत्ता केजरीवाल बीजेपी के कंधों पर सवार होकर हासिल की, यह दिल्ली ही नही, दुनिया जानती है"।

महिला ने बैंक के रिकवरी एजेंटों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप, सोशल मीडिया पर बताई आपबीती

ठाणे, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कल्याण के एक स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाने वाली ठाणे की एक महिला ने एक बैंक के लिए काम करने वाले रिकवरी एजेंटों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। महिला ने खुद इस घटना की जानकारी ऑनलाइन साझा करते हुए आरोप लगाया कि एजेंट अक्सर किसी और की तलाश में उसके घर आते थे। उसने कहा कि उन्हें यह बताने के बाद भी कि जिस व्यक्ति की वे तलाश कर रहे थे वह अब वहां नहीं रहता है इसके बाद भी उनके द्वारा उत्पीड़न जारी रहा। लिंक्डइन पर एक महिला ने लिखा, इंडसइंड बैंक एक खराब बैंक है। निम्नलिखित पंक्तियों में, उसने अपने बयान के पीछे का कारण भी समझाया। उन्होंने आगे कहा, बैंक के रिकवरी एजेंट किसी और की तलाश में मेरे घर आए थे। उन्हें यह बताने के बावजूद कि मैं कौन हूं और वह व्यक्ति वहां नहीं रहता, उन्होंने मुझे परेशान करना जारी रखा। मैं एक महिला हूं और यह मेरी निजता का उल्लंघन है। इस तरह का उत्पीड़न स्वीकार्य नहीं है। महिला ने आगे कहा कि अगर रिकवरी एजेंट उसे परेशान करना जारी रखते हैं तो वह पुलिस को उनके बारे में रिपोर्ट करेगी।

बीजेपी महिला मोर्चा ने अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर किया प्रदर्शन, महिला सम्मान योजना को बताया फर्जी

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी महिला सम्मान योजना को लेकर बीजेपी की महिला विंग ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रही हैं। दिल्ली महिला मोर्चा ने इसे फर्जी करार दिया है और केजरीवाल पर दिल्ली की महिलाओं को छलने और महिला सम्मान के नाम पर झूठी तसल्ली देने का आरोप लगाते हुए उनके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। महिला मोर्चा की अध्यक्षा ऋचा पांडेय के नेतृत्व में किये गए इस विरोध प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष योगिता सिंह, मोर्चा प्रभारी श्याम बाला, प्रदेश प्रवक्ता एवं निगम पार्षद शिखा राय, मोर्चा महामंत्री प्रियल भारद्वाज, प्रदेश उपाध्यक्ष शिखा माथुर, संगीता चौधरी, रेखा सिंह सहित अन्य महिला मोर्चा पदाधिकारी भी मौजूद रहीं।

दिल्ली पुलिस ने डिटेन करने के बाद चेतावनी देकर छोड़ा

हालांकि, इस प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल के आवास के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर रखे थे और बेरिकेड्स लगा कर घेराबंदी भी की गई थी। लेकिन भाजपा महिला मोर्चा की प्रदर्शनकारियों ने बेरिकेड्स को पार करने की कोशिश की, जिस पर पुलिस ने उन्हें डिटेन कर लिया और सभी को मंदिर मार्ग थाने ले आयी, जहां से उन्हें चेतावनी देकर कुछ देर बाद छोड़ दिया गया।

आप की महिला सम्मान योजना महिलाओं के साथ धोखा: ऋचा पांडेय

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही महिला मोर्चा की अध्यक्षा ऋचा पांडेय मिश्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली की महिलाओं के साथ धोखा किया है और फर्जी स्किम लॉन्च की है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जगह जगह कैंप लगाकर महिलाओं के आधार कार्ड, वोटर कार्ड और मोबाइल नंबर लेकर आप एक बड़े फर्जीवाड़े की साजिश कर रही है। लेकिन दिल्ली की महिलाएं इस तरह की फर्जीवाड़े को बर्दास्त नहीं करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब में 1000 रुपये की स्किम का ऐलान किया गया था, लेकिन आज तक उसे पूरा नहीं किया तो दिल्ली में वह 2100 रुपये कैसे देंगे। यह सिर्फ चुनावी जुमला है और हर वायदों की तरह यह भी एक छलावा है। श्याम बाला ने कहा कि खुद अरविंद केजरीवाल सरकार ने ही अखबार में विज्ञापन के माध्यम से दिल्ली की सभी महिलाओं को चेतावनी दी है कि वह अपना पर्सनल डिटेल किसी को शेयर ना करें। अरविंद केजरीवाल एक पार्टी के तौर पर चाहे जो प्रचार करना चाहे वह करें लेकिन सरकार के नाम पर वह कोई भी कुप्रचार नहीं कर सकते।

मध्य प्रदेश के तीन शहरों में पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, कई दस्तावेज मिले

भोपाल, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा पर ईडी ने शिकंजा कस दिया है। आरटीओ के करोड़पति पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के घर और दफ्तर में शुक्रवार सुबह से ही छापेमारी चल रही है। जानकारी के अनुसार, ईडी ने भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में आज सुबह एक साथ छापेमारी की। जानकारी के अनुसार, सौरभ शर्मा के ठिकानों से कुछ दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, ईडी टीम सौरभ शर्मा के विनय नगर सेक्टर 2 स्थित मकान पर पहुंची है और छापेमारी की कार्रवाई चल रही है। सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी में ये कार्रवाई हो रही है। भोपाल के बाद अब ग्वालियर में भी सौरभ के ठिकानों को जांच एजेंसियां ने निशाने पर लिया है। सौरभ शर्मा के पड़ोसियों ने बताया कि जांच एजेंसी की कार्रवाई सुबह से ही चल रही है।

जबलपुर में सौरभ के रिश्तेदार के घर पर ईडी पर रेड

जानकारी के अनुसार, जबलपुर में सौरभ शर्मा के रिश्तेदार बिल्डर रोहित तिवारी के घर भी ईडी की छापेमारी चल रही है। शास्त्री नगर स्थित आवास पर ईडी ने रेड मारी है। रोहित तिवारी की गिनती शहर के बड़े बिल्डरों में होती है। घर के सभी सदस्यों से ईडी पूछताछ कर रही है। बता दें कि एक कांस्टेबल से बिल्डर बने सौरभ शर्मा की कई केंद्रीय एजेंसियों के तरफ से भ्रष्टाचार के मामले में जांच की जा रही है। इस मामले की जांच ईडी, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और लोकायुक्त द्वारा की जा रही है। 19 दिसंबर को लोकायुक्त पुलिस ने भोपाल में सौरभ शर्मा की संपत्तियों की तलाशी ली। जिसमें 2 I87 करोड़ रुपये नकद और 234 किलोग्राम चांदी सहित 7 I98 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी। जांच में तेजी तब आई जब उसी दिन भोपाल के बाहरी इलाके में खड़ी एक लावारिस एसयूवी में 52 किलोग्राम सोना और 11 करोड़ रुपये नकद मिले। कार शहर के बाहरी इलाके में मेंडोरी के जंगल में मिली थी, जब जंगल के रास्ते सोना ले जाने की सूचना मिली थी। कई गवाहों ने हथियारबंद लोगों को वाहन छोड़ते हुए देखा। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आयकर अधिकारियों ने आयकर अधिनियम की धारा 132 के तहत कार को जब्त कर लिया। इनोवा कार कथित तौर पर सौरभ शर्मा के सहयोगी चेतन गौर की है।

चीनी मिल में कर्मचारी कर रहे थे काम, तभी फट गया सल्फर का टैंक, 2 की मौके पर मौत

जालना, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जालना जिले में बड़ा हादसा हो गया। एक चीनी मिल में सल्फर टैंक फटने से दो लोगों की मौत हो गई। एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिले के एक अधिकारी ने ये जानकारी दी है। अधिकारी ने कहा कि यह दुर्घटना दोपहर को परतुर में बागेश्वरी चीनी कारखाने में हुई है। अधिकारी ने कहा कि जब चीनी मिल में काम चल रहा था, तब एक सल्फर टैंक में विस्फोट हो गया। मृतकों की पहचान सिंदखेडराजा निवासी अशोक तेजराव देशमुख (56) और परतुर निवासी अप्पासाहेब शंकर पारखे (42) के रूप में हुई है। एक व्यक्ति घायल होने के कारण अस्पताल में भर्ती है। वहीं, इस मामले पर परतुर पुलिस ने कहा कि आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। चीनी मिल में सल्फर का टैंक कैसे फटा? इस मामले की जांच की जा रही है। चीनी कारखाने के अधिकारियों से पूछताछ के बाद ही हादसे के कारणों का पता चल सकेगा।

आधी उम्र के युवक से अफेयर, पत्नी मोहिनी ने दी सतीश वाघ को मारने की सुपारी, बीजेपी एमएलसी के मामा हत्याकांड की कहानी

पुणे, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) योगेश तिलेकर के मामा बीते दिनों लापता हो गए। उनके किडनैप होने की खबर आई और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड ने सनसनी फैला दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। घटना का खुलासा हुआ तो और भी ज्यादा सनसनीखेज था। बीजेपी एमएलसी के मामा की हत्या उनकी ही पत्नी ने सुपारी किलर्स से करवाई थी। चाची ने अपने पति की सिर्फ इसलिए मरवा दिया क्योंकि उनका एक आधी उम्र के युवक के साथ अफेयर हो गया था और मामा को इस बात की जानकारी हो गई थी। पुलिस ने बताया कि सतीश वाघ की पत्नी को अपने पति की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसने अपने ही पति को मरवाने के लिए पांच लाख रुपये की सुपारी दी थी। उसका अपने से आधी उम्र के युवक के साथ अफेयर हो गया था। पुलिस ने बताया कि 55 वर्षीय सतीश वाघ का 9 दिसंबर को पुणे जिले में अपहरण कर लिया गया था। बाद में उसकी हत्या कर दी गई। उन्हें पुणे शहर के हडपसर इलाके में शेवालवाड़ी चौक के पास एक कार में ले जाया गया था। अपहरण स्थल से करीब 40 किलोमीटर दूर, जिले में पुणे-सोलापुर राजमार्ग पर यवत के पास उनकी लाश मिली थी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) शैलेश बलकावड़े ने कहा कि पुलिस ने मामले की जांच की, उसके बाद मोहिनी वाघ (49) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि अक्षय जावलकर (29) अपने परिवार के साथ सतीश वाघ के मकान में किराए पर रहता था। उसका परिवार यहां कई वर्षों से रह रहा था। इसी दौरान अक्षय और मोहिनी का अफेयर हो गया। लगभग डेढ़ साल पहले सतीश वाघ को दोनों पर शक हुआ। एक दिन उन्होंने दोनों को एक साथ बिस्तर पर पकड़ लिया जिसके बाद विवाद हुआ। हालांकि सतीश ने बदनामी के डर से कोई कार्रवाई नहीं की और वॉर्निंग देकर अक्षय के परिवार को मकान खाली करने को कहा। अक्षय का परिवार चला गया। सतीश को लगा कि मामला यहीं खत्म हो गया लेकिन ऐसा नहीं था। मकान से जाने के बाद भी अक्षय और मोहिनी का अफेयर गुपचुप जारी रहा। दोनों साथ रहना चाहते थे लेकिन सतीश के जिंदा रहते यह संभव नहीं था। इसके बाद मोहिनी ने सतीश को मरवाने की साजिश रची।

'रिकॉर्ड से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं', संजौली मस्जिद विवाद में नया मोड़, सरकारी जमीन होने का किया गया दावा

शिमला, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी शिमला के उपनगर संजौली के मस्जिद विवाद में अब नया मोड़ सामने आया है। देवभूमि संघर्ष समिति ने दावा कि है कि जिस जमीन पर मस्जिद बनाई गई है, राजस्व रिकॉर्ड में वह जमीन वक्फ बोर्ड की नहीं बल्कि प्रदेश सरकार की है। मस्जिद के भवन के निर्माण के बारे में संजौली मस्जिद कमेटी ने नक्शा भी जमा नहीं करवाया है। 2010 में जो नक्शा संजौली मस्जिद कमेटी ने जमा करवाया था, वह नक्शा तत्कालीन आयुक्त ने खारिज कर दिया था। इसके बाद कोई भी नक्शा जमा नहीं किया गया है। ऐसे में पूरी संजौली मस्जिद अवैध है। शिमला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए संजौली मस्जिद मामले में स्थानीय लोगों के अधिवक्ता जगतपाल ने बताया कि वक्फ बोर्ड को न्यायालय में मार्च तक राजस्व रिकॉर्ड पेश करना है। उन्होंने आशंका जताई कि रिकॉर्ड से राजस्व छेड़छाड़ हो सकती है। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब तक के राजस्व रिकॉर्ड व जमाबंदी में जमीन का मालिकाना हक

सरकार के पास है। ऐसे में वक्फ बोर्ड की ओर से रिकॉर्ड पेश करने के लिए समय मांगना शक पैदा करता है। जगतपाल ने नगर निगम के आयुक्त की अदालत पर उच्च न्यायालय के आदेश की अवज्ञा का आरोप लगाया है। मामले पर जल्द निर्णय न होने पर अधिवक्ता जगतपाल ने हाईकोर्ट जाने की भी बात कही है। संजौली में मस्जिद के अवैध निर्माण पर लोगों व हिंदू संगठनों ने कई दिन तक आंदोलन किया था। 11 सितंबर को मस्जिद कमेटी ने ही अवैध बताए जा रहे, हिस्से को खुद हटाने की पेशकश की थी। नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने पांच अक्टूबर को मस्जिद की अवैध मंजिलों को तोड़ने का आदेश दिया था। 15 अक्टूबर को मस्जिद कमेटी ने पांचवीं मंजिल को तोड़ने का कार्य आरंभ किया था। 21 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने मस्जिद के पूरे ढांचे की वैधता पर अंतिम फैसला आठ हफ्ते में करने के आदेश जारी किए थे। मुस्लिम पक्ष की निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने 30 नवंबर को खारिज कर दी थी। अब निचली दो मंडिलों की वैधता पर आयुक्त कोर्ट में मामला चल रहा है।

न्यायालय के फैसले के बाद उठाया जाएगा अगला कदम

देवभूमि संघर्ष समिति के प्रांत सचिव विजेंद्र पाल सिंह ने कहा कि संजौली मस्जिद को लेकर देवभूमि का आंदोलन हिंसक नहीं था। कुछ लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। अभी देवभूमि संघर्ष समिति भी न्यायालय के निर्णय का इंतजार कर रही है। उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड जैसे विभिन्न राज्यों में सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण तुरंत हटाने के आदेश दिए जाते हैं, लेकिन हिमाचल में दस्तावेजों से यह साबित होता है कि मस्जिद अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर बनी है।

लुधियाना में आप नेता गिरफ्तार: बिट्टू भूल्लर ने दूसरे की प्रॉपर्टी पर किया कब्जा पत्नी ने लड़ा था निगम चुनाव

लुधियाना, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आप नेता ने अपने साथियों के साथ किसी दूसरे की प्रॉपर्टी पर अवैध कब्जा किया है। इसकी शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आप नेता सरबजिंदर सिंह उर्फ बिट्टू भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया है। सरबजिंदर सिंह उर्फ बिट्टू भुल्लर की पत्नी परमिंदरजीत कौर वार्ड-69 से नगर निगम चुनाव लड़ चुकी है। आरोपों के तहत सरबजिंदर सिंह ने हंबड़ा रोड पर स्थित कमर्शियल प्लाट पर कब्जा किया है। जब प्लाट के असली मालिकों को इसका पता चला तो उन्होंने बिट्टू के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी। थाना पीएयू की पुलिस ने मामले की जांच के बाद मल्होत्रा रियालटी प्राइवेट लिमिटेड रानी झांसी रोड घुमारमंडी के डायरेक्टर क्रांति वढेरा की शिकायत पर पुलिस ने बिट्टू भुल्लर, राज कुमार और धर्मेंद्र मास्टर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कौन बनेगा मध्य प्रदेश का बीजेपी अध्यक्ष? विधानसभा चुनाव हारने वाले कई नेता दौड़ में शामिल

भोपाल, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद पर किसकी ताजपोशी होगी? इस बात की चर्चा भोपाल से लेकर दिल्ली तक चल रही है। 15 जनवरी तक बीजेपी की मध्य प्रदेश इकाई को नया अध्यक्ष मिल जाएगा, लेकिन किसके नाम का ऐलान होगा? इसे लेकर हर कोई अलग-अलग नाम पर चर्चा कर रहा है। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के जिला और शहर अध्यक्ष पद को लेकर नेताओं के बीच रायशुमारी चल रही है। सभी जिला और शहर अध्यक्षों की घोषणा के बाद प्रदेश अध्यक्ष का चयन होगा। प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में इस बार कई नेताओं के नाम शामिल हैं। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव हारने वाले कई नेता प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हैं। इसके अलावा प्रदेश पदाधिकारी के लिए भी कई नामों का जिक्र हो रहा है। हालांकि, अभी आलाकमान का पूरा फोकस शहर और जिला अध्यक्ष पर किया है। शहर, जिला अध्यक्ष और जिला प्रतिनिधि मिलकर प्रदेश अध्यक्ष का चयन करेंगे। प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा को 4 साल का कार्यकाल मिला है। लोकसभा चुनाव की वजह से पिछले साल होने वाले चुनाव को इस बार संपन्न कराया जा रहा है। प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोदिया के मुताबिक, 15 जनवरी तक नए अध्यक्ष का नाम सामने आ जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी शहर और जिला अध्यक्ष को लेकर विचार-विमर्श चल रही है। अगर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के पद की बात की जाए तो लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि सांसदों को ही ये जिम्मेदारी दी जा रही है। इनमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ। सत्यनारायण जटिया, नंदू चौहान, राकेश सिंह, विष्णु दत्त शर्मा जैसे कई नाम शामिल हैं। इस बार भी यह कोशिश की जा रही है कि किसी सांसद को ही प्रदेश अध्यक्ष पद की कमान मिले।

वर्तमान अध्यक्ष भी दौड़ में

वरिष्ठ पत्रकार सुनील जैन के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा भी दोबारा कार्यकाल की दौड़ में शामिल नजर आ रहे हैं। उनके कार्यकाल में ही बीजेपी की दो बार सरकार बन चुकी है। जब उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था, उस समय मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीजेपी में शामिल होने के बाद बीजेपी की सरकार बन गई। इसके पश्चात विधानसभा चुनाव 2023 में भी विष्णु दत्त शर्मा का ही कार्यकाल था, जब बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 28 दिसंबर- 2024

आर्थिक मोर्चे पर सफलता की कुंजी थे मनमोहन सिंह

उदारीकरण के जनक

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गुरुवार को 92 साल की उम्र में अलविदा कह गए। डॉ. मनमोहन सिंह 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने से पहले आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री का भी कार्यभार संभाला था। उन्हें उदारीकरण के जरिए देश को गंभीर आर्थिक संकट से निकालने का श्रेय जाता है। इसके अलावे उनके नाम एक विशेष उपलब्धि भी है। वे देश के एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं, जिनका हस्ताक्षर भारत के नोटों पर भी रहा है। 2005 में डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री के पद पर थे तब भारत सरकार ने 10 रुपये का एक नया नोट जारी किया था। उस पर मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर थे। हालांकि नियमों के अनुसार उस समय नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते थे। लेकिन 10 रुपये के नोट पर मनमोहन सिंह का हस्ताक्षर एक विशेष बदलाव के तहत किया गया था।उन्होंने 16 सितंबर 1982 से लेकर 14 जनवरी 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर का पदभार संभाला था। उस दौरान छपने वाले नोटों पर मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर हुआ करते थे। मनमोहन सिंह को आर्थिक उदारीकरण का पुरोधा कहा जाता है। अर्थशास्त्र पर उनकी गहरी पकड़ और रुचि थी। 1991 में नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए उन्हें देश में लाइसेंस राज खत्म करने का श्रेय जाता है। उनके द्वारा किए गए सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई राह दिखाई। मनमोहन सिंह ने जब 1991 में वित्त मंत्रालय की बागडोर संभाली थी, तब भारत का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 8.5 प्रतिशत के करीब था, भुगतान संतुलन घाटा बहुत बड़ा था और चालू खाता घाटा भी जीडीपी के 3.5 प्रतिशत के आसपास था। देश के पास जरूरी आयात का खर्च जुटाने के लिए केवल दो हफ्ते का विदेशी मुद्रा ही शेष था। देश को अपना सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। मनमोहन पद संभालने के बाद अपने दूरदर्शी फैसलों से देश को आर्थिक संकट के दौर से निकालने में कामयाब रहे। आगे चलकर देश का गिरवी रखा सोना भी आरबीआई को लौटाया गया। उन्होंने आर्थिक सुधार, लाइसेंस राज का खात्मा और कई क्षेत्रों को निजी व विदेशी कंपनियों के लिए खोलने जैसे साहसिक कदम उठाए। उन्होंने एफडीआई , रुपये के अवमूल्यन, करों में कटौती और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण की अनुमति देकर एक नई शुरुआत की। आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति की शुरुआत में उनकी भूमिका को दुनिया भर में स्वीकार किया गया। मनमोहन सिंह की सरकार 2005 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) लेकर आई और बिक्री कर की जगह मूल्य वर्धित कर (वैट) लागू हुआ। इसके अलावा उन्होंने देश भर में 76,000 करोड़ रुपये की कृषि ऋण माफी और ऋण राहत योजना लागू कर करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचाने का काम किया। देश में आधार जैसी पहचान प्रणाली शुरू करने का काम भी डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में ही शुरू हुआ। डॉ. सिंह ने 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी दौर में एक विशाल प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी। उनके कार्यकाल के दौरान देश भर में बैंक शाखाएं खोली गईं। सूचना का अधिकार, भोजन का अधिकार और बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसे अन्य सुधार भी उनके कार्यकाल में हुए।

अशोक भाटिया

मनमोहन सिंह को 1991 में भारत की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए जाना जाता है साथ ही मनमोहन सिंह का नाम शीर्ष अर्थशास्त्रियों की फेहरिस्त में सम्मान से लिया जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर वह नहीं तो 1991-92 में भारत आर्थिक रूप से अपंग हो गया होता। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव मिलकर भारत की आर्थिक दिशा ही बदल दी।आज दुनिया भर के देशों की भारतीय बाजार पर नजरें हैं। हर विकसित देश को भारत का 'खुला बाजार' निवेश के लिए आकर्षित कर रहा है। बाजार को खुला छोड़ने के लिए, पहला कदम आज से ठीक 33 साल से पहले उठाया गया था। दरअसल, बतौर वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने आज ही के दिन यानी 24 जुलाई 1991 में अपना पहला बजट संसद में पेश किया था। भारत के इतिहास में मनमोहन सिंह के पहले बजट को अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर बजट माना जाता है। मनमोहन सिंह ने इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट पॉलिसी में बदलाव कर भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया के लिए खोल दिया था। एक तरह से 1991 में पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने देश से लाइसेंस राज को खत्म करने का ऐलान कर दिया था। जबकि यह सरकार कुछ महीने पहले ही बनी थी। 21 जून 1991 को पीवी नरसिम्हा राव देश के नए प्रधानमंत्री बने थे।दरअसल, मनमोहन सिंह के पहले बजट ने देश का आर्थिक माहौल बदलना शुरू कर दिया। क्योंकि बजट में मनमोहन सिंह ने अर्थव्यवस्था के लिए, उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की राह पर चलने का ऐलान कर दिया था। पिछले 33 वर्षों में भारतीय इकोनॉमी को इसी राह पर मजबूत कामयाबी मिली है, और अब 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की बात होने लगी है। आज भारतीय खजाना विदेशी मुद्रा भंडार से भरा हुआ है। तीन जुलाई, 2021 तक विदेशी मुद्रा भंडार 611 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन 30 से पहले 1991 में जब मनमोहन सिंह वित्तमंत्री बने थे, तब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार केवल 5.80 अरब डॉलर का था। जिससे सिर्फ दो हफ्तों तक ही आयात किया जा सकता था। अर्थव्यवस्था के लिए यह सबसे कठिन दौर था। साल 1991 में भारत का भुगतान संतुलन इतना बिगड़ा कि देश को सोना गिरवी रखना पड़ गया था। लेकिन इस संकट से उबरने के लिए बजट में भारतीय बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए खोल दिए गए थे। इस कदम से केंद्र सरकार को चंद महीनों में ही इकोनॉमी के मोर्चे पर पहली सफलता मिली, जब दिसंबर-1991 में सरकार विदेशों में गिरवी रखा सोना छुड़वाने में कामयाब रही। साल 1991 में जब आर्थिक चुनौतियां थीं, तब देश को सोने ने साथ दिया था। वैसे पिछले 33 वर्षों में सोने ने अपनी चमक खूब बिखेरी है। 1991 में 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 3466 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। 33 साल के बाद आज सोना लगभग 78 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।साल 1991 में देश में प्रति व्यक्ति आय 538 रुपये महीने थी, जो 2024 में बढ़कर 14000 रुपये महीने हो गया है। पिछले 33 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में करीब साढ़े 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। प्रति व्यक्ति आय किसी देश, राज्य, नगर या अन्य क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों की औसत आय होती है। उदारीकरण की पहल को शेयर बाजार ने भी सलाम किया है। उदारीकरण से पहले 25 जुलाई 1990 को सेंसेक्स महज 1000 अंक का था, जिसे साल 1991 में मनमोहन सिंह की वित्त-नीति से पंख लग गए। दिसंबर-1991 में सेंसेक्स 1908 अंक तक पहुंच गया। इस तरह से साल 1991 में सेंसेक्स कुल 881 अंक बढ़ा था। आज मोदी सरकार के राज में सेंसेक्स 79000 के आसपास है। पिछले 30 वर्षों में बैंकिंग सेक्टर में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं। मार्च 1991 में कुल बैंकों की संख्या 272 थी, जो 2021 में घटकर 100 के आसपास हो गई। इसमें ग्रामीण बैंकों की संख्या 196 से घटकर 43 हो गई। वर्तमान में तमाम बैंकों के विलय के बाद सरकारी क्षेत्र के केवल 12 बैंक रह गए हैं। मोदी सरकार सरकार इसमें भी कम करने की बात कर रही है। स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर, देश के वित्त मंत्री से लेकर 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहने तक देश की अर्थव्यवस्था और तरक्की में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साल 2004 से 2014 के बीच उनकी सरकार ने 5 ऐसे बड़े फैसले किए थे, जिसने देश के लोगों की तकदीर बदली, साथ ही देश की इकोनॉमी में भी तेजी लाने का काम किया। प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने कुछ काम ऐसे किये जिसे जनता आज भी याद रखती है।अगर मनमोहन सिंह की सरकार के सबसे बड़े इकोनॉमिक रिफॉर्म के बारे में पूछा जाए, तो वह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) कानून का पास कराया जाना था। इस एक कानून ने देश में पलायन की समस्या पर रोक लगाने में अहम भूमिका अदा की। इतना ही नहीं, इस कानून की वजह से गांव, गरीब और अकुशल लोगों के लिए 100 दिन का गारंटीड रोजगार मिलना सुनिश्चित हुआ।इस कानून ने 2008 की मंदी में देश के अंदर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बचाए रखने का काम किया।मनमोहन सिंह की सरकार में सूचना का अधिकार पारित किया गया। इस एक कानून ने इकोनॉमी में ट्रांसपेरेंसी लाने का बड़ा काम किया। इससे सरकार की जवाबदेही और उसके पारदर्शिता सुनिश्चित हुई, जो ओवरऑल इकोनॉमी के लिए एक अच्छा कदम साबित हुआ। मनमोहन सिंह की सरकार में एक और बड़ा काम 'भोजन के अधिकार' का हुआ। इसके तहत देश के गरीब लोगों को रियायती दर पर भोजन देने का प्रावधान किया गया। इसका फायदा ये हुआ कि देश की एक बड़ी आबादी भूख की चिंता करके देश की इकोनॉमी में अपना योगदान दे सकी। आज देश में जो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना चल रही है, वह इसी कानून की बदौलत है। इस कानून ने कोविड के दौरान देश के गरीब लोगों की बहुत मदद की। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री कार्यकाल में देश की अंतरिक्ष (स्पेस) इकोनॉमी को पावर बूस्ट मिला था। उसी दौर में देश की स्पेस एजेंसी इसरो ने अपने स्पेस क्राफ्ट चंद्रमा और मंगल पर भेजे। इस एक कदम ने भारत को ये ताकत दी कि वह पारग्रही स्पेस मिशन भेजने में भी सक्षम है। मनमोहन सिंह की सरकार के समय में ही भारत के अंतरिक्ष मानव मिशन की रूपरेखा को अमलीजामा पहनाया गया। मनमोहन सिंह की सरकार ने देश की इकोनॉमी, युवाओं और भविष्य की जरूरत को समझते हुए स्किल डेवलपमेंट पर काम किया। उन्हीं के कार्यकाल में स्किल डेवलपमेंट मिशन की नींव पड़ी, जो आज के समय में कौशल विकास मंत्रालय का रूप ले चुकी है। इकोनॉमी की ग्रोथ की लिहाज से उनकी सरकार का ये कदम काफी अहम था, क्योंकि ये देश की बढ़ती इकोनॉमी के लिए स्किल्ड वर्क फोर्स को तैयार करने का कदम था। आज मोदी सरकार को पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा किये कामों से बहुत सहायता मिली है । आज भारत की विदेश नीति को पूरी दुनिया में सराहा जाता है, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी जिस सफल विदेश नीति का संचालन कर रहे हैं, उसका आधार देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह ने ही तैयार किया था। देश की विदेश नीति के लिए कुछ घटनाएं परिवर्तनकारी रहीं, जिनमें साल 1991 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में देश में आर्थिक उदारीकरण की घटना है, जिसने देश की विदेश नीति को नया आकार दिया। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में पोखरण में परमाणु परीक्षण ऐसी घटना थी, जिसने देश की विदेश नीति के दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव किया। मनमोहन सिंह की विशेषज्ञता के क्षेत्र वित्त और अर्थशास्त्र रहे, लेकिन विदेश नीति में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा, जिस पर कम बात होती है।साल 2004 में जब डॉ. मनमोहन सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी के बाद प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली तो विदेश नीति पर उनका विशेष फोकस रहा। पोखरण परमाणु परीक्षणों के बाद से भारत की विदेश नीति जिस दिशा में आगे बढ़ी थी, मनमोहन सिंह ने भी उसे उसी दिशा में जारी रखा और भारत को एक जिम्मेदार परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्थापित किया।

भारत कुवैत संबंध परवान चढ़ा पीएम मोदी के दौरे से

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में कुवैत यात्रा ने भारत-कुवैत संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली कुवैत यात्रा थी, जिसने खाड़ी क्षेत्र में भारत की बढ़ती अहमियत को रेखांकित किया। कुवैत, भले ही भौगोलिक रूप से एक छोटा देश है, लेकिन खाड़ी देशों में इसका विशिष्ट स्थान है। इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और प्रवासी भारतीय समुदाय के संबंधों को मजबूती प्रदान की है। भारत और कुवैत ने संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण और भारत से सैन्य उपकरणों की आपूर्ति के लिए सहयोग बढ़ाने की योजना बनाई है। यह सहयोग न केवल कुवैत की सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि क्षेत्र में भारत की सैन्य उपस्थिति को भी बढ़ाएगा, जो चीन की सैन्य सक्रियता को चुनौती देगा। आप जानते हैं कुवैत भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्तिकर्ता है और भारत की कुल ऊर्जा जरूरतों का तीन प्रतिशत हिस्सा कुवैत से आता है। 2023-2024 में दोनों देशों के बीच व्यापार 10.479 अरब डॉलर का रहा। भारत का कुवैत में निर्यात 2.1 अरब डॉलर का रहा और इसमें सालाना 34.78 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 में भारत ने कुवैत से 15 अरब डॉलर के कच्चे तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात किया था। भारत, कुवैत का छठा सबसे बड़ा तेल आयातक है। कुवैत की कुल 43 लाख की आबादी में 10 लाख से ज्यादा भारतीय हैं और यहाँ के कुल श्रमिकों में 30 प्रतिशत भारतीय हैं। ये प्रवासी भारतीय कुवैत के विभिन्न क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक निर्माण, स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। कुवैत से भारतीय नागरिक हर साल तीन अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की धनराशि भारत भेजते हैं, जो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान है। पश्चिम एशिया में चीन का बढ़ता प्रभाव, खासकर 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' और सैन्य सहयोग के माध्यम से, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक चुनौती बन गया है। हाल ही में भारत और कुवैत के बीच हुए समझौतों ने चीन के इस प्रभाव को संतुलित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। रक्षा सहयोग के तहत, भारत और कुवैत ने संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण और भारत से सैन्य उपकरणों की आपूर्ति के लिए सहयोग बढ़ाने की योजना बनाई है। यह सहयोग न केवल कुवैत की सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि क्षेत्र में भारत की सैन्य उपस्थिति को भी बढ़ाएगा, जो चीन की सैन्य सक्रियता को चुनौती देगा। इसके अलावा, भारत ने कुवैत के साथ रक्षा अनुसंधान और विकास में साझेदारी की संभावनाएं तलाशनी शुरू की हैं। यह कुवैत के निवेश और भारत की विशेषज्ञता का समायोजन कर सकता है, जिससे दोनों देशों को समान लाभ मिलेगा। कुवैत में भारतीय समुदाय, जिसकी संख्या कुल आबादी का 21 प्रतिशत है, दोनों देशों के रिश्तों में एक अहम कड़ी है। इनमें से अधिकांश प्रवासी स्वास्थ्य सेवा, औद्योगिक निर्माण और इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। कुवैत के स्वास्थ्य मंत्रालय में भी बड़ी संख्या में भारतीय डॉक्टर और पैरामेडिक्स अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कुवैत के शासक वर्ग ने भारतीय समुदाय की प्रशंसा करते हुए उन्हें 'कुवैत के विकास का अभिन्न हिस्सा' बताया है। भारत और कुवैत के बीच सामूहिक प्रयासों से इस प्रवासी समुदाय का सामर्थ्य और बढ़ सकता है, क्योंकि यह समुदाय न केवल आर्थिक योगदान करता है, बल्कि यह सांस्कृतिक रूप से भी दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करता है। भारत से कुवैत आने वाले भारतीय कर्मचारियों और कामकाजी पेशेवरों के लिए बेहतर अवसरों का निर्माण भी कुवैत-भारत संबंधों को बढ़ावा देगा। भारत और कुवैत के बीच आर्थिक सहयोग में भी तेजी आई है। पहली बार कुवैत के लिए भारत का निर्यात दो अरब डॉलर तक पहुंचा है। साथ ही, भारत में कुवैत निवेश प्राधिकरण का निवेश 10 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। यह दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को एक नई ऊंचाई पर ले जाता है। कुवैत में भारत के साथ व्यापारिक संबंधों में बढ़ोतरी चीन की 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' जैसी परियोजनाओं के लिए एक चुनौती साबित हो सकती है। कुवैत और भारत के बढ़ते व्यापारिक संबंध कुवैत के विकास में भारतीय तकनीकी विशेषज्ञता और व्यावसायिक कौशल का समावेश करेंगे, जबकि चीन की परियोजनाओं की भूमिका कम हो सकती है। यह विचारणीय है कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ऐसे समय में संपन्न हुई, जब पश्चिम एशिया गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा था। सीरियाई संकट, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष और लेबनान में अशांति जैसे मुद्दे इस क्षेत्र की स्थिरता को प्रभावित कर रहे थे। गाजा में युद्धविराम समझौते के लिए हो रही प्रगति ने इस क्षेत्र में शांति की उम्मीदें जगाई थीं। ऐसे में भारत और कुवैत के बीच बढ़ते संबंध इस क्षेत्र में भारत की स्थिरता बनाए रखने की भूमिका को और प्रबल करेंगे। भारत के लिए कुवैत जैसे ऊर्जा समृद्ध देश के साथ यह साझेदारी बेहद लाभकारी सिद्ध हो सकती है, क्योंकि यह न केवल ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करेगी, बल्कि खाड़ी क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को भी संतुलित करेगी। प्रधानमंत्री मोदी की कुवैत यात्रा ने यह साबित किया कि भारत और कुवैत की रणनीतिक साझेदारी पश्चिम एशिया में स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक निर्णायक भूमिका निभा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की कुवैत यात्रा ने भारत-कुवैत संबंधों को मजबूती प्रदान की है और चीन के प्रभाव को संतुलित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के साथ-साथ भारत की सॉफ्ट पावर, रक्षा क्षमताओं और क्षेत्रीय नेतृत्व को भी बढ़ावा दे रही है। यदि इन समझौतों को दीर्घकालिक रणनीति के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह न केवल भारत-कुवैत संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा, बल्कि पश्चिम एशिया में भारत की स्थिर और प्रभावशाली उपस्थिति को भी दर्ज किया है।कुवैत भारत के लिए आगामी दशकों में भी सहयोगी मित्र देश बना रहेगा।

अमेरिका और नाटो की हरकतों से विश्व युद्ध की आशंका के बादल

संजीव ठाकुर

अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन जाते-जाते भी यूक्रेन को सामरिक तथा आर्थिक मदद का पैकेज देकर रूस के खिलाफ विश्व युद्ध की चिंगारी को भड़काकर जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद भी रूस यूक्रेन और इसराइल हमास युद्ध रुकने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। रूस यूक्रेन युद्ध को 2 वर्ष से अधिक समय हो चुका है वहीं इसराइल हमास और फिलिस्तीन युद्ध को भी एक वर्ष से अधिक हो चुका है। अमेरिका यूरोपीय देश यूक्रेन की आर्थिक तथा सामरिक मदद करके विश्व युद्ध की आशंका को बने हुए हैं। इसके अलावा भी यह देश यूक्रेन को रूस के खिलाफ लगातार भड़काते आ रहे हैं और यही वजह है कि विश्व युद्ध की भीषण विभीषिका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में स्पष्ट रूप से कहा है कि इस सभा में सबको विदित है कि तो कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास ,हिजबुल्ला और फलस्तीन इस्लामिक जिहाद को कई वर्षों से ईरान प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से आर्थिक सामरिक सहायता कर इजराइल का विरोध करवाता आ रहा है। ब्लिंकन ने कहा हमास के इसराइल पर हमले में अमेरिका पूरी तरह से इसराइल के साथ खड़ा है और वह किसी अन्य देश के हमले से इजरायल की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है हमास का आक्रमण इजरायल की प्रभु सत्ता को चुनौती देने वाला है इसलिए इसराइल को हमास पर आक्रमण करने का पूरा-पूरा वैधानिक हक है इजरायल को अपनी जनता तथा अपनी भूमि की रक्षा करने का पूरा अधिकार है इसराइल अपना कर्तव्य निभा रहा है। लिंकन ने स्पष्ट कहा है यदि ईरान, जॉर्डन, सीरिया या लेबनान अमेरिकी सैनिकों पर हमला करेगा तो उसका तुरंत माकूल जवाब दिया जाएगा। इधर ईरान के प्रमुख आयतुल्लाह खुमैनी ने कहा कि गाजा पट्टी में निर्दोष नागरिकों तथा बच्चों महिलाओं की हत्या का सारा दोष अमेरिका प्रशासन को जाता है जिसने इसराइल को गाजा पट्टी पर निर्दोष नागरिकों पर आक्रमण करने की खुली छूट देकर रखी है और यदि अमेरिका इस युद्ध में शामिल होता है तो खाड़ी के अनेक राष्ट्र शामिल होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी अमेरिका पर होगी। यह बात पूरी दुनिया को मालूम है कि हमास के पीछे ईरान और मिडिल ईस्ट के कई देश शामिल हैं और ईरान के पीछे ड्रैगन तथा रूस का खुला समर्थन है। चीन और रूस ने फिलिस्तीन तथा हमास को अपने समर्थन का ऐलान किया है। रूस चाहता है कि अमेरिका का ध्यान रूस यूक्रेन युद्ध से हट जाए और वह यूक्रेन को पूरी तरह नष्ट कर अपने देश की सीमा में शामिल कर ले। इसी तरह की चाहत चीन ने भी पाल कर रखी है वह ताइवान के मामले में अमेरिकी हस्तक्षेप से परेशान है और वह चाहता है कि अमेरिका का ध्यान इसराइल हमास युद्ध में लगा रहे और वह इसी दौरान आक्रमण करके ताइवान को अपनी प्रभु सत्ता में शामिल कर ले। चीन और रूस में खुले तौर पर ईरान को भड़काकर हमास हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद को सहायता करने तथा आक्रमण करने की इजाजत दे दी थी तब जाकर ईरान ने हमास को सीधे-सीधे इसराइल पर आक्रमण करने का निर्देश भी दिया है। 7 अक्टूबर 23 को हमास के आक्रमण से लगभग 1200 से 1500 इसराइली नागरिक सैन्य अधिकारी बच्चे तथा स्त्रियों की सरेआम हत्या कर दी गई। जवाब में इजरायल ने फिलिस्तीन के गाजा पट्टी पर हमला कर हमास के फ्रंटलाइन आतंकवादियों को खत्म कर दिया है कॉलेटरल डैमेज के रूप में वहां के नागरिक तथा बच्चों एवं स्त्रियों भी मौत की नींद सो चुके हैं। हमास इसराइल लड़ाई में नया मोड़ तब आया जब गाजा के एक अस्पताल में बम गिरकर 500 लोगों की हत्या कर दी गई और इसका सारा ठीकरा इसराइल के सर फोड़ दिया गया है इसराइल ने इस बात से साफ इनकार किया है और कहा है कि इसके पीछे खुद हमास एवं फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद है जिसने गाजा के इस अस्पताल में हमला कर इसराइल के खिलाफ एक नया षड्यंत्र रचा है। इस हमले से क्रुद्ध होकर खाड़ी देशों के सभी मुस्लिम राष्ट्र जिनकी संख्या लगभग 57 है सब एक हो गए हैं और इजरायल के साथ लगभग 87 देश समर्थन में जुड़ गए हैं जिसमें प्रमुख तौर पर अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया,कनाडा एवं अन्य देश जिसमें भारत भी शामिल है का इसराइल को समर्थन है। अब मुख्य मुद्दा यह है कि हमास द्वारा 200 नागरिकों को बंधक बना लिया है जिनको वह मुक्त करने के मूड में नहीं दिखाई दे रहा है इजराइल का लगातार आक्रमण कर यह दबाव है कि पहले वह बंधकों को इसराइल के हवाले करें फिर इसराइल अपना आक्रमण रोकेगा।अब इजरायल की थल सेना भी आक्रमण करने पूरी तरह सक्षम एवं तैयार है ऐसी स्थिति में पूरी गाजा पट्टी संपूर्ण तबाह हो जाएगी और लगभग 20 लाख फिलिस्तीन निवासी नागरिक शरणार्थी बन चुके और बेघर भी हो चुके हैं।

भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु नहीं बनने की नसीहत

संजय सक्सेना

अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग-अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है।वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो-हल्ला नहीं मच रहा है।इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों,डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर साधु-संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है। देश में हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय संत समिति ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर जगह मंदिर तलाशने और इसके सहारे कुछ लोगों का हिंदुओं का नेता बनने की कोशिश वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। समिति ने कहा है कि विभिन्न स्थलों पर मंदिर-मस्जिद विवाद को उठाने वाले नेताओं को अपने दायरे में रहना चाहिए। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा धार्मिक है और इसका फैसला धर्माचार्यों की ओर से किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को सांस्कृतिक संगठन आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को छोड़ देना चाहिए। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब धर्म का विषय उठेगा तो उसे धर्माचार्य तय करेंगे। जब वह धर्माचार्य तय करेंगे तो उसे संघ भी स्वीकार करेगा और विश्व हिंदू परिषद भी। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि मोहन भागवत की अतीत में इसी तरह की टिप्पणियों के बावजूद 56 नए स्थानों पर मंदिर पाए गए हैं, जो मंदिर-मस्जिद मुद्दों में रुचि और कार्रवाई का संकेत देते हैं। जितेंद्रानंद महाराज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक संगठन जनता की भावनाओं के अनुसार कार्य करते हैं। इन समूहों के कार्य उन लोगों की मान्यताओं और भावनाओं से आकार लेते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल राजनीतिक प्रेरणाओं से। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की यह टिप्पणी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओर से मोहन भागवत से असहमति व्यक्त करने के एक दिन बाद आई है। बता दें जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपने बयान में कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासनकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम हैं। साधु संत तो भागवत के बयान से नाराज हैं ही इसके साथ-साथ यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि आरएसएस प्रमुख को 'परिवार' के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले द्वारका में द्वारका शारदा पीठम और बद्रीनाथ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती संघ परिवार के खिलाफ रुख अपनाते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित बता कर उनके बयानों को खारिज कर दिया जाता था। बहरहाल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं।

ईश्वर अल्ला तेरो नाम पर छिड़ा विवाद

कुमार कृष्णन

बिहार में भजन पर विवाद छिड़ गया है। पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में उस समय बवाल हो गया जब लोक गायिका देवी ने प्रसिद्ध भजन 'रघुपति राघव राजा राम' की प्रस्तुति दी और ईश्वर अल्लाह तेरो नाम की पंक्तियाँ गाईं। जैसे ही गायिका देवी ने पंक्तियां गाई, दर्शकों के एक वर्ग ने विरोध किया और नारेबाजी शुरू कर दी। मामला बढ़ने पर गायिका देवी ने मंच से माफी मांगी। उन्हें माफी मांगने को भी कहा गया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे स्थिति को संभालने के लिए आगे आए। वह लोक गायिका को मंच से उतारते भी दिखे। माफीनामे के बाद कार्यक्रम स्थल पर 'जय श्री राम' के नारे गूंज उठे। अश्विनी चौबे ने भी 'जय श्री राम' की हुंकार भरी। महात्मा गांधी से निकटता से जुड़ा यह भजन एकता का संदेश देता है। 'मैं अटल रहूंगा' शीर्षक वाला कार्यक्रम, उनकी जयंती के अवसर पर भाजपा के दिग्गज नेता के योगदान को याद करने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में चौबे के अलावा डॉ. सीपी ठाकुर, संजय पासवान और शाहनवाज हुसैन भी मौजूद थे।

गांधी के विचारों को कथित तौर पर आत्मसात करने वाले मुख्यमंत्री के शासन में गांधी के नाम पर बने बापू सभागार में गांधी भजन पर हंगामा बरपाना शर्मनाक है। घटना किसी को छोटी लग सकती है लेकिन इसके अर्थ बहुत गहरे हैं। ' रघुपति राघव राजा राम ' गाँधी का प्रिय भजन था। यह भजन हमारे राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा था। इसने करोड़ों भारतीयों को एक दौर में राष्ट्रीय चेतना से अनुप्राणित किया था। विरोध की वजह भजन में ईश्वर- अल्लाह को एक साथ रखना था। यह हमारे द्विज-हिन्दुत्व का स्तर हो गया है। सिया-राम और सीता-राम को श्रीराम बनाया गया और अब ईश्वर अल्लाह को एक बताने पर कोहराम! हमारी संस्कृति में एकम् विप्रा बहुधा वदन्ति का आर्ष वाक्य है।एक ही सत्य को विद्वान अनेक तरह से कहते हैं। हम ईश्वर को अल्लाह या अल्लाह को ईश्वर नहीं कह सकते। यह उस संस्कृति के ध्वज-धारक बोल रहे हैं जो वेदांत प्रतिपादित करने का गुमान पालते हैं जिसके अनुसार सभी जड़-चेतन में एक ही ब्रह्म-तत्व विराजमान है। गांधी ने इसे बदल कर राष्ट्रीय आंदोलन की जरूरतों के अनुरूप बनाया। उन्हें हिन्दू-मुस्लिम एकता और राष्ट्रीय सहमति की जरूरत थी। गांधी ने मूल भजन की दूसरी पंक्ति को बदल कर इस प्रकार कर दिया- गाँधी को सांस्कृतिक-वैचारिक तौर पर ईश्वर और अल्लाह को एक बनाने और देश में सन्मति विकसित करने की ग़र्ज़ थी। उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष में राष्ट्रीय एकता की जरूरत थी। दरअसल उन्हें एक नया राष्ट्रवाद विकसित करने की फ़िक्र थी। इस दिशा में अपनी समझ के अनुरूप वह कोशिश कर रहे थे। हम लोगों ने यह भजन स्कूलों में प्रार्थना के तौर पर गाया। बिस्मिल्ला खान ने इस धुन को अपनी शहनाई से संवारा है। कुछ चीजें विरासत की होती हैं। उसके सहारे हम एक विरासत संभाल रहे होते हैं। जैसे वन्दे मातरम गीत। बंकिम बाबू के उपन्यास आनंदमठ का यह गीत सन्यासी दल के मुस्लिम विरोधी अभियान का प्रस्थान गीत था लेकिन यह राष्ट्रीय आंदोलन का गीत और नारा बन गया। इस नाम से राष्ट्रीय संघर्ष की पत्रिका निकली। वन्दे मातरम- का नारा लगाते हुए अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राण उत्सर्ग किये। इसमें से अधिकांश उसकी पृष्ठभूमि से अनभिज्ञ थे।अब आज हम अपनी विरासत में जब वन्दे मातरम को लेते हैं तो आनंदमठ के वन्दे मातरम को नहीं, स्वतंत्रता सेनानियों के वन्दे मातरम को लेते हैं।

साढ़े सात साल बाद इस राशि को मिलेगा शनि की कुदृष्टि से छुटकारा

नया साल यानी 2025 ग्रह नक्षत्र के दृष्टिकोण से बेहद खास रहने वाला है। खास इसलिए, क्योंकि नए साल में कई बड़े ग्रह के साथ क्रूर ग्रह भी अपना राशि परिवर्तन करने वाले हैं, जिसका प्रभाव 12 राशियों के ऊपर पड़ने वाला है। कई राशियों के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, तो कई राशियों के ऊपर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। वहीं एक ऐसी राशि है, जिसको साढ़े सात साल बाद शनि की कुदृष्टि से छुटकारा मिलने वाला है और दो राशियों को शनि की ढेय्या से मुक्ति मिलेगी।

आने वाला नया साल 2025 इस राशि वाले के लिए बेहद शानदार रहेगा। कौन सी है वो राशि और कैसे मिलेगा शनि की कुदृष्टि से छुटकारा जानते हैं क्या कहते हैं ग्वालियर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित भानु प्रताप दुबे।

उन्होंने कहा कि नए साल में कई बड़े ग्रह अपना राशि परिवर्तन करने वाले हैं, उनमें से शनि भी एक है। शनि फिलहाल कुंभ राशि में विराजमान है, लेकिन नया साल 2025 में शनि और मीन राशि में प्रवेश करने वाले हैं। जैसे ही शनि मीन राशि में प्रवेश करेंगे ,मकर राशि पर चलने वाले साढ़ेसाती प्रभाव वह समाप्त हो जाएगी।

इसके साथ ही कर्क और वृश्चिक राशि के ऊपर से ढैया का प्रभाव भी समाप्त हो जाएगा। साडेसाती का मतलब यानी साढ़े सात साल बाद मकर राशि जातक वालों को शनि की कुदृष्टि से छुटकारा मिल जाएगा।

कैसा रहेगा आने वाला नया साल?

आने वाला नया साल यानी 2025 मकर जातक वालों के लिए बेहद शानदार रहने वाला है। मानसिक तनाव से छुटकारा मिल जाएगा। मन हमेशा प्रसन्न रहेगा। हर अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। शारीरिक और मानसिक कष्ट समाप्त हो जाएगा। आर्थिक उन्नति होगी। वैवाहिक जीवन भी सुखमय रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को सफलता का योग बन रहा है। रोजी रोजगार की तलाश पूरी होने वाली है। घर में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे।

अर्जुन का वो बेटा, जिसने सौतेली मां के उकसाने पर पिता को उतारा था मौत के घाट!

सनातन धर्म में महाभारत की कथा ऐसी है, जिसकी प्रासंगिकता आज भी उतनी ही है। महाभारत के सबसे शक्तिशाली और युद्ध कौशल में निपुण किरदारों में से एक हैं अर्जुन, जिसके जैसा धनुर्धर कोई हुआ ही नहीं। अर्जुन अपने जीवन में कभी कोई युद्ध नहीं हारे। लेकिन एक मौका ऐसा पड़ा जब अर्जुन को अपने ही पुत्र के हाथों मृत्यु मिली। असल में अर्जुन की चार पत्नियां थीं। द्रौपदी, चित्रांगदा, उलूपी और सुभद्रा। द्रौपदी को मछली की आंख भेदकर स्वयंवर में जीतने की कहानी तो हम सब को पता है। लेकिन आज अर्जुन की पत्नी चित्रांगदा और उसके बेटे के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं।

मणिपुर की राजकुमारी पर मोहित हुए अर्जुन

चित्रांगदा मणिपुर नरेश चित्रवाहन की पुत्री थी। जब वनवासी अर्जुन मणिपुर पहुंचे तो चित्रांगदा के युद्ध कौशल और रूप पर मुग्ध हो गये। चित्रांगदा, राजा चित्रवाहन की एकमात्र उत्तराधिकारी थीं। उन्होंने नरेश से उसकी कन्या मांगी। राजा चित्रवाहन ने अर्जुन से चित्रांगदा का विवाह करना इस शर्त पर स्वीकार कर लिया कि उसका पुत्र चित्रवाहन के पास ही रहेगा क्योंकि पूर्व युग में उसके पूर्वजों में प्रभंजन नामक राजा हुए थे। उन्होंने पुत्र की कामना से तपस्या की थी तो शिव ने उन्हें पुत्र प्राप्त करने का वरदान देते हुए यह भी कहा था कि हर पीढ़ी में एक ही संतान हुआ करेगी। इसलिए चित्रवाहन की संतान वह कन्या ही थी। अर्जुन ने शर्त स्वीकार करके उससे विवाह कर लिया।

चित्रांगदा के पुत्र का नाम 'बभ्रुवाहन' रखा गया। पुत्र-जन्म के उपरांत उसके पालन का भार चित्रांगदा पर छोड़ अर्जुन ने विदा ली। चलने से पूर्व अर्जुन ने कहा कि कालांतर में युधिष्ठिर राजसूय यज्ञ करेंगे, तभी चित्रांगदा अपने पिता के साथ इन्द्रप्रस्थ आ जाय। वहां अर्जुन के सभी संबंधियों से मिलने का सुयोग मिल जायेगा।

अर्जुन अपने ही बेटे के हाथों मारा गया

अश्वमेध यज्ञ के लिए अर्जुन मणिपुर पहुंचे तो बभ्रुवाहन ने उनका स्वागत किया। मणिपुर नरेश बभ्रुवाहन ने जब सुना कि मेरे पिता आए हैं, तब वह गणमान्य नागरिकों के साथ बहुत-सा धन साथ में लेकर बड़ी विनय के साथ उनके दर्शन के लिए नगर सीमा पर पहुंचा। मणिपुर नरेश को इस प्रकार आया देख अर्जुन ने धर्म का आश्रय लेकर उसका आदर नहीं किया अर्जुन क्रुद्ध हो उठे। उन्होंने यह क्षत्रियोचित नहीं माना और अपने पुत्र को युद्ध के लिए ललकारा। उलूपी (अर्जुन की दूसरी पत्नी) ने भी अपने सौतेले पुत्र बभ्रुवाहन को युद्ध के लिए प्रेरित किया। युद्ध में बभ्रुवाहन बेहोश हो गया और अर्जुन अपने ही बेटे के हाथों मारा गया।

उलूपी ने संजीवनी मणि से किया जीवित

अर्जुन के मारे जाने का समाचार सुनकर युद्ध भूमि में अर्जुन की पत्नी चित्रांगदा पहुंचकर विलाप करने लगी। वह उलूपी से कहने लगी कि तुम्हारी ही आज्ञा से मेरे पुत्र बभ्रुवाहन ने अपने पिता से युद्ध किया। चित्रांगदा उलूपी पर बहुत रुष्ट हुई। उलूपी ने संजीवनी मणि से अर्जुन को पुनर्जीवित किया तथा बताया कि वह एक बार गंगा तट पर गयी थी। वहां वसु नामक देवता गणों का गंगा से वार्तालाप हुआ था और उन्होंने यह शाप दिया था कि गंगापुत्र को शिखंडी की आड़ से मारने के कारण अर्जुन भी अपने पुत्र के हाथों भूमिसात होंगे। तभी अर्जुन पापमुक्त हो पायेंगे। इसी कारण से उलूपी ने भी बभ्रुवाहन को लड़ने के लिए प्रेरित किया था।

शनिवार के दिन मनाई जाएगी शनि त्रयोदशी

प्रत्येक महीने की कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत करने का विधान है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। प्रदोष के दिन भगवान शिव को बेल पत्र, पुष्प, धूप-दीप आदि चीजें जरूर अर्पित करना चाहिए। इसके साथ ही प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव के मंत्रों का जाप करने से पूजा का कई गुना अधिक फल प्राप्त होता है।

बता दें कि वार के हिसाब से प्रदोष व्रत का नाम कारण होता है। अगर प्रदोष व्रत सोमवार को पड़ रहा है तो उसे सोम प्रदोष कहा जाएगा। पौष माह का प्रदोष व्रत शनिवार को पड़ रहा है इसलिए इसे शनि प्रदोष या शनि त्रयोदशी कहा जाएगा। शनि प्रदोश के दिन भगवान शिव, मां गौरी के साथ ही शनि देव की भी पूजा अर्चना की जाती है। शनि प्रदोष का व्रत करने से जातक को सौभाग्य और दांपत्य जीवन में सुख की प्राप्ति होती है। तो आइए जानते हैं शनि प्रदोष की तिथि और शुभ मुहूर्त के बारे में।

शनि प्रदोष 2024 डेट और मुहूर्त

शनि प्रदोष का व्रत 28 दिसंबर 2024 को रखा जाएगा। पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ 28 दिसंबर को रात 2 बजकर 26 मिनट पर होगा। त्रयोदशी तिथि का समापन 29 दिसंबर 2024 रात 3 बजकर 32 मिनट पर होगा। शनि प्रदोष पूजा के लिए शुभ मुहूर्त शाम 5 बजकर 33 मिनट से रात 8 बजकर 17 मिनट तक रहेगा।

प्रदोष व्रत का महत्व

किसी भी प्रदोष व्रत में प्रदोष काल का बहुत महत्व होता है। त्रयोदशी तिथि में रात्रि के प्रथम प्रहर यानि सूर्यास्त के बाद के समय को प्रदोष काल कहते हैं। सुबह पूजा आदि के बाद प्रदोष काल के समय भी पुनः इसी प्रकार से भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए। इस प्रकार जो व्यक्ति भगवान शिव की पूजा आदि करता है और प्रदोष का व्रत करता है, उसको जीवन में चल रही समस्त समस्याओं से छुटकारा मिलता है और उसे उत्तम लोक की प्राप्ति होती है।

आर्थिक तंगी से हैं परेशान? 1 रुपए के सिक्के से होगा समाधान

1 रुपए का सिक्का और उसका असर

ज्योतिष शास्त्र और वास्तु के अनुसार, कई बार व्यक्ति की कुंडली में दोष या घर के वास्तु दोष के कारण जीवन में धन की कमी, परेशानियां और अड़चनें आती हैं। ऐसे में 1 रुपए के सिक्के को खास उपायों के साथ करने से धन लाभ और सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी हो सकती है। यह उपाय न सिर्फ आर्थिक स्थिति मजबूत करता है, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मकता भी प्रदान करता है। आइए जानते हैं कुछ सरल और प्रभावशाली उपाय जो 1 रुपए के सिक्के से किए जा सकते हैं।

समस्याओं का समाधान

अगर आप किसी परेशानी से जूझ रहे हैं और हर कोशिश के बावजूद समाधान नहीं मिल पा रहा, तो यह उपाय अपनाएं। एक मुट्ठी साफ चावल लें, और उसमें एक रुपए का सिक्का रखकर किसी मंदिर में जाएं। वहां भगवान से अपने मन की कामना करते हुए, यह सिक्का किसी कोने में रख आएं। इस उपाय से न केवल समस्याएं हल होंगी, बल्कि सुख-समृद्धि भी बढ़ेगी।

आर्थिक समृद्धि के लिए

अगर आप आर्थिक तंगी से परेशान हैं, तो शुक्रवार के दिन मुख्य रूप से पूजा करें। माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करके एक मिट्टी या पीतल के कलश में केसर से स्वास्तिक बनाएं। इस कलश में एक सिक्का डालें और इसे एक चौकी पर रखें। प्रतिदिन इस कलश की पूजा करें, जिससे घर में धन की कमी नहीं होगी और मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहेगी।

भाग्य को जागृत करें

अगर आप चाहते हैं कि आपका भाग्य हमेशा आपका साथ दे और सफलता आपके कदम चूमे, तो अपनी जेब में एक मोर पंख के साथ 1 रुपए का सिक्का रखें। यह उपाय आपके भाग्य को जगा सकता है और इससे मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहेगी, जिससे हर काम में सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

दरिद्रता दूर करने के लिए

घर में दरिद्रता और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए रोजाना शाम के समय मुख्य द्वार के कोने में घी का चौमुखी दीपक जलाएं और इसमें 1 रुपए का सिक्का भी डालें। ऐसा करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इसके साथ ही घर में लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है।

वास्तु शास्त्र के इन उपायों को अपनाने से चमकेगा आपका व्यवसाय

हर इंसान की चाह होती है उसकी आमदनी की कोई सीमा नहीं हो। उसका व्यवसाय हमेशा आगे बढ़ता रहे। यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो व्यक्ति ज्योतिषों के चक्कर लगाना शुरू कर देता है। वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनी दुकान, बिजनेस की जगह, फैक्टरी, ऑफिस आदि में करना चाहिए। इससे आपका कस्टमर आपके प्रोडक्ट की तरफ आकर्षित होगा और आपको लाभ कराएगा। आइए जानें मुख्य दरवाजे से लेकर बैठने की सीट तक क्या वास्तु उपाएं आपके बिजनेस को चमकाएंगे।

रिटेल शॉप में उत्तर की तरफ हो एंट्री

आपके रिटेल की शॉप की एंट्री की दिशा बहुत जरूरी है। इसके जरिए ही पॉजिटिव एनर्जी प्रवाहित होती है। एंट्री को उत्तर या पूर्व की ओर रखना शुभ माना जाता है, जो समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करता है। मेन एंट्रेस में कोई रुकावट न हो, अच्छी रोशनी हो और यह बहुत सुंदर और आकर्षित हो।

सुबह शंख बजाएँ

दुकान पर सुबह शंख बजाएं या मोबाइल पर शंख ध्वनि सुनें। दुकान की उत्तर दिशा में मिट्टी के बर्तन में कुछ छुहारे रखें। दुकान के काउंटर पर एक फेंगशुईवाली बिल्ली रखें, जो लगातार अपना हाथ हिलाती रहती है। दुकान की उत्तर पूर्व दिशा में रखे लोहे के ताले-चाभी वहां से हटा दें। दुकान के दक्षिण पूर्व दिशा में लाल रंग के फूलदान रख दें। दुकान में रखे हुए सामान को इधर से उधर अदला-बदली कर दें। अपनी गद्दी पर कुर्सी के नीचे एक पीला कपड़ा बिछाएं तथा एक पीपल का पत्ता रखें, जिसे बदलते रहें।

इस दिशा में हो कैश काउंटर

वास्तु में कैश रखने की भी एक महत्वपूर्ण दिशा है। वास्तु के अनुसार उत्तर, उत्तर पूर्व और दक्षिण पूर्व में रखा धन और धन को खींचता है। इस जगह कैश रखने से आपकी लाइफ में धन की वृद्धि होती है।

महाकुंभ में होने वाले हैं शामिल?

हनुमान जी के इस मंदिर में जाना न भूलें, अधूरी रह जाएगी यात्रा

महाकुंभ हिंदू धर्म के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में से एक है। साल 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ का मेला लगेगा, जिसमें करोड़ों की संख्या में हिंदू श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। माना जाता है कि, महाकुंभ के दौरान ग्रह-नक्षत्रों का ऐसा संयोजन होता है कि, त्रिवेणी का पानी अमृत बन जाता है। इसलिए महाकुंभ में स्नान करना बेहद शुभ माना गया है।

महाकुंभ 2025

साल 2025 में महाकुंभ का मेला 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक रहेगा। इस दौरान पवित्र स्नान के लिए कई दिन होंगे। अगर आप भी इस महाकुंभ में हिस्सा लेने वाले हैं तो आपको गंगा नदी के किनारे स्थित लेटे हुए हनुमान जी के मंदिर जरूर जाना चाहिए। लेटे हुए हनुमान जी के दर्शन करने के बाद ही आपकी धार्मिक यात्रा पूरी होती है। इस मंदिर में लेटे हुए हनुमान जी की प्रतिमा 20 फीट लंबी है।

लेटे हुए हनुमान जी का मंदिर

माना जाता है कि, लेटे हुए हनुमान जी को गंगा माता स्वयं स्नान कराती हैं। इसलिए महाकुंभ के दौरान इनके दर्शन करना बेहद शुभ माना जाता है। हनुमान जी का यह मंदिर सिद्ध मंदिरों में से एक है। संगम में डुबकी लगाने के बाद जब आप हनुमान जी के दर्शन कर लेते हैं तभी आपकी यात्रा सफल मानी जाती है। इस मंदिर को बेहद चमत्कारी माना गया है। अगर कोई भक्त सच्ची श्रद्धा के साथ हनुमान जी के इस मंदिर में मुराद मांगता है तो उसकी मनोकामनाओं को बजरंगबली अवश्य पूरा करते हैं। इसके साथ ही माना जाता है कि, जो भी भक्त श्रद्धा के साथ हनुमान जी की आंखों में देखता है, उसके बड़े से बड़ा कष्ट में संकटमोचन क्षण भर में दूर कर देते हैं। महाकुंभ के दौरान भी यहां भक्तों का तांता लगता है। अगर आप भी साल 2025 में कुंभ में शामिल होने वाले हैं, तो इस मंदिर के दर्शन भी आपको अवश्य करने चाहिए।

आज रात शुक्र करेगा कुंभ राशि में प्रवेश

मेष - आपके लिए शुक्र शुभ रहेगा। शुक्र की वजह से लाभ हो सकता है। सफलता मिलेगी। मान-सम्मान बढ़ सकता है।

वृष - स्वामी शुक्र आपके काम में बढ़ोतरी करेगा। घर-परिवार से मदद मिलेगी और कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है।

मिथुन - इन लोगों के लिए शुक्र लाभदायक स्थितियां बनाएगा। काम समय पर हो जाएंगे। सफलता के साथ मान-सम्मान मिलेगा।

कर्क - इस लोगों के लिए सतर्क रहने का समय है। चिंताएं बढ़ सकती हैं। समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अज्ञात भय बना रहेगा।

सिंह - प्रेमी से विवाह तय हो सकता है। विवाहित लोगों को जीवन साथी की मदद से कोई लाभ मिल सकता है। काम समय पर पूरे होंगे।

कन्या - इन लोगों को शुक्र के कारण दिक्कतें हो सकती हैं। काम करते समय सतर्क रहना होगा। शत्रुओं परेशान करेंगे, कार्यों में देरी हो सकती है।

तुला - ये लोग घर-परिवार और मित्रों से मदद प्राप्त करेंगे, मदद की वजह से लाभ मिल सकता है। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है।

वृश्चिक - आपके लिए शुक्र की स्थिति अच्छी रहेगी। माता से लाभ मिल सकता है। कार्य में बढ़ेगा और लाभ भी होगा।

धनु - शुक्र धन लाभ के योग बनाएगा। घर-परिवार में वातावरण सुखद रहेगा। कार्यों को समय पर पूरा कर पाएंगे।

मकर - शुक्र इस राशि से निकलकर कुंभ राशि में प्रवेश करेगा। इन लोगों के लिए समय अच्छा रहने वाला है। बड़ा लक्ष्य पूरा हो सकता है।

कुंभ - शुक्र आपके शुभ रहने वाला है। ये ग्रह कार्यों में सफलता दिलाएगा। मान-सम्मान मिलेगा और कहीं यात्रा पर जाने का योग बन सकता है।

मीन - शुक्र आपके खर्च बढ़ाएगा। धन के मामले में सतर्क रहना होगा, वर्ना दिक्कतें बढ़ेंगी। काम करते समय छोटी सी लापरवाही भी बड़ा नुकसान करवा सकती है।

अल्लू अर्जुन से तुलना अमिताभ बच्चन को नहीं आई रास? 'केबीसी 16' के मंच पर कह दी ये बड़ी बात

अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति 16' के हालिया एपिसोड में अपने एक बयान से हर किसी का ध्यान आकर्षित किया। दिग्गज अभिनेता ने कहा कि वह 'पुष्पा 2' अभिनेता अल्लू अर्जुन के प्रशंसक हैं। उन्होंने साउथ स्टार और उनके काम की सराहना भी की। हालांकि, जब शो की एक प्रतियोगी ने उनके स्वैग की तुलना अल्लू अर्जुन से की तो वह उन्हें रास नहीं आई। अमिताभ बच्चन ने तुरंत उनकी तुलना साउथ स्टार से न करने को कहा।

अमिताभ बच्चन ने की अल्लू अर्जुन की तारीफ

इस बातचीत की शुरुआत तब हुई जब एक प्रतियोगी ने कहा कि वह अमिताभ बच्चन और अल्लू अर्जुन की बड़ी प्रशंसक हैं। इसके बाद अमिताभ ने प्रतियोगी से अल्लू अर्जुन के प्रति उनके लगाव के बारे में पूछा, जिस पर उन्होंने कहा, 'सर, मैं अल्लू अर्जुन और आप दोनों की प्रशंसक हूं।' अमिताभ ने कहा, 'अल्लू अर्जुन एक अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली कलाकार हैं और उन्हें जो पहचान मिली है, वह इसके योग्य है। मैं भी उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।'

प्रशंसक ने गिनाईं अमिताभ-अल्लू की समानताएं

'कौन बनेगा करोड़पति 16' के होस्ट ने अपनी बात में आगे जोड़ा, 'हाल ही में उनकी फिल्म (पुष्पा 2: द रूल) रिलीज हुई है और अगर आपने अभी तक इसे नहीं देखा है तो आपको इसे देखना चाहिए। लेकिन मेरी तुलना उनसे मत करिए।' प्रशंसक ने आगे कहा, 'जब आप कॉमेडी सीन करते हैं तो आप दोनों अपना कॉलर काटते हैं और आंखें झपकाते हैं। आप दोनों के बीच एक और समानता है-आप दोनों की आवाज में एक ताकत है। आपसे मिलकर मेरा सपना पूरा हो गया। अब मुझे बस अल्लू अर्जुन से मिलना है।'

तमिल फिल्म में बिखेरा स्वैग

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन आखिरी बार तमिल फिल्म 'वेट्टैयन' में नजर आए थे। फिल्म में रजनीकांत, मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, फहद फासिल, असल कोलार और राणा दग्गुबाती प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 10 अक्तूबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है।

'कल्कि 2898 एडी' में भी दिखा जलवा

अमिताभ बच्चन को साइंस फिक्शन फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में भी देखा गया था। इसमें प्रभास, कमल हासन, दिशा पटानी, दीपिका पादुकोण, अन्ना बेन, शोभना और कृष्णकुमार बालासुब्रमण्यम भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म 27 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म का हिंदी संस्करण नेटफ्लिक्स पर और फिल्म का साउथ संस्करण प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है।

जैकलीन फर्नांडीज के लिए सांता क्लॉज बने सुकेश चंद्रशेखर, जेल से पत्र लिख दिया खास तोहफा

ठग सुकेश चंद्रशेखर ने तिहाड़ जेल के अंदर से अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को एक और प्रेम पत्र लिखा है। कथित तौर पर सुकेश द्वारा हाथ से लिखे गए पत्र की एक कॉपी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अपने पत्र में उसने खुद को अभिनेत्री का सांता बताया और फ्रांस में एक पूरा अंगूर का बाग उपहार में देने का जिक्र किया।

सुकेश का प्रेम पत्र

25 दिसंबर की तारीख वाला यह पत्र कथित तौर पर सुकेश चंद्रशेखर द्वारा लिखा गया है और जैकलीन फर्नांडीज के लिए है। पत्र की एक कॉपी रेडिट पर वायरल हो गई है। नई दिल्ली के मंडोली जेल से लिखे गए पत्र में उन्होंने जैकलीन को अपनी 'बोम्मा' और 'बेबी गर्ल' कहा और उन्हें क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। पत्र पर 25 दिसंबर की तारीख है। उसमें लिखा है, 'बेबी गर्ल, तुम्हें मेरी क्रिसमस की शुभकामनाएं मेरे प्यार। साल का एक और खूबसूरत दिन और हमारा सबसे पसंदीदा त्योहार, लेकिन एक दूसरे के बिना। हालांकि, हमारी आत्माएं एक-दूसरे से मजबूती से जुड़ी हुई हैं। मैं बिल्कुल महसूस कर सकता हूं कि हम एक-दूसरे का हाथ थामे हुए हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए तुम्हारी खूबसूरत आंखों में देख रहे हैं।'

तोहफे में दिया फ्रांस में अंगूर का बाग

सुकेश ने जैकलीन को दिए अपने विशेष उपहार का भी जिक्र किया। उसने लिखा, 'तुमसे दूर होने के बावजूद, मैं तुम्हारा सांता क्लॉज बनने से नहीं रुक सकता। मेरे पास इस साल तुम्हारे लिए एक बहुत ही खास तोहफा है, मेरी जान। आज मैं तुम्हें शराब की बोतल, नहीं बल्कि प्यार के देश फ्रांस में एक पूरा अंगूर का बाग उपहार में दे रहा हूं, जिसका तुमने हमेशा सपना देखा था।' अपने पत्र में उन्होंने आगे कहा कि वह जैकलीन के साथ अंगूर के बाग को देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते।

बगीचे में टहलने की ख्वाहिश

पत्र में आगे लिखा, 'मैं तुम्हारा हाथ थामे इस बगीचे में टहलने के लिए बेताब हूं। दुनिया मुझे पागल समझ सकती है, लेकिन मैं तुम्हारे प्यार में वाकई पागल हूं। मेरे बाहर आने तक इंतजार करो, फिर पूरी दुनिया हमें साथ देखेगी।' यह पहली बार नहीं है, जब सुकेश ने बॉलीवुड अभिनेत्री को पत्र लिखा है। इससे पहले, उन्होंने उनके जन्मदिन पर भी एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने व्यक्त किया था कि वह उन्हें कितना याद करते हैं। उन्होंने एक अन्य पत्र में उन्हें होली की शुभकामनाएं भी दीं। हालांकि, उनके पिछले सभी पत्रों की तरह जैकलीन ने इसका जवाब नहीं दिया है या इसे स्वीकार नहीं किया है।

करोड़ों में है सलमान खान की नेटवर्थ, कई घर और गाड़ियों के मालिक हैं सलमान खान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को उनकी फिल्मों और शानदार अभिनय के लिए जाना जाता है। सलमान आज अपना 27वां जन्मदिन मना रहे हैं। सलमान खान की फिल्में बॉक्स ऑफिस हिट रहती हैं। उन्हें कई अवॉर्ड्स से नवाजा जा चुका है। सलमान का मुंबई में एक अपार्टमेंट है, ये सभी को पता है लेकिन अभिनेता अभी कितनी संपत्ति के मालिक हैं, इस बारे में उनके जन्मदिन पर हम आपको बताते हैं।

2900 करोड़ के मालिक हैं सलमान खान

सलमान खान आज भले ही हजारों करोड़ के मालिक हों लेकिन वे अपने पिता से पॉकेट मनी लेना पसंद करते हैं। फॉर्बोस की रिपोर्ट की मानें तो सलमान खान की नेट वर्थ 2900 करोड़ रुपये है। सलमान खान कई बड़े बिजनेस में इन्वेस्ट किया हुआ है। बींग ह्यूमन कंपनी के भी मालिक हैं। वे फिटनेस और क्लोदिंग ब्रांड्स में भी निवेश करते हैं।

इतनी गाड़ियों के मालिक हैं सलमान खान

सलमान खान के पास ब्रांड-न्यू रेंज रोवर SV LWB 3.0 है जिसकी कीमत 4.4 करोड़ है। इसके अलावा उनके पास बुलेटप्रूफ निसान पैट्रोल एयूवी है, जिसकी कीमत करीब 2 करोड़ रुपये है। उनके पास टोयोटा लैंड क्रूजर LC200 SUV कार भी है। सलमान खान को स्पोर्ट्स कारों का भी शौक था। इसमें उनके पास स्पोर्टी सेडान ऑडी RS7 भी शामिल थी। इसमें 3.0-लीटर प्लग-इन हाइब्रिड इंजन है जो मैक्सिमम 503 bhp और 700 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है।

सलमान खान के पास है करोड़ों की प्रापर्टी

सलमान खान के पास करोड़ों की प्रापर्टी है। सलमान खान का बांद्रा में लग्जरी अपार्टमेंट है, जिसकी कीमत 100 से 150 करोड़ है। सलमान खान का पनवेल में 150 एकड़ में फार्म हाउस भी है। उनका दुबई में एक विला है। गोरई में उनका एक विला है, जिसकी कीमत 100 करोड़ बताई जा रही है। मुंबई में लिंकिंग रोड पर भी उनकी लिंकिंग रोड पर 120 करोड़ की प्रॉपर्टी है। इसके अलावा मुंबई के मलाड, वर्ली और कार्टर डोल में भी प्रॉपर्टी है।

सलमान खान के पास है लग्जरी याच

सलमान खान को घर के साथ याच का भी शौक है। उनके पास 3 करोड़ की प्राइवेट लग्जरी याच है। वे एसके 27 जिम फिटनेस सेंटर के मालिक हैं। साथ ही क्लोदिंग ब्रांड Being Human भी चलाते हैं।

दो भागों में रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की 'वीडी 12'

विजय देवरकोंडा वर्तमान में अपनी आगामी फिल्म की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जिसका संभावित नाम 'वीडी 12'है। गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह के बीच निर्माता नागा वामसी ने फिल्म पर एक बड़ा अपडेट साझा किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के बारे में बताया। साथ ही कई दिलचस्प बातों का भी खुलासा किया।

आगे खिसकेगी फिल्म की रिलीज डेट

हाल ही में उन्होंने बताया कि 'वीडी 12' दो भागों वाली सीरीज होगी और हर भाग की कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी। फिलहाल वीडी 12 की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, अगर पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज उसी दिन पक्की हो जाती है तो फिल्म की रिलीज 28 मार्च से आगे बढ़ाई जा सकती है।

शूटिंग के दौरान विजय को लगी चोट

फिल्म के बारे में आगे बात करते हुए नागा वामसी ने कहा, 'वीडी 12 अपने पैमाने से सभी को चौंका देगी। कई लोगों का मानना है कि यह चुपचाप बनाई जा रही एक छोटी फिल्म है, लेकिन यह ठोस है और बड़े पर्दे पर एक बड़ी ट्रीट होगी।' इस बीच पहले खबर आई थी कि विजय देवरकोंडा को वीडी 12 के लिए एक चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान मामूली चोट लग गई थी। चोट के बावजूद, अभिनेता ने ब्रेक नहीं लेने का फैसला किया और तय समय पर काम करना जारी रखा।

चोट के बाद भी विजय ने जारी रखी शूटिंग

विजय की पिछली कुछ फिल्में उम्मीद के मुकाबले प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने काम से लंबा ब्रेक लिया और अब वे दमदार वापसी करने की तैयार में हैं। ऐसे में वे इस फिल्म पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा वीडी 12 की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और पूरी होने के करीब है। पहले खबर आई थी कि अभिनेता सत्यदेव इस फिल्म में शामिल हो गए हैं।

भाग्यश्री बोरसे होंगी मुख्य अभिनेत्री

खबर है कि वह इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दूसरी ओर भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सत्यदेव का किरदार नकारात्मक होगा।

मृणाल ठाकुर ने शेयर की 'सुपर 30' की ऑडिशन क्लिप, निर्देशक विकास बहल हुए हैरान

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने 2019 की फिल्म सुपर 30 के लिए अपने ऑडिशन क्लिप को सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो उनके प्रशंसकों को पुरानी यादों में ले गईं। विकास बहल द्वारा निर्देशित, जीवनी पर आधारित इस ड्रामा फिल्म में ऋतिक रोशन ने आनंद कुमार की भूमिका निभाई थी, जो एक गणितज्ञ थे, जिन्होंने छात्रों के लिए सुपर 30 कार्यक्रम की स्थापना की थी।

मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक थ्रोबैक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें फिल्म के लिए उनका 'सुपर 30' का ऑडिशन देखने को मिला। इस वीडियो क्लिप में, निर्देशक विकास बहल अभिनेत्री की प्रशंसा करते हुए दिखाई दे रहे हैं और साथ ही कह रहे हैं कि सेलेक्शन के दौरान मृणाल लगातार आगे रहीं।

इस वीडियो में, विकास को कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा से कहते हुए सुना जा सकता है, मैं हैरान रह गया। शुरुआत में किसी समय, मुझे एहसास हुआ कि वह वही है। भले ही हमने उसे तीन या चार बार परखा और दूसरी लड़कियां भी थीं, लेकिन वह हमेशा आगे रहती थी।

सुपर 30 में मृणाल ने ऋतिक रोशन की प्रेमिका का किरदार निभाया था। यह फिल्म गणित के प्रतिभाशाली आनंद कुमार के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने बिहार में सुपर 30 कार्यक्रम की स्थापना की थी, ताकि वंचित छात्रों को आईआईटी प्रवेश परीक्षाओं को पास करने के उनके सपनों को पूरा करने में मदद मिल सके। एक इंटरव्यू में मृणाल ने बताया कि जब उन्होंने ऑडिशन दिया था, तब उन्हें नहीं पता था कि ऋतिक रोशन इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। चार महीने बाद ही उन्हें पता चला और उनके दिमाग में सबसे पहले ऋतिक की डेब्यू फिल्म का मशहूर गाना इक पल का जीना आया।

सुपर 30, 12 जुलाई, 2019 को रिलीज हुई थी और इसकी शानदार कहानी के लिए इसे सभी से प्रशंसा मिली। मृणाल, टेलीविजन शो कुमकुम भाग्य में बुलबुल की भूमिका से घर-घर में मशहूर हुईं, जिसके बाद उन्होंने लव सोनिया से बॉलीवुड फिल्मों में कदम रखा। सुपर 30 के अलावा, उन्होंने बाटला हाउस, सीता रामम और हाय नन्ना जैसी कई शानदार फिल्मों में अभिनय किया है। मृणाल अब सन ऑफ सरदार 2 में अजय देवगन के अपोजिट नजर आएंगी।

सिंघम अगेन की विफलता से पुलिस यूनिवर्स पर टूटा रोहित का भरोसा, अब बनाएंगे बायोपिक

इस साल नवंबर में आई रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम 3' बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। इस फिल्म की विफलता के बाद कॉप यूनिवर्स से उनका भरोसा उठ गया है। अब वे बायोपिक बनाने जा रहे हैं। हालांकि, बायोपिक पुलिस अधिकारी की है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम के लीड रोल अदा करने की खबर है। जॉन अब्राहम ने खुद को इंडस्ट्री में एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया है। इस साल अगस्त में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उनकी फिल्म 'वेदा' रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर यह खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब उनके हाथ एक बायोपिक लगी है। जिस फिल्म को रोहित शेट्टी बना रहे हैं, उसमें जॉन अब्राहम पुलिस अधिकारी की भूमिका अदा करेंगे। यह फिल्म भारतीय पुलिस अधिकारी राकेश मारिया की बायोपिक है।

कई बड़े मिशन का हिस्सा रहे मारिया

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राकेश मारिया के जीवन पर बायोपिक बनाई जा रही है। इसमें 1993 के मुंबई बम विस्फोट, जावेरी बाजारा विस्फोट और 26/11 हमलों को सुलझाने के उनके सफर को दिखाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, 'राकेश मारिया मुंबई पुलिस के इतिहास में सबसे मशहूर पुलिसकर्मियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 1981 से 2017 तक अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई में हुए कई आतंकी हमलों के पीछे के जिम्मेदार गुनहगारों को पकड़ने के लिए में अहम भूमिका निभाई, वे महत्वपूर्ण मिशन का हिस्सा रहे।

अगले साल शुरू होगी शूटिंग

कहा जा रहा है कि इस किरदार को परदे पर अदा करने के लिए जॉन अब्राहम काफी उत्साहित हैं। उनका मानना है कि राकेश मारिया ने जिस श्रद्धा और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा की है, यह फिल्म उनकी इसी विरासत को एक श्रद्धांजलि होगी। रिपोर्ट्स में तो यह भी दावा किया गया है कि फिल्म की शूटिंग साल 2025 के छमाही में शुरू होगी। फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। इसे इंडस्ट्री के नामी निर्माता बनाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी करने वाले हैं। फिल्म का निर्माण रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले होगा।

आधिकारिक पुष्टि होना बाकी

इस फिल्म में राकेश मारिया के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) से लेकर होम गार्ड्स के महानिदेशक बनने तक का सफर दिखाया जाएगा। राकेश मारिया की बायोपिक से इतर जॉन की दो फिल्में रिलीज को तैयार हैं। वे दिनेश विजान की 'तेहरान' और भूषण कुमार की 'डिप्लोमैट' में दिखाई देंगे।

स्पष्ट कर दें कि राकेश मारिया की बायोपिक में जॉन के काम करने की खबर फिलहाल मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है। खुद जॉन या किसी निर्माता की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कोहली के साथ संवाद में कमी का यशस्वी को हुआ नुकसान

अपने ही कॉल पर हुए रन आउट, शतक से चूके

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट की पहली पारी में अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन विराट कोहली के साथ संवाद में कमी के कारण वह शतक लगाने से चूक गए। कोहली और यशस्वी तीसरे विकेट के लिए अच्छी साझेदारी निभा रहे थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इसे तोड़ने में सफल रही। भारत ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पांच विकेट गंवाकर 164 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारत अभी भी 310 रन पीछे है।

ऑस्ट्रेलिया ने नहीं छोड़ा मौका

भारतीय पारी के 41वें ओवर की आखिरी गेंद पर यशस्वी ने हल्के हाथों से शॉट खेला। गेंद मिड ऑन पर गई और यशस्वी रन के लिए दौड़ पड़े। कॉल उनका था और कोहली भी थोड़ा आगे आकर पीछे मुड़ गए। यशस्वी भी कोहली के साथ नॉन स्ट्राइक एंड पर थे। दोनों एक ही छोर पर मौजूद थे और विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने गेंद को स्टंप्स पर दे मारा। इस तरह यशस्वी रन आउट हो गए। वह 118 गेंद में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 82 रन बनाकर आउट हुए और शतक से चूक गए।

यशस्वी के कोहली भी हुए आउट

यशस्वी और कोहली ने तीसरे विकेट के लिए 102 रन जोड़े थे। जब कोहली क्रीज पर उतरे थे तब भारत का स्कोर दो विकेट पर 51 रन था, लेकिन इन दोनों बल्लेबाजों ने यहां से टीम को संभाला और अच्छी स्थिति पर पहुंचा रहे थे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने से 20 मिनट पहले ही मामला गड़बड़ा गया और यशस्वी का आउट होना भारत को भारी पड़ा। यशस्वी को रन आउट करने के बाद कंगारुओं ने सात गेंद के अंदर विराट कोहली को भी पवेलियन भेजा। बोलैंड ने कोहली को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराया। वह 86 गेंद में 36 रन बना सके।

रन आउट मामले पर बंटे पूर्व भारतीय खिलाड़ी

यशस्वी जिस तरह रन आउट हुए उस पर पूर्व भारतीय खिलाड़ियों की अलग-अलग राय आई। पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर का कहना है कि चूंकि यशस्वी की तरह से भागने का इशारा आया था और गेंद कोहली के पीठ के पीछे थी, लिहाजा पूर्व कप्तान को यशस्वी पर भरोसा दिखाना चाहिए था और रन के लिए दौड़ना चाहिए था। हालांकि, पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री, इरफान पठान और दीप दासगुप्ता की राय इससे अलग थी। इन तीनों का कहना था कि गेंद फील्डर के काफी पास थी, ऐसे में यह रन लेना जायज ही नहीं था। इसके बावजूद यशस्वी रन लेने के लिए दौड़ पड़े।

भारतीय पारी लड़खड़ाई

दूसरा दिन पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। कंगारू तीनों सत्र में भारतीय टीम पर हावी रहे। आखिरी सत्र में भारत की बल्लेबाजी के समय एक वक्त स्कोर दो विकेट पर 153 रन था। इसके बाद छह रन बनाने में ही टीम इंडिया ने तीन और विकेट गंवा दिए। यशस्वी जायसवाल का रन आउट होना टर्निंग पॉइंट रहा। यशस्वी के रन आउट होते ही भारतीय पारी लुढ़क गई। नाइट वाचमैन आकाश दीप भी खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। इससे पहले ओपनिंग करने उतरे कप्तान रोहित शर्मा तीन रन और केएल राहुल 24 रन बनाकर आउट हुए थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए हैं।

सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज हुई खास उपलब्धि

मेलबर्न क्रिकेट क्लब ने सदस्यता से सम्मानित किया

मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को क्लब सदस्यता से सम्मानित करने का एलान किया। एमसीसी ने शुक्रवार को बताया कि मास्टर ब्लास्टर ने क्लब की मानद सदस्यता स्वीकार कर ली है।

1838 में हुई एमसीसी की स्थापना

ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने खेल क्लबों में से एक एमसीसी की स्थापना 1838 में हुई थी। यह खेल के प्रमुख स्थानों में से एक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के प्रबंधन और विकास के लिए जिम्मेदार है।

सचिन ने स्वीकार की सदस्यता

एमसीसी ने एक्स पर लिखा- एक आइकन को सम्मानित किया गया। एमसीसी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान

को स्वीकार करते हुए मानद क्रिकेट सदस्यता स्वीकार कर ली है।

सचिन के नाम सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड

सचिन एमसीजी में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज है। उनके नाम इस मैदान में पांच टेस्ट मैचों में 44.90 के औसत से 449 रन दर्ज हैं। उन्होंने इस मैदान पर एक शतक और तीन अर्धशतक जड़े हैं।

2012 में मिला 'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' सम्मान

इससे पहले 2012 में तेंदुलकर को देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक 'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' से सम्मानित किया गया था। एमसीजी वर्तमान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है।

जब पहलवान विनेश फोगाट का टूटा था दिल, पेरिस ओलंपिक में पदक से चूकने पर जमकर हुआ था विवाद

इस साल जुलाई-अगस्त में पेरिस ओलंपिक का आयोजन हुआ था जिसमें जमकर विवाद हुआ। दरअसल, भारतीय पहलवान विनेश फोगाट महिला 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंच गई थीं और उन्होंने पदक पक्का कर लिया था, लेकिन फाइनल बाउट से पहले ही उनका वजन अधिक आया और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था जिससे वह पदक लाने से चूक गई थीं। इससे समूचा देश स्तब्ध रह गया था क्योंकि सभी को विनेश पहले स्वर्ण पदक की आस थी जो एक झटके में टूट गई।

विनेश ने सेमीफाइनल में क्यूबा की लोपेज गुजमान को 5-0 से हराया था और वह ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला पहलवान बनीं थीं। फाइनल में विनेश का अमेरिका की सारा एन हिल्डब्रांड से मुकाबला होना था, लेकिन वजन अधिक पाए जाने से विनेश का पदक लाने का सपना टूट गया था। विनेश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में भी अपील की थी, लेकिन उनकी अपील खारिज हो गई थी।

क्या था मामला?

फाइनल बाउट से पहले सुबह वजन करते समय विनेश का वजन निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया था। इस पहलवान ने खेल पंचाट में इस फैसले के खिलाफ अपील की और मांग की कि उसे क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमेन लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिया जाए। लोपेज सेमीफाइनल में विनेश से हार गई थी, लेकिन बाद में भारतीय पहलवान को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद उन्हें फाइनल में जगह मिली थी। हालांकि, खेल पंचाट भी विनेश की मांग से सहमत नहीं हुआ था।

कुश्ती से लिया संन्यास

इस विवाद का असर ऐसा हुआ कि सबको चौंकाते हुए पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास का एलान कर दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिये इसकी घोषणा की थी। ओलंपिक के लिए उनके पसंदीदा भारवर्ग में जगह नहीं बनने से विनेश ने निचले वर्ग में किस्मत आजमाई थी। घर लौटने के बाद उनका नायिकाओं की तरह स्वागत किया गया था।

राजनीतिक पारी की शुरुआत की

विनेश ने ओलंपिक में पदक से चूकने और भारी विवाद के बाद राजनीति में आने का फैसला किया था। उन्होंने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा था और इस साल हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में जुलाना से जीत दर्ज करके विधायक बन गई थीं। बजरंग पूनिया भी कांग्रेस में शामिल हुए लेकिन उनकी किस्मत विनेश जैसी नहीं रही।

बजरंग का करियर भी अधर में

भारत के एक अन्य पहलवान बजरंग पूनिया के लिए भी यह साल अच्छा नहीं रहा। पहले वह ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके और फिर अभ्यास शिविरों के दौरान डोप टेस्ट के लिए नमूने देने में नाकाम रहने के कारण उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद उनका करियर ग्राफ इस साल बिल्कुल नीचे चला गया।

रिकी पोंटिंग-स्टीव वॉ ने विराट कोहली पर जुर्माने को लेकर आईसीसी पर उठाए सवाल

रिकी पोंटिंग और माइकल वॉ जैसे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ियों ने आईसीसी द्वारा विराट कोहली पर लगाए गए जुर्माने को कम बताया और क्रिकेट की वैश्विक संस्था पर भारतीय खिलाड़ी के प्रति उदारता दिखाने का आरोप लगाया। वहीं, भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईसीसी के फैसले का समर्थन किया और कहा कि जुर्माने को लेकर कोहली पर किसी तरह की मेहरबानी नहीं दिखाई गई।

कोहली और ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास के बीच मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन धक्का-मुक्की हुई थी जिसके बाद आईसीसी ने कोहली पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक दिया था। आईसीसी ने बताया था कि कोहली पर आईसीसी की आचार संहिता के

आर्टिकल 2.12 के तहत जुर्माना लगाया गया है और उन्होंने आचार संहिता के लेवल-1 के तहत यह कार्रवाई की थी। यह मैदान पर शारीरिक भिड़ंत के लिए लगाया जाने वाला निचले स्तर का जुर्माना था। हालांकि, आधिकारिक एलान से पहले ऐसी चर्चा थी कि कोहली पर एक मैच का प्रतिबंध भी लग सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैदानी अंपायर जोएल विल्सन और माइकल गफ, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर शॉन क्रेग ने कोहली पर आरोप लगाए थे।

ऑस्ट्रेलिया मीडिया का कुछ वर्ग और कई पूर्व क्रिकेटरों ने आईसीसी पर निशाना साधा और कोहली के प्रति उदारता दिखाने का आरोप लगाया। पोंटिंग और वॉ ने कोहली को कड़ी सजा नहीं देने के लिए अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। लेकिन गावस्कर की राय अलग थी और उन्होंने कोहली पर जितना जुर्माना लगाया उसका समर्थन किया।

गावस्कर ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया को लगाई लताड़

गावस्कर ने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, हां, जितना अनुभव कोहली को है उससे आप यह कह सकते हैं कि सजा थोड़ी हल्की है, लेकिन यह अधिकतम सजा उन्हें आईसीसी ने दी है। उन्होंने किसी तरह का एहसान नहीं किया है। उदाहरण के तौर पर अगर कोहली पर 10 प्रतिशत जुर्माना लगता तो आप कह सकते थे कि मेहरबानी दिखाई गई है, लेकिन लेवल-1 के तहत अधिकतम सजा 20 प्रतिशत है। मैं इतना समझा हूं कि उन पर जुर्माने के साथ एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया है। यह अधिकतम सजा थी जो उन्हें दी गई है। कोई विशेष मेहरबानी नहीं की गई है। आप किसी को फांसी पर नहीं चढ़ा सकते और ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ऐसी ही चीज की मांग कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया मीडिया सोच रहा है कि वह इसलिए बच गए क्योंकि वह कोहली थे।

रोहित के फिर फ्लॉप होने पर निराश हुए प्रशंसक

भारतीय कप्तान को संन्यास लेने की दे डाली सलाह

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और उनकी खराब फॉर्म में मेलबर्न में खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में भी जारी रही। रोहित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेले जा रहे चौथे टेस्ट की पहली पारी में ओपनिंग करने उतरे, लेकिन महज तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रोहित के बार-बार असफल होने से सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने नाराजगी व्यक्त की। यहां तक कि प्रशंसकों के एक वर्ग ने भारतीय कप्तान को संन्यास लेने की सलाह भी दे डाली।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 474 रनों पर सिमटी और मौजूदा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित पहली बार यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग के लिए उतरे। रोहित बड़ी पारी नहीं खेल सके और बतौर ओपनर भी फेल रहे। रोहित दूसरे ओवर में पैट कमिंस की गेंद

पर बोलैंड के हाथों कैच आउट हुए। रोहित के ओपनिंग की वजह से शुभमन गिल को टीम से बाहर किया गया था। हालांकि, हिटमैन एकबार फिर फ्लॉप साबित हुए।

ओपनिंग में भी रहे फ्लॉप

पिछले दो टेस्ट में रोहित छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। हालांकि, इस मैच के लिए टीम मैनेजमेंट ने रणनीति बदली और शुभमन दिल को ड्रॉप कर रोहित को ओपनिंग भेजा गया। केएल राहुल, जो पिछले दो मैचों में ओपनिंग कर रहे थे, उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा गया। हालांकि, दोनों ही फेल रहे। रोहित तीन रन और राहुल 24 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को कमिंस ने पवेलियन भेजा। कमिंस के खिलाफ रोहित का रिकॉर्ड काफी खराब रहा है और इस सीरीज में कमिंस ने हिटमैन को खूब परेशान किया।

प्रशंसकों के निशाने पर कप्तान

रोहित की फॉर्म में वापसी का इंतजार कर रहे प्रशंसक भारतीय कप्तान के बार-बार फेल होने से काफी निराश हो रहे हैं। रोहित के पहली पारी में आउट होने के बाद इन फैंस को इतनी निराशा हुई कि इन्होंने कप्तान को संन्यास तक लेने की सलाह दे डाली। वहीं, एक अन्य यूजर ने रोहित की पिछले 14 टेस्ट पारियों में उनके प्रदर्शन को लेकर निशाना साधा।

पाकिस्तान से टेस्ट खेलने का सपना अधूरा रह गया- अश्विन :पूर्व ऑफ स्पिनर बोले

एस रमेश को देखकर बचपन में बहुत इंस्पायर हुआ

भारत के पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि उनका पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट खेलने का सपना अधूरा ही रह गया। वह बचपन से पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट खेलना चाहते थे, लेकिन कुछ कारणों से ऐसा हो नहीं हो सका। अश्विन ने इंटरव्यू में कहा, 'सदागोपान रमेश को देखकर मैं क्रिकेट खेलने के लिए इंस्पायर हुआ था। वे तमिलनाडु के पहले बैटर थे, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में बेफिक्री से रन बनाए। पाकिस्तान के खिलाफ उनकी पारियां तो मुझे सपने में भी आती थीं।'

अश्विन ने पिछले सप्ताह ही संन्यास लिया

अश्विन ने 18 दिसंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए ब्रिस्बेन टेस्ट के बाद संन्याल ले लिया। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने संन्यास का ऐलान किया था। 38 साल की उम्र में उन्होंने भारत के लिए 537 टेस्ट विकेट लिए, लेकिन कभी पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिला।

क्या बोले अश्विन?

अश्विन ने कहा, 'मेरे जीवन का सबसे बड़ा अधूरा सपना यही रह गया कि मैं कभी पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच नहीं खेल सका। हालांकि, ये चलता है। अब जिसे बदलना मेरे हाथ में ही नहीं, उसके बारे में सोचकर मैं ज्यादा कुछ कर भी नहीं सकता।'

एस रमेश ने बचपन में बहुत इंस्पायर किया

अश्विन ने बताया कि उन्हें तमिलनाडु के पूर्व बैटर एस रमेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट खेलने के लिए इंस्पायर किया था। ऑफ स्पिनर ने कहा, 'सदागोपान रमेश मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा हैं। मैं खुद इस बात को नहीं जानता कि उन्होंने मेरे जीवन में कितना बड़ा किरदार निभाया। वह तमिलनाडु के पहले बैटर थे, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में बिना डरे रन बनाए थे।

मैंने तमिलनाडु के कई खिलाड़ियों को इंटरनेशनल स्टेज पर रन बनाते हुए देखा, लेकिन सभी को कहीं न कहीं परेशानी ही हुई। वे आगे चलकर स्थापित जरूर हो गए, लेकिन जिस तरीके से रमेश क्रिकेट खेलते थे, वैसा कोई नहीं खेल सका। उन्होंने वसीम अकरम, वकार यूनुस और शोएब अख्तर जैसे बॉलर्स के खिलाफ भी बेफिक्री से रन बनाए। उनके पास शॉट्स खेलने के लिए हमेशा ही बहुत ज्यादा समय था।'

रमेश के शॉट्स का दीवाना हो गया था- अश्विन

अश्विन ने आगे कहा, 'मुझे याद है कि रमेश ने एक बार वकार के खिलाफ एक पैर उठाकर फ्लिक शॉट खेला था। मैं रात भर उसी शॉट के बारे में सोचता रहा, मैं अगले दिन उनकी बैटिंग देखने के लिए एक्साइटेड था। 5 साल बाद मैं और रमेश एक ही क्लब की टीम से क्रिकेट खेल रहे थे। मेरे लिए वह एक फैन बॉय मोमेंट था, वह मेरे लिए बहुत बड़ी इंस्पिरेशन हैं।'

रमेश ने भारत के लिए 19 टेस्ट खेले

सदागोपान रमेश तमिलनाडु के पूर्व क्रिकेटर हैं। उन्होंने भारत के लिए 19 टेस्ट खेले और 37.97 की औसत से

1367 रन बनाए। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ ही 1999 में अपने करियर की शुरुआत की और 3 टेस्ट में 53.83 की औसत से 323 रन बना दिए। उन्होंने चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में पहला टेस्ट खेला। वहां पहली ही पारी में 41 गेंद पर 43 रन बना दिए।

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्यों नहीं खेल सके अश्विन

अश्विन ने तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए क्रिकेट खेला, लेकिन टेस्ट उनका बेस्ट फॉर्मेट रहा। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे और टी-20 क्रिकेट तो खेला, लेकिन इस टीम के खिलाफ कभी टेस्ट नहीं खेल सके। ऐसा इसलिए क्योंकि दोनों देशों के बीच राजनीतिक विवाद के चलते द्विपक्षीय सीरीज नहीं होती। भारत और पाकिस्तान के बीच 2007 में आखिरी बार कोई टेस्ट हुआ था, अश्विन ने तब डेब्यू नहीं किया था। उन्हें 2011 में डेब्यू करने का मौका मिला, जिसके 14 साल बाद तक उन्होंने भारतीय फैंस के दिलों और टेस्ट क्रिकेट पर राज किया। इस दौरान भारत-पाक के बीच कोई टेस्ट नहीं हुआ। अश्विन टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बॉलर और नंबर-1 ऑलराउंडर भी रहे। रिटायरमेंट के समय भी वह नंबर-5 बॉलर और नंबर-3 ऑलराउंडर थे।

अश्विन के पाकिस्तान के खिलाफ 13 विकेट लिए

रवि अश्विन पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट नहीं खेल सके, लेकिन उनके खिलाफ 6 टी-20 और 8 वनडे जरूर खेले। इनमें उन्होंने टी-20 में 3 और वनडे में 10 विकेट लिए। उन्होंने वनडे में 45 रन भी बनाए। अश्विन ने पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 में एक ही रन बनाया, लेकिन शायद यह उनके टी-20 करियर का सबसे अहम 1 रन रहा।

पाकिस्तान के खिलाफ अश्विन का एक रन 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में मेलबर्न के मैदान पर आया था। जब टीम इंडिया को 1 गेंद पर 2 रन चाहिए थे। पाकिस्तानी बॉलर ने अगली बॉल लेग स्टंप पर फेंकी, जिसे अश्विन ने छोड़ दिया, जो वाइड हो गई। अब टीम को 1 रन चाहिए था, यहां अश्विन ने मिड-ऑफ के ऊपर से शॉट खेला और एक रन ले लिया। इसी के साथ टीम ने रोमांचक मुकाबला 4 विकेट से जीत लिया। मुकाबले में विराट कोहली ने 82 रन की नॉटआउट पारी खेली थी।

आरबीआई गवर्नर बोले-आर्थिक सुधारों के वास्तुकार रहे मनमोहन सिंह, राजन ने कहा- वे दूरदर्शी थे

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने योगदान से अमिट छाप छोड़ी है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देते हुए यह बात कही। पूर्व प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री सिंह 1982 से 1985 के बीच आरबीआई के गवर्नर भी रहे। मल्होत्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर के निधन पर मुझे गहरा दुख हुआ है। भारत के आर्थिक सुधारों के निर्माता के रूप में उनके योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है। आरबीआई

इस बड़े शोक में राष्ट्र के साथ शामिल है। भारत के आर्थिक सुधारों के निर्माता सिंह का गुरुवार रात 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जब 1991 में सिंह ने वित्त मंत्रालय की बागडोर संभाली, तब भारत का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 8.5 प्रतिशत के करीब था, भुगतान संतुलन घाटा बहुत बड़ा था और चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 3.5 प्रतिशत के करीब था। हालात को बदतर बनाने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार केवल दो सप्ताह के आयात के भुगतान के लिए ही पर्याप्त था, जो दर्शाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था गहरे संकट में थी। ऐसे मौके पर सिंह की ओर से प्रस्तुत केन्द्रीय बजट 1991-92 के बाद नए आर्थिक युग की शुरुआत हुई। यह स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिसमें साहसिक आर्थिक सुधार हुए, लाइसेंस राज का उन्मूलन हुआ और कई क्षेत्रों को निजी और विदेशी खिलाड़ियों के लिए खोला गया ताकि पूंजी का प्रवाह हो सके। सिंह लगातार दो कार्यकालों 2004-09 और 2009-14 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। उनके परिवार में पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां हैं।

मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी और ईमानदार अर्थशास्त्री थे: रघुराम राजन

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह एक प्रतिभाशाली अर्थशास्त्री थे, जिनके पास भारत की संभावनाओं के बारे में दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ-साथ राजनीतिक व्यवहार्यता की अच्छी समझ भी थी। राजन ने सिंह को विनम्र और मृदुभाषी बताया, जिनके गुणों के कारण वे मोंटेक सिंह अहलूवालिया, रंगराजन और राकेश मोहन जैसे प्रतिभाशाली लोगों को अपनी टीम में शामिल करने में सक्षम हुए।

70 घंटे काम वर्क-लाइफ बैलेंस पर गौतम अडानी का मंत्र

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)। इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने कुछ वक्त पहले देश के युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने की बात कही थी। तब से ही देश में कार्य संतुलन को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है।

अब इसी पर देश के दूसरे सबसे अमीर शख्स और अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी ने बहुत जरूरी बात कही है।गौतम अडानी का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वह वर्क-लाइफ बैलेंस पर बात कर रहे हैं। उन्होंने बातों ही बातों में लाइफ का एक अचूक मंत्र भी इसमें दिया है।

वर्क-लाइफ बैलेंस पर गौतम अडानी की सलाह

गौतम अडानी का कहना है कि हर किसी का वर्क-लाइफ बैलेंस अपना होता है। किसी एक व्यक्ति का वर्क-लाइफ बैलेंस किसी दूसरे पर थोपा नहीं जा सकता। ठीक उसी तरह उनका काम करने का तरीका किसी और पर थोपा नहीं जा सकता।

हालांकि वर्क-लाइफ बैलेंस ऐसा होना चाहिए कि आपको और आपके परिवार दोनों को आनंद आए।गौतम अडानी ने कहा कि कुछ लोग परिवार के साथ 4 घंटे बिताते हैं, कुछ लोग 8 घंटे बिताते हैं। (उन्होंने मजाक के लहजे में कहा कि अगर 8 घंटे घर पर बिताओगे तो पत्नी परेशान हो जाएगी)। आप जितना भी समय बिताएं, उसमें आनंद आना चाहिए। यही सबसे बढ़िया वर्क-लाइफ बैलेंस हैं।

परिवार और काम के बिना जीवन नहीं

गौतम अडानी ने कहा कि परिवार हो या काम, दोनों के बिना ही जीवन नहीं है। इसलिए सही वर्क-लाइफ बैलेंस वही है जब आपको उस काम में मजा आए, जो आप कर रहे हैं। परिवार में आपके बच्चे भी इन बातों को देखते हैं फिर वही सीखते हैं। गौतम अडानी की ये सलाह इसलिए मायने रखती है, क्योंकि देश ही नहीं बल्कि दुनिया में वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर एक बहस छिड़ी हुई है।

साल खत्म होने से पहले मुकेश अंबानी के लिए आई बुरी खबर, छिन सकती है बादशाहत

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2024 भारतीय कॉर्पोरेट जगत के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। देश की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बीच मार्केट कैप को लेकर प्रतिस्पर्धा ने निवेशकों का ध्यान खींचा है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की मौजूदा स्थिति

रिलायंस इंडस्ट्रीज, जो लंबे समय से देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रही है, इस साल मुश्किलों का सामना कर रही है। कंपनी के शेयरों में पिछले एक साल में 5.59% की गिरावट आई है, जिससे इसका मार्केट कैप 16.45 लाख करोड़ रुपये तक सिमट गया है। 2024 में कंपनी का रिटर्न नेगेटिव रहने की उम्मीद है। पिछले एक महीने में ही इसके शेयरों में 6% की गिरावट दर्ज की गई। यह लगातार नुकसान कंपनी के लिए चिंता का विषय है।

टीसीएस की तेज़ी

दूसरी ओर, टीसीएस ने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 9.87% की तेजी आई है, जिससे इसका मार्केट कैप 15.08 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, पिछले महीने में टीसीएस के शेयरों में 4.20% की गिरावट देखी गई, लेकिन कंपनी की समग्र स्थिति मजबूत बनी हुई है।

कितना बचा है अंतर?

रिलायंस और टीसीएस के मार्केट कैप के बीच का अंतर अब केवल 1.37 लाख करोड़ रुपये रह गया है। यह अंतर तेजी से घट रहा है, और अगर रिलायंस के प्रदर्शन में सुधार नहीं होता, तो 2025 तक यह खिताब टीसीएस के नाम हो सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण मोड़

टीसीएस के बढ़ते डिजिटल व्यापार और स्थिरता ने इसे रिलायंस के मुकाबले एक मजबूत दावेदार बना दिया है। वहीं, रिलायंस को अपनी मौजूदा स्थिति सुधारने के लिए नई रणनीतियों और निवेश की आवश्यकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो कंपनी "देश की सबसे मूल्यवान कंपनी" का खिताब खो सकती है। रिलायंस और टीसीएस के बीच का यह मुकाबला भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले महीनों में कौन सी कंपनी निवेशकों का भरोसा जीत पाती है और शीर्ष स्थान पर बनी रहती है।

क्या एयर इंडिया के बदलेंगे दिन ?सीईओ ने बताया रोडमैप

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)। एयर इंडिया ने पिछले कुछ दशकों में खूब उठापटक देखा है। ऐसे में एक बार फिर एयर इंडिया साल 2025 में कई बड़े अहम फैसले लेने की तैयारी में है। एयरलाइन अपनी कुछ विमानों में बदलाव करने की तैयारी में है। कंपनी चौड़े बॉडी और तंग बॉडी वाले विमानों को नया रूप देगा। साथ ही एयर इंडिया अपनी प्रक्रियाओं को बेहतर और सख्त बनाएगा। इससे यह मुनाफा कमाने में सफल होगा। इस बात की जानकारी एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने खुद दी है।

बड़े बदलाव के प्लान पर काम शुरू

जनवरी 2022 में एयर इंडिया को टाटा ग्रुप ने सरकार से खरीद लिया था। इसके बाद कंपनी ने एक बड़े बदलाव के प्लान पर काम शुरू कर दिया है। हाल ही में एयर इंडिया ने 100 नए विमान खरीदने का आदेश भी दिया। विल्सन ने अपने कर्मचारियों को संदेश भेजते हुए बताया

कि 2024 में कई महत्वपूर्ण माइलस्टोन हासिल किए गए हैं। इनमें एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयरएशिया इंडिया की मर्जर पूरी करना है। साथ ही विस्तारा का एयर इंडिया के साथ विलय करना भी शामिल है।

इन विमानों को किया शामिल

इन बदलावों से एयर इंडिया ग्रुप अब टाटा ग्रुप के चौथे सबसे बड़े व्यापार के रूप में उभरा है। एयर इंडिया समूह के पास 300 विमान हैं। यह सालाना 60 मिलियन से ज्यादा यात्रियों को 100 से अधिक जगहों तक के लिए उड़ान भरते हैं। विल्सन ने कहा कि 2025 में और भी कई अहम योजनाएं पूरी होंगी। इसमें विमानों को नए सीटों और सेवाओं से लैस करना भी शामिल है। एयर इंडिया की सर्विस भी सुधारे जाएंगे। इसके अलावा, एयर इंडिया अपनी प्रक्रियाओं को और सख्त और कुशल बनाएगा।

ये गणित भी समझे।

एयरलाइन के कमाई की बात करें तो 2023-24 के वित्तीय वर्ष में एयर इंडिया ने अपने नुकसान को 11,387.96 करोड़ रुपये से घटाकर 4,444.10 करोड़ रुपये कर लिया। कंपनी का टर्नओवर 23.69 फीसदी से बढ़कर 38,812 करोड़ रुपये हो गया है। एयर इंडिया ने 100 और एयरबस विमानों का ऑर्डर दिया। इसमें 10 चौड़े बॉडी वाले A350 और 90 तंग बॉडी वाले A320 शामिल हैं। अब कंपनी के पास कुल 570 विमान का ऑर्डर है।

सोने के दाम में आज 299 की तेजी:76,635 प्रति 10 ग्राम बिक रहा, चांदी भी 394 रुपए महंगी

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में शुक्रवार (27 दिसंबर) को तेजी देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के डेटा के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का 299 रुपए बढ़कर 76,635 रुपए पर बिक रहा है। इससे पहले कल सोने की कीमत 76,336 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। चांदी का भाव भी आज 394 रुपए बढ़कर रुपए पर पहुंच गया है। कल चांदी 88,040 मरुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,150 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,000 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,500 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,000 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,000 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,050 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,500 रुपये है।

सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन, भारत से है खास नाता

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)। सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के पूर्व अध्यक्ष और दुनिया में कंपनी के विस्तार के अगुआ रहे ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। कंपनी ने बताया कि उनकी 25 दिसंबर को लिम्फोमा के कारण मृत्यु हो गई। 30 जनवरी, 1930 को जापान के गेरो में जन्मे ओसामु मात्सुदा, सुजुकी के संस्थापक परिवार में विवाह करने के बाद 1958 में कंपनी से जुड़े। अपनी पत्नी का उपनाम लेते हुए, उन्होंने एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की, जिसने सुजुकी मोटर को दुनिया भर में छोटी कारों और मोटरसाइकिलों में जाना-माना नाम बना दिया। सुजुकी के नेतृत्व में कई दशक तक काम किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में दो कार्यकाल शामिल हैं, जिससे वे वैश्विक ऑटोमेकर के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रमुख बन गए। उनके मार्गदर्शन में, सुजुकी मोटर ने जनरल मोटर्स और वोक्सवैगन के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाए, उत्तरी अमेरिका और यूरोप में अपने पदचिह्न का विस्तार करने के लिए साझेदारी का लाभ उठाया।ओसामु सुजुकी का सबसे साहसिक कदम 1980 के दशक में भारतीय बाजार में प्रवेश करना था। 1982 में, सुजुकी ने भारत सरकार के साथ एक संयुक्त उद्यम बनाया, जिसके परिणामस्वरूप देश में मारुति कार निर्माण शुरू हुआ।

इस साझेदारी ने मारुति 800 नामक एक छोटी कार को पेश किया, जो तुरंत हिट हो गई और भारतीय बाजार में सुजुकी के प्रभुत्व को मजबूत किया। आज, मारुति सुजुकी भारत में सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बनी हुई है, जो कंपनी की वैश्विक बिक्री में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 226.59 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,800 के पार

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)। बैंकिंग और ऑटो शेयरों में खरीदारी के बीच शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 226.59 अंक या 0.29 प्रतिशत चढ़कर 78,699.07 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 570.67 अंक या 0.72 प्रतिशत चढ़कर 79,043.15 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 63.20 अंक अथवा 0.27 प्रतिशत बढ़कर 23,813.40 अंक पर पहुंच गया। 30 ब्लू-चिप कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा

मोटर्स, बजाज फिनसर्व, नेस्ले और आईसीआईसीआईसीआई बैंक सबसे ज्यादा लाभ में रहे। भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचसीएल टेक पिछड़ने वालों में शामिल थे। एशियाई बाजारों में, टोक्यो और शंघाई में तेजी रही, जबकि सियोल और हांगकांग में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सपाट स्तर पर बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 73.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 2,376.67 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। गुरुवार को कारोबार के दौरान बीएसई का बेंचमार्क सूचकांक 0.39 अंक गिरकर 78,472.48 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 22.55 अंक या 0.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,750.20 अंक पर बंद हुआ था।

अमेरिका ने 100 साल में जितना सीमेंट यूज किया, उतना चीन ने 3 साल में खपा दिया

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन भारतीय सीमा के करीब तिब्बत में दुनिया का सबसे बड़ा बांध बना रहा है। इसमें $137 अरब का निवेश किया जा सकता है जो भारत के किसी भी प्रोजेक्ट से ज्यादा है। भारत में दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल अब तक का सबसे खर्चीला प्रोजेक्ट माना जाता है। इसकी अनुमानित लागत 100 अरब डॉलर है। चीन बड़े-बड़े प्रोजेक्ट बनाने में माहिर है। हाल के वर्षों में उसने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जमकर निवेश किया है। एक अनुमान के मुताबिक 2011 से 2012 के बीच चीन में सीमेंट की जितनी खपत हुई, उतनी अमेरिका में 1901 से लेकर 2000 के बीच यानी 100 साल में हुई। रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने 2011 से 2013 के दौरान 6.4 गीगाटन सीमेंट का यूज किया। एक गीगाटन 1,000,000,000 टन के बराबर होता है। इस दौरान चीन ने थ्री गॉर्जेस बांध बनाया जिसे दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर स्टेशन माना जाता है। सेंट्रल चाइना की यांगजी जियांग नदी पर स्थित इस बांध को बनाने में 1.6 करोड़ टन सीमेंट का यूज हुआ था। अमेरिका में साल 1901 से साल 2000 के बीच कई बहुमंजिला इमारतें, इंटरस्टेट और हूवर डैम बनाया था। लेकिन इस दौरान वहां कुल 4.5 गीगाटन सीमेंट की खपत हुई थी। आज चीन दुनिया का सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक और उपभोक्ता है। दुनिया का 60% सीमेंट चीन में बनता है। खपत में भी उसकी दुनिया में 60% हिस्सेदारी है। पिछले साल चीन ने 2.1 अरब टन सीमेंट को उत्पादन किया था जबकि बाकी दुनिया का उत्पादन दो अरब टन था।

10.5 लाख इनकम पर टैक्स छूट मिल सकती है : बजट में ऐलान संभव

सरकार ने कहा-एफवाई 25 में 6.5% से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली,27 दिसंबर (एजेंसियां)। कल टैक्सेशन में बदलाव की खबर सुर्खियों में रही। नए वित्त वर्ष के बजट में सरकार इंडिविजुअल टैक्सपेयर्स को टैक्स छूट का सौगात दे सकती है। मोदी 3.0 अपने दूसरे बजट में 10 लाख 50 हजार रुपए सालाना कमाने वाले लोगों के लिए इनकम टैक्स की दरों में कटौती करने पर विचार कर रही है। भारत सरकार ने वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए भारत की ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5% लगाया है।

वहीं, इंडियन रेलवे का ऑनलाइन टिकट बुकिंग पोर्टल आईआरसीटीसी और इसका ऐप तकनीकी दिक्कतों के चलते डाउन हो गया। लोगों को तत्काल के पीक टाइम में इसका सामना करना पड़ा। नरेंद्र मोदी सरकार वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इंडिविजुअल टैक्सपेयर्स को राहत दे सकती है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी 3.0 अपने दूसरे बजट में 10 लाख 50 हजार रुपए सालाना

कमाने वाले लोगों के लिए इनकम टैक्स की दरों में कटौती करने पर विचार कर रही है। आम चुनाव के चलते वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम और पूर्ण दो बजट पेश किए गए। जुलाई 2024 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इनकम टैक्स छूट स्लैब का एक्सपैंशन करते हुए सभी करदाताओं के लिए मानक कटौती बढ़ा दी थी। भारत सरकार ने वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए भारत की ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5% लगाया है। सितंबर तिमाही के दौरान ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन और प्राइवेट कंजम्पशन में कमी के चलते इस अनुमान में कमी आई है। इससे पहले इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ ने इसका अनुमान 7% बरकरार रखा है। वहीं वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी अनुमान भी 6.5% पर ही बरकरार रखा है। 9 अक्टूबर को आरबीआई ने एफवाई25 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7.2% पर बरकरार रखा था। इंडियन रेलवे का ऑनलाइन टिकट बुकिंग पोर्टल आईआरसीटीसी और इसका ऐप तकनीकी दिक्कतों के चलते डाउन हो गया। लोगों को तत्काल के पीक टाइम में इसका सामना करना पड़ा। पीक बुकिंग आवर्स के दौरान हुई तकनीकी खराबी के चलते तत्काल टिकट बुकिंग में ज्यादा परेशानी हुई। आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर की रिपोर्ट के अनुसार, सुबह 10.25 बजे लगभग 2500 यूजर्स ने आउटेज के केस रिपोर्ट किए। इस समय प्लेटफॉर्म पर आउटेज की शिकायतें चरम पर थीं। हालांकि, कुछ समय बाद दिक्कतें दूर हो गईं, लेकिन भारत के कई शहरों से आउटेज की शिकायतें इंटरनेट पर वायरल हुईं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	धनु	मे
चंद्र-	वृश्चिक	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृश्चिक	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	मकर	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
धनु----	05-53	बजे
मकर...	08-00	बजे
कुंभ -	09-50	बजे
मीन-	11-28	बजे
मेष---	13-04	बजे
वृष---	14-49	बजे
मिथुन	16-50	बजे
कर्क...	19-02	बजे
सिंह---	21-14	बजे
कन्या---	23-21	बजे
तुला----	01-26	बजे
वृश्चिक...	03-36	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत •2051,हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-48
सूर्यास्त. -17-47
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल •• पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी . 03-32 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास • पौष कृष्ण , शनिवार 28 December
नक्षत्र • अनुराधा 22-13 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग • शूल 22-23 तक उप गण्ड
करण- गर 15-04 तक उप वणिज
विशेष:- शनि प्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार • कुंभ मे शुक्र २३-४१ से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
09:13 से
10:32 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:48 - 08:09	अशुभ	लाभ	17:47 - 19:27	शुभ
शुभ	08:09 - 09:32	शुभ	उत्पात	19:27 - 21:04	अशुभ
रोग	09:32 - 10:55	अशुभ	शुभ.	21:04 - 22:41	शुभ
उत्पात	10:55 - 12:18	अशुभ	अमृत.	22:41 - 00:18	शुभ
चंचल	12:18 - 13:41	शुभ	चंचल.	00:18 - 01:55	शुभ
लाभ	13:41 - 15:04	शुभ	रोग	01:55 - 03:32	अशुभ
अमृत	15:04 - 16:27	शुभ	काल.	03:32 - 05:09	अशुभ
काल	16:27 - 17:47	अशुभ	लाभ	05:09 - 06:48	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे । इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है ।हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है । लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं । आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा । आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी । अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है । अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है । आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी। अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा । आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें । थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें । उस दोस्त की अपनी कुछ परेशानियां चल रही अहिं और इसीलिए वह ऐसे व्यवहार कर रहा है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

उर्दू में लिखा जाता था मनमोहन सिंह का भाषण

पहली पीएम स्पीच की तैयारी में तीन दिन लगे, दफ्तर जाने से पहले शबद गुनगुनाते थे

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2004, मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद लोकसभा का पहला सेशन। देश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब नए प्रधानमंत्री को सदन में न तो अपने मंत्रियों के परिचय कराने की अनुमति दी गई और न ही उन्हें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का मौका मिला। तब मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी शिबू सोरेन और उन नेताओं के मंत्री बनाए जाने का विरोध कर रही थी, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। 10 जून 2004, नई संसद के ओपनिंग सेशन का आखिरी दिन। लोकसभा स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने मनमोहन सिंह को बोलने के लिए इनवाइट किया, लेकिन विपक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी। इससे डॉ. सिंह परेशान हो गए। उन्हें बेहद गुस्सा आया। उन्हें दुख हुआ कि विपक्षी दल बीजेपी नए प्रधानमंत्री को सदन में बोलने नहीं दे रही। बाद में बीजेपी न चाहते हुए भी प्रधानमंत्री के भाषण के लिए तैयार हो गई।

तब मनमोहन सिंह परेशान दिख रहे थे। वे खड़े हुए और दुखी मन से कहा- अध्यक्ष महोदय, मुझे पता चला है कि दोनों पक्षों के राजनीतिक दलों के बीच इस बात पर सहमति है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को सीधे मतदान के लिए रखा जाए और सर्वसम्मति से पारित किया जाए। मैं इस अवसर पर लोकसभा के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं।

मनमोहन सिंह के मीडिया एडवाइजर रहे संजय बारू अपनी किताब 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' में लिखते हैं- 'इस घटना के बाद मनमोहन सिंह उदास मन से घर लौटे। इसके बाद तय किया गया कि प्रधानमंत्री जो बयान सदन में देना चाहते थे, वो बयान टीवी के माध्यम से देश के नाम दिया जाएगा। मुझे और मणि दीक्षित को प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को री-ड्राफ्ट करने की जिम्मेदारी दी गई। ड्राफ्ट तैयार करने के बाद, मैंने प्रधानमंत्री को सलाह दी कि वे टीवी पर भाषण देने से पहले टेलीप्रॉम्प्टर के सामने भाषण देने की प्रैक्टिस करें। प्रधानमंत्री इसके लिए राजी भी हो गए। 7 रेस कोर्स रोड यानी प्राइम मिनिस्टर आवास में एक टीवी कैमरा इंस्टॉल किया गया।

पीएम हर दिन दोपहर में लंच करने के बाद एक घंटा कैमरे के सामने भाषण देने की प्रैक्टिस करते थे। दिन का काम पूरा होने के बाद मैं उन्हें रिकॉर्डिंग सुनाता था और उनकी गलतियों के बारे में बताता था, ताकि वे सुधार कर सकें। उनकी आवाज बहुस सॉफ्ट थी। वे महत्वपूर्ण बात कहने के बाद, बिना पॉज लिए अगले वाक्य की तरफ बढ़ जाते थे।'

संजय बारू लिखते हैं- मनमोहन सिंह का पहले राष्ट्र के नाम टेलीविजन स्पीच की प्रैक्टिस में तीन दिन लगे थे। 24 जून की सुबह उनकी स्पीच रिकॉर्ड की गई और रात में उसे टेलीकास्ट किया गया। अगली सुबह 'द हिंदू अखबार' में लीड स्टोरी छपी। इसमें प्रधानमंत्री के भाषण की तारीफ की गई। प्रधानमंत्री के भाषण के हिंदी वाले हिस्से को उर्दू में लिखा गया था, क्योंकि पश्चिमी पंजाब यानी अब के पाकिस्तान में जन्मे मनमोहन सिंह ने कभी हिंदी पढ़ना नहीं सीखा था। उनकी मातृभाषा पंजाबी थी, जबकि उर्दू उनके स्कूल एजुकेशन की लैंग्वेज थी।

मनमोहन सिंह को उर्दू अच्छी आती थी। उन्हें उर्दू साहित्य और कविताओं की भी अच्छी समझ थी। वे सदन में भी अक्सर उर्दू कविताओं का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने सदन में एक बार पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशरफ के लिए कहा था- 'ये जब्र भी देखा है, तारीख की नजरों ने, लम्हों ने खता की थी, सदियों ने सजा पाई'... मनमोहन सिंह की स्वतंत्रता दिवस की स्पीच हमेशा उर्दू में लिखी जाती थी।

संजय बारू लिखते हैं- 'मनमोहन सिंह पब्लिक स्पीच के लिए खुद को तैयार करते रहते थे। उनके साथ यह कभी नैचुरली नहीं आया। कैमरा के सामने आने पर मुस्कुराना नेताओं की बेसिक जरूरत होती है, लेकिन ऐसा करना भी मनमोहन सिंह के लिए आसान नहीं रहा।

जब भी प्रधानमंत्री को किसी आतंकवादी हमले की निंदा के लिए टीवी पर आना होता, तो मैं उनसे आग्रह करता था कि वे पहले से तैयार स्क्रिप्ट न पढ़ें, बल्कि कैमरे के सामने आकर बोलें। समय के साथ उन्होंने टेलिप्रॉम्प्टर देखकर बोलना तो सीख लिया, लेकिन वे कभी बेहतर पब्लिक स्पीकर नहीं बन सके। न भीड़ के सामने, न टीवी पर।

संजय बारू लिखते हैं- 'मनमोहन सिंह को यूएस कांग्रेस में भाषण देना था। मुझे पता था कि पीएम को दिक्कत कहां आती है। इसलिए मैं उन शब्दों को अंडरलाइन करते जा रहा था, जो अहम होते थे। जिन शब्दों पर ऑडियंस वाहवाह करती, ताकि पीएम समझ सकें कि कहां पर उन्हें पॉज लेना है। हालांकि, वे शायद ही ऐसा करने में कामयाब रहे।'

'जुलाई 2004, मनमोहन सिंह का बैंकॉक में मीडिया से पहला इंटरैक्शन था। मैं उनके कमरे में गया और कहा कि क्या मीडिया को फेस करने के लिए पहले तैयारी की जरूरत है? उन्होंने जबाव दिया- 'क्या शेर कभी अपने दांत साफ करता है।'

संजय बारू अपनी किताब द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर में लिखते हैं- '15 अगस्त, 2004 की बात है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को लाल किले की प्राचीर से संबोधित करना था। प्रधानमंत्री के एसपीजी ने मुझसे कहा कि मैं भाषण से एक दिन पहले ड्रेस रिहर्सल कार्यक्रम में भाग लूं। मैं लाल किला पहुंचा। लाल किले की प्राचीर के चारों तरफ घूमते हुए मैंने अचानक 'सिटिंग अरेंजमेंट' पर नजर दौड़ाई। पहली लाइन में पहली सीट मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरन कौर की थी। उसके बाद वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों, विपक्ष के नेता और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कुर्सी थी। मैं हैरान था कि पहली पंक्ति में सोनिया गांधी की कुर्सी नहीं थी।'

संजय बारू लिखते हैं- 'मैंने रक्षा मंत्रालय के अधिकारी से पूछा कि सोनिया को कहां बैठाया जाएगा, तो उन्होंने चौथी या पांचवी पंक्ति की तरफ इशारा किया, जहां उनकी बगल में नजमा हेपतुल्लाह को बैठाया जाना था। मुझे ध्यान आया कि सोनिया गांधी राष्ट्रपति भवन में होने वाले कार्यक्रमों में अक्सर सामने बैठती हैं।

मनमोहन सिंह का जन्म अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में हुआ था। बंटवारे के बाद मनमोहन सिंह का परिवार भारत आ गया। बंटवारे के वक्त मनमोहन सिंह 15 साल के थे। पाकिस्तान में राजा मोहम्मद अली उनके खास दोस्त थे। अली, मनमोहन सिंह को 'मोहना' कहकर बुलाते थे। 2004 में जब मनमोहन सिंह भारत के प्रधानमंत्री बने, तो मोहम्मद अली को खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने प्रधानमंत्री से मिलने की इच्छा जताई। चार साल बाद यानी 2008 में मनमोहन सिंह ने अली को दिल्ली आने का न्योता दिया। मई 2008, मोहम्मद अली अपने परिवार के साथ दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मिले। अली अपने साथ मनमोहन सिंह के पैतृक गांव की मिट्टी और पानी लेकर आए थे। जाते वक्त मनमोहन सिंह ने अली को शॉल और टाइटन की घड़ी दी थी।

मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरन कौर ने मशहूर अर्थशास्त्री ईशर अहलूवालिया को बताया था- 'मनमोहन सिंह जब दफ्तर जाने के लिए तैयार हो रहे होते थे, तो दसवें सिख गुरु का अपना पसंदीदा शबद गुनगुनाया करते थे।

देह शिवा बर मोहे, सुभ करमन ते कबहूं न टरों,
न डरों अरि सों जब जाए लरों, निसचै करि अपनी जीत करौं।

मशहूर अर्थशास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया अपनी आत्मकथा 'बैकस्टेज द स्टोरी बिहाइंड इंडियाज ग्रोथ इयर्स' में लिखते हैं- मनमोहन सिंह के लिए धर्म निहायत ही निजी विषय भले ही हो, लेकिन उनके शरीफ व्यक्तित्व के पीछे एक सिख शख्स मौजूद है, जो अपनी सारी ताकत गुरबानी से लेता है।

उग्रवादियों ने वार्ड सदस्य का सिर और दोनों पैर काटा

पुल निर्माण कार्य में कर रहे थे मुंशी का काम, पर्चा फेंककर हत्या की ली जिम्मेवारी

लातेहार, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। लातेहार में सदर प्रखंड के भूसूर पंचायत स्थित वार्ड 9 सदस्य बाल गोविंद प्रसाद (55) की उग्रवादियों ने बीती रात कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी गई। उग्रवादियों ने बाल गोविंद का सिर और दोनों पैर काट दिया। वो ग्रामीण कार्य विभाग से 14 करोड़ की लागत से गुरुआ दोहर नदी में बन रहे पुल निर्माण में मुंशी के रूप में कार्य कर रहे थे। घटना सदर प्रखंड के अलगड़ा के पास हुई। कंस्ट्रक्शन का काम चतरा के नीलम एंटरप्राइजेज द्वारा कराया जा रहा था। हत्या की जिम्मेवारी झारखंड संघर्ष जन मुक्ति मोर्चा के प्रदीप गंझू ने पर्चा फेंक कर ली है। पर्चा में लिखा है कि ठेकेदार ने मजबूर किया। इसलिए घटना को अंजाम दिया गया है। इधर, घटनास्थल पर मौजूद मजदूर नागेश्वर खरवार ने बताया कि पुल निर्माण में हम लोग दो-तीन दिन पहले ही आए थे। बीती रात सभी खाना खाकर सो रहे थे। इसी दौरान 5 से 6 की संख्या में हथियार बंद लोग आए और दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए। इसके बाद मेरा मोबाइल लूट लिया। शोर सुनकर निर्माण कार्य में मुंशी के रूप में कार्य कर रहे बाल गोविंद बाहर निकले और टॉर्च जलाया।

मनमोहन बोले थे- झीरम में कांग्रेसी बेरहमी से मारे गए

भाजपा सरकार नहीं दे सकी सुरक्षा, पूर्व पीएम के निधन पर 7 दिन राजकीय शोक

रायपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया। वे 92 साल के थे। उनके निधन पर छत्तीसगढ़ में 26 दिसंबर से 1 जनवरी तक 7 दिन राजकीय शोक है। शासकीय भवन और अन्य स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे। छत्तीसगढ़ में पीएम और सीएम के कार्यक्रम रद्द किए गए हैं। प्रधानमंत्री वर्चुअल कार्यक्रम के जरिए 10 जिलों के लोगों को आवासीय पट्टा देने वाले थे। मनमोहन सिंह का छत्तीसगढ़ से भी गहरा नाता रहा है। यहां एम्स, सीपत थर्मल पावर प्लांट (एनटीपीसी) समेत कई योजनाएं लाने में उनकी अहम भूमिका रही। वे 2013 में चुनावी माहौल के बीच रायपुर आए थे। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े नक्सल हमले झीरम कांड को लेकर एक बड़ा दावा किया था। उन्होंने कहा था कि राजनीतिक मतभेदों के चलते छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं को भाजपा की रमन सिंह सरकार ने सुरक्षा नहीं दी। इसलिए कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और सुरक्षाकर्मी बेरहमी से मारे गए।

25 मई 2013 को झीरम हमले की खबर मिलते ही तब के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह रायपुर पहुंचे। उनके साथ सोनिया गांधी, राहुल गांधी भी थे। मनमोहन सिंह ने कहा था कि ये नक्सल हमला कांग्रेस के हौसले को तोड़ नहीं सकता। बड़े नेताओं की कुर्बानी हमें जन सेवा करने की प्रेरणा देती है। तब रायपुर के गांधी मैदान स्थित कांग्रेस भवन में सभा हुई। इसके बाद मनमोहन सिंह ने अफसरों की एक बैठक भी रायपुर में ली थी। मनमोहन ने कहा था कि झीरम अटैक हमारे लोकतंत्र पर सीधा हमला था। मैं यह भी जानता हूं कि इस तरह की घटनाओं से देश और कांग्रेस पार्टी के मनोबल को कभी कम नहीं किया जा सकता। झीरम घाटी नक्सली हमला यह भी दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ की बीजेपी सरकार के कार्यकाल में सुरक्षा व्यवस्था कितनी खराब हो गई है। मनमोहन ने कहा था कि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की बुनियादी जिम्मेदारी होती है, लेकिन छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार इस जिम्मेदारी को निभाने में पूरी तरह असफल रही है। राज्य के बहुत से इलाके नक्सलियों के काबू में है और वहां सरकार की कोई बात नहीं मानी जाती। इसी वजह से इन हिस्सों में विकास के काम नहीं हो रहे।

पूर्व पीएम ने कहा था कि मैं एक और बात यहां साफ तौर पर कहना चाहूंगा कि हम विपक्षी दलों की और उनकी सरकारों की नीतियों की आलोचना ये जरूर करेंगे, क्योंकि हम उनसे असहमत हैं, लेकिन हमें अपना संयम खोकर विपक्षी नेताओं के खिलाफ ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए जो अपमानजनक हो। किसी भी राजनीतिक दल का मकसद सत्ता में आना होता है लेकिन सत्ता के लालच में किसी भी दल को सस्ती राजनीति का रास्ता नहीं अख्तियार करना चाहिए। मनमोहन ने कहा था कि बीजेपी द्वारा छत्तीसगढ़ के पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) की तारीफ की जाती है, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि इस पीडीएस सिस्टम को आगे चलाने के लिए पैसा कहां से आता है, यह पैसा 90 फ़ीसदी केंद्र की कांग्रेस सरकार से आता है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

10 चक्का ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, ग्रामीणों ने की मुआवजे की मांग

रामगढ़, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ में शुक्रवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसा छतर मांडू के ओल्ड एज होम के पास एक दस चक्का हाइवा ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। इधर, घटना के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भाग निकला। लोगों ने पीछा कर गाड़ी को पकड़ लिया, पर ड्राइवर भागने में कामयाब रहा। मृतक की पहचान बादल महतो (18) के रूप में की गई। दस चक्का हाइवा ट्रक गोला से रामगढ़ की ओर आ रहा था। जबकि बादल विपरीत दिशा छतर मांडू से गोला जा रहा था। इसी दौरान ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। बादल महतो ने इसी साल मैट्रिक की परीक्षा दी थी और वह अपनी बुआ के घर मेहमानी में जा रहा था। उसके पिता राजू महतो दिहाड़ी मजदूरी करते हैं।

पूर्व कांग्रेस विधायक का दामाद बना तस्कर, 151 किलो गांजा जब्त

लग्जरी कार से 30 लाख के गांजे की तस्करी, गाड़ी में हूटर लगाकर चलता था

सारंगढ़, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कांग्रेस के पूर्व विधायक किस्मतलाल नंद के बड़े दामाद सूर्यकांत नाग को ओडिशा से गांजा तस्करी केस में पकड़ा गया है। आरोपी की गाड़ी से 151 किलो गांजा बरामद किया गया है। मामला डोंगरीपाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक जब्त गांजे की कीमत करीब 30 लाख रुपए आंकी गई है। वारदात में शामिल दोनों आरोपी पकड़े गए हैं। इसमें ड्राइवर क्षमानिधी साहू भी शामिल था। उसी ने सूर्यकांत नाग की कहानी पुलिस को बताई। जब्त कार में अवैध तरीके से एक हूटर भी लगाया गया था। गांजा और कार की कुल कीमत करीब 50 लाख रुपए है। दरअसल, 20 दिसंबर की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने एक सफेद इनोवा को ओडिशा से छत्तीसगढ़ में आते हुए पकड़ा था।

इनोवा सवार ड्राइवर और साथी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए थे। जिस गाड़ी से गांजे की तस्करी की गई है, वह किस्मतलाल नंद के बेटे अंकित नंद की गाड़ी है। शक के आधार पर क्षमानिधि साहू को पकड़ा गया।

क्षमानिधि ने पुलिस को बताया कि वह सूर्यकांत की गाड़ी को बॉर्डर में पायलेटिंग करते हुए लाया था। इसके एवज में उसने 5 हजार रुपए दिए थे। सारंगढ़ एसपी पुष्कर शर्मा ने बताया कि सूर्यकांत पकड़े जाने के डर से लगातार लोकेशन बदल रहा था। गुरुवार को ओडिशा के बलांगीर में उसकी लोकेशन मिली। इस पर पुलिस ने उसे वहीं से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है। 2019 में सरायपाली के कांग्रेस से विधायक बने किस्मतलाल नंद तब चर्चा में आए जब वे वोटों के सबसे बड़े अंतर से जीते। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को 52,288 वोटों से हराया।

ग्रीन वैली के रूप में विकसित होगा तिलैया डैम

सोलर पावर प्लांट जल्द बनकर होगा तैयार, 171 मेगावाट बिजली का होगा प्रॉडक्शन

कोडरमा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कोडरमा का तिलैया डैम वैसे तो अपनी खूबसूरती को लेकर काफी प्रसिद्ध है। अब यहां फ्लोटिंग सोलर प्लांट लग जाने के बाद इसकी प्रसिद्धि और बढ़ जाएगी। टीपीएस द्वारा तिलैया डैम में 155 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पैनल स्थापित किया जाना है। इसकी तैयारी जोरों पर है। केटीपीएस के एचओपी सह मुख्य अभियंता मनोज ठाकुर ने बताया कि केटीपीएस द्वारा कोडरमा में सोलर एनर्जी के रूप में कुल 171 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाना है। इसमें 10 मेगावाट बिजली का उत्पादन केटीपीएस के अंदर किया जा रहा है। जबकि 6 मेगावाट बिजली का उत्पादन केटीपीएस के अंदर स्थित तालाब में फ्लोटिंग सोलर प्लांट के जरिए जनवरी माह

से शुरू हो जाएगा। तिलैया डैम में 155 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट का कार्य जल्द ही प्रारंभ होने वाला है। जिसे डीवीसी व एनटीपीसी के संयुक्त तत्वाधान में ग्रीन वैली कॉरपोरेशन के रूप में विकसित किया जाना है। उन्होंने बताया कि यह झारखण्ड का सबसे बड़ा सोलर प्लांट होगा। केटीपीएस में अभी हाल ही में 800 मेगावाट की दो यूनिट लगाए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस पर तकरीबन 15 हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। विस्तारीकरण का काम पूरा होने के बाद सबसे ज्यादा बिजली उत्पादित करने वाला यह देश का पहला पावर प्लांट होगा।

एचओपी मनोज ठाकुर ने बताया कि फ्लोटिंग सोलर प्लांट बनने की खबर से मछुआरों में संसय है कि कहीं उन्हें मछली पालन में कोई परेशानी न हो जाए। इस पर उन्होंने बताया कि मछुवारों को इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इससे उनके मछली पालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। केटीपीएस के अंदर स्थित तालाब में इस सोलर प्लांट को इंस्टाल कर रही कंपनी के साइट इंचार्ज प्रिंस तिवारी ने बताया कि इस फ्लोटिंग सोलर प्लांट का काम जुलाई 2024 से शुरू किया गया है, जिसे जनवरी 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फ्लोटिंग सोलर प्लांट कई मायनों में फायदेमंद है।

इस्पात फैक्ट्री में लगी आग

धनबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद स्थित गोविंदपुर क्षेत्र के आमाघटा में पार्थ इस्पात प्राइवेट लिमिटेड में सुबह आग लगने के बाद अफरातफरी मच गई। कर्मियों द्वारा घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। दो दमकल वाहन के जरिए करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग पर काबू पाने तक फैक्ट्री में काफी नुकसान हो चुका था। वहीं, मजदूरों का कहना है कि ट्रांसफार्मर में आग लगने की वजह से फैक्ट्री में भी आग फैल गई। आग लगने की घटना के कारण कितना का नुकसान हुआ है, यह अभी कहा नहीं जा सकता है। फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने बताया कि ट्रांसफार्मर में आग लगी थी। इस कारण आग बुझाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

सेना की जमीन खोद डाला माफिया, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

बिना टेंडर सोलर लाइट में खर्च किए 18 करोड़, जल जीवन मिशन में भी घोटाला

बिलासपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 18 करोड़ रुपए के सोलर स्ट्रीट लाइट घोटाला, सेना की जमीन में अवैध खुदाई, नगर निगम में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम की अधूरी योजना जैसे अहम मुद्दों पर हाईकोर्ट ने चिंता जाहिर की है। बता दें कि जल-जीवन मिशन के काम में लापरवाही की गई है। फाइलों पर पानी की सप्लाई हो रही, जबकि गावों में पाइप लाइन तक नहीं बिछी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने विंटर वेकेशन के बावजूद जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है। हाईकोर्ट ने अलग-अलग मामलों में सरकारी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए संबंधित विभाग के अफसरों से शपथ-पत्र के साथ जवाब मांगा है। दरअसल, हाईकोर्ट में 20 दिसंबर से शीतकालीन अवकाश चल रहा है। इस दौरान अर्जेंट केस की सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच में सुनवाई की व्यवस्था है। हालांकि, अवकाश के दौरान रजिस्ट्री विभाग में काम काज चल रहा है, लेकिन जज अवकाश पर हैं। इस बीच मीडिया में प्रकाशित खबरों को देखकर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने जनहित याचिका के रूप में रजिस्टर्ड कर गुरुवार को स्पेशल डिवीजन बेंच गठित की, जिसमें वो खुद और जस्टिस रवींद्र अग्रवाल ने अलग-अलग केस की सुनवाई की। चीफ जस्टिस ने शहर में औद्योगिक क्षेत्रों में कचरा डंप करने और नगर निगम की सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम योजना को लेकर जमकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण विभाग के वकील से यहां तक कहा कि आपके विभाग के अफसरों को इन सबकी चिंता ही नहीं है। ऐसे ही एयरपोर्ट से लगे सेना की जमीन पर अवैध मुरुम खुदाई पर उपमहाधिवक्ता का जवाब सुनकर कोर्ट ने हैरानी जताई और कहा कि ऐसे मामलों में जिम्मेदारों की आंखें बंद रहती हैं। एयरपोर्ट के पीछे तेलसरा गांव में रक्षा मंत्रालय की जमीन है। एयरपोर्ट के डेवलपमेंट के लिए यहां की 287 एकड़ जमीन राज्य सरकार को हस्तांतरित करने पर सहमति बन चुकी है। हाईकोर्ट के आदेश पर जमीन का सीमांकन भी कराया जा चुका है। एयरपोर्ट को जमीन मिलने के बाद यहां रन-वे के विस्तार समेत अन्य काम कराए जाने हैं, लेकिन यहां अवैध तरीके से मुरुम खनन किया जा रहा है। जानकारी मिलने पर रक्षा विभाग के संपदा अधिकारी नेहा गुप्ता और मोहम्मद आलम जबलपुर से बिलासपुर आए थे। उन्होंने कलेक्टर से मुलाकात कर अवैध खुदाई रोकने की मांग की थी। इसके बावजूद रोक नहीं लग सकी। अवैध खनन के साथ-साथ रायपुर रोड से लगी कई कॉलोनियों में मुरुम पाटने की जानकारी सामने आई। यहां से निकाले जा रहे मुरुम का उपयोग आसपास की कॉलोनियों में किया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार के साथ ही रक्षा मंत्रालय और फॉर्चून एलिमेंट के संचालक पवन अग्रवाल को पक्षकार बनाकर नोटिस जारी किया है।

शिक्षकेत्तर कर्मियों की हड़ताल के समर्थन में आया एबीवीपी

जामताड़ा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय (एसकेएमयू) दुमका के तहत आने वाले जामताड़ा सहित सभी महाविद्यालय के हड़ताली कर्मचारियों के समर्थन में अब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भी आ गया है। शिक्षकेत्तर कर्मी अपनी मांगों को लेकर एक महीने से हड़ताल पर हैं। इससे छात्रों की पढ़ाई के साथ अन्य शैक्षणिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। कर्मियों ने कॉलेज में तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की है। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन टस से मस नहीं हो रहा है।

जामताड़ा महाविद्यालय में सातवें वेतनमान व एसीपी-एमएसीपी का लाभ देने की मांग पर शिक्षकेतर कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। हड़ताल के कारण महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारी संघ के सचिव तापस कुमार चौबे ने बताया कि विभाग हमारी मांगों को अनदेखा कर रहा है।

यह हमारी जायज मांगे हैं और इसे लेकर रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति की ओर से आश्वासन दिया गया था कि आप सबों की मांगों पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा, लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद भी हमारी मांगों को नहीं सुना गया।

विद्यार्थी परिषद के किशोर यादव ने कहा है कि कर्मचारियों की मांग जायज है। तीन दिनों के अंदर मांगे नहीं मानी गई तो विद्यार्थी परिषद सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी। मांगों पर विचार होना चाहिए, वेतन का भुगतान कर देना चाहिए। विश्वविद्यालय की सभी कामकाज ठप है, इससे सभी चिंतित हैं।

गैंगस्टर प्रिंस खान के छह गुर्गे गिरफ्तार

धनबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर प्रिंस खान के छह गुर्गे गिरफ्तार किए गए हैं। इनकी गिरफ्तारी से धनबाद में हाल में घटी तीन कांड का खुलासा हुआ है। गठित एसआईटी की टीम ने केंदुआडीह, कतरास और धनबाद के बरटांड में छापेमारी कर छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। सभी अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। इनके पास से तीन पिस्तौल, 16 जिन्दा गोली, एक कार और एक बाइक के अलावे 7 मोबाइल बरामद किया गया। एसएसपी एचपी जनार्दनन ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। गिरफ्तार अपराधियों में गणेश गुप्ता, राजेश कुमार बधावन, अजय कुमार सिंह, सागर कुमार मल्लाह उर्फ बिटटू और करण सिंह शामिल है। आपराधिक घटना को अंजाम देने में गुर्गों को दिए जाने वाली रकम की जानकारी पुलिस ने जुटा ली है। गिरफ्तार अपराधियों में गणेश गुप्ता नामक अपराधी ही मास्टमाइंड है, जोकि कतरास का निवासी है वह मूलतः बिहार का रहने वाला है। एसआईटी की टीम ने केंदुआडीह थानान्तर्गत शिमलाबहाल ब्रिज के पास वाले स्थान से अपराधकर्मी राजेश कुमार बधावन, अजय कुमार सिंह एवं सागर कुमार मल्लाह उर्फ बिटटू को एक कार से गिरफ्तार किया। कतरास थानान्तर्गत निश्चितपुर रेलवे साइडिंग के पास से गणेश गुप्ता और करण सिंह को बाइक से भागने के क्रम में पीछा कर गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही सूचना पर उनके एक अन्य सहयोगी प्रिवेश कुमार सिंह को धनबाद बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधकर्मियों ने पूछताछ के दौरान अपने को प्रिंस खान गिरोह का सदस्य बताते हुए अभी तक हाल के दिनों में बरवाअड्डा थानान्तर्गत कुर्मीडीह में सीमेंट व्यापारी चेतन महतो पर हुई फायरिंग, तेतुलमारी थानान्तर्गत रेलवे साइडिंग में हुई फायरिंग और बलियापुर थानान्तर्गत मार्शलिंग यार्ड में कार्यरत मजदूर को प्रिंस खान के इशारे पर गोली मारने की बात स्वीकार की है।

कारोबारी पर रेप केस युवती ने मांगे एक करोड़

सरगुजा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। सरगुजा जिले में रेप केस खत्म करने के लिए रायपुर के एक कारोबारी से 1 करोड़ रुपए मांगे गए। इसके बाद इसका सौदा 61 लाख रुपए में तय हुआ। ये मांग पीड़ित युवती और उसके साथियों ने ही की। दूसरी किस्त लेते आरोपियों को पकड़ा गया है। आरोपियों के पास से 10 लाख रुपए नकद जब्त किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, एक महीने पहले सरगुजा जिले के कमलेश्वरपुर थाने में युवती ने रायपुर के व्यवसायी विनोद केडिया के खिलाफ रेप की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। युवती ने बताया था कि विनोद केडिया से उसकी पहले पहचान हुई थी। आरोपी उसे मैनपाट के रिसॉर्ट में ले गया था इस दौरान उसके साथ रेप किया। युवती की शिकायत पर पुलिस जांच में जुटी थी। इसी दौरान युवती और उसके साथियों ने कारोबारी से पैसे ऐंठने का प्लान बनाया। 25 दिसंबर को रायपुर के सुभाष अग्रवाल कोतवाली अंबिकापुर पहुंचे। उन्होंने बताया कि, कारोबारी विनोद केडिया मेरे जीजा हैं। उनके खिलाफ दर्ज रेप के मामले में समझौता कराने के लिए मुझसे कुछ लोगों ने संपर्क किया। पक्ष में बयान दिलाने के लिए संतोष विश्वकर्मा नाम के युवक ने संपर्क किया है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अमेरिकी विदेशमंत्री ने श्रद्धांजलि दी

एनवाईटी ने कहा– मृदुभाषी और बुद्धिजीवी का निधन, बीबीसी ने आर्थिक सुधारों का प्रणेता बताया

वाशिंगटन, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने पूर्व पीएम के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भारत-अमेरिका संबंधों का महान समर्थक बताया। ब्लिंकन ने मनमोहन सिंह के कार्यों को पिछले 2 दशक में भारत और अमेरिका की द्विपक्षीय उपलब्धियों की नींव बताया।

ब्लिंकन ने कहा कि पूर्व पीएम के नेतृत्व में हुए अमेरिका-भारत सिविल न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट ने दोनों देशों के संबंधों की संभावनाओं में बड़ा निवेश किया। मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में गुरुवार देर रात दिल्ली के एआईआईएम अस्पताल में निधन हो गया।

ब्लिंकन के अलावा कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने भी मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह असाधारण बुद्धिमत्ता, ईमानदारी और विवेक

के धनी व्यक्ति थे। हार्पर ने कहा, 'उनके निधन से मुझे व्यक्तिगत रूप से गहरा दुख पहुंचा है।' मनमोहन सिंह के निधन पर वर्ल्ड मीडिया में भी कई आर्टिकल पब्लिश हुए हैं। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने उन्हें मृदुभाषी और बुद्धिजीवी बताया है। वहीं वॉशिंगटन पोस्ट ने भी पूर्व पीएम के निधन पर प्रतिक्रिया दी। अखबार ने अपनी पोस्ट में उन्हें बड़े बदलाव करने वाला नेता बताया है। अखबार उनके दोनों कार्यकाल पर टिप्पणी भी की। बीबीसी ने पूर्व पीएम को आर्थिक सुधार का प्रणेता बताया। इसके अलावा अंग्रेजी अखबार द गार्जियन ने अपने आर्टिकल में मनमोहन सिंह को अनिच्छुक प्रधानमंत्री कहा। प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह अपनी पहली विदेश यात्रा पर थाईलैंड गए थे। 29 से 31 जुलाई तक के अपने दिवसीय दौरे पर उन्होंने बीआईएमएसटीईसी समिट में हिस्सा लिया। अपने 10 साल के कार्यकाल में पीएम मनमोहन सिंह ने लगभग 72 विदेश यात्राएं की थी। इनमें सबसे ज्यादा बार उन्होंने अमेरिका का दौरा किया था।

बतौर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अहम समझौते

प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने कई प्रमुख समझौते किए। इनमें अमेरिका के साथ 2008 में किया गया सिविल न्यूक्लियर समझौता बेहद अहम रहा। इस समझौते ने भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा मोड़ने का काम किया। इसके अलावा 2009 में आसियान देशों के साथ किया गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट भी महत्वपूर्ण था। इस समझौते के बाद भारत को आसियान देशों में निर्यात पर टैक्स में छूट मिली। इससे भारत और आसियान देशों के बीच संबंध भी मजबूत हुए।

झारखंड में आज से छाएंगे बादल फिर गिरेगा टेंप्रेचर

सुबह में कोहरा छाने के बाद आसमान रहेगा साफ, बारिश के बाद बढ़ेगी ठंड

रांची, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। 28 और 29 दिसंबर को बादल छाने से न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री बढ़ेगा। वहीं, बादल छटने के बाद न्यूनतम तापमान में गिरवाट दर्ज की जाएगी, जिससे ठंड में वृद्धि होगी। मौसम विभाग के अनुसार, पाकिस्तान के रास्ते एक पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। इसका असर झारखंड के कुछ हिस्सों में हो सकता है। राज्य के पश्चिमी व निकटवर्ती उत्तरी भाग पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार व लोहरदगा जिले में कहीं-कहीं पर हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, 29 दिसंबर को भी राज्य में आंशिक बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होने की संभावना है। राज्य भर में 26, 27, 30 व 31 दिसंबर को सुबह में कोहरा व धुंध छाया रहेगा, हालांकि आसमान पूरी तरह से साफ रहेगा।

शिया मुल्क ईरान के खिलाफ क्यों भड़के मुस्लिम देश

सीरिया में खामेनेई का वो प्लान जिस पर अरब लीग लाल

तेहरान, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कट्टर शिया मुल्क ईरान के खिलाफ मुस्लिम देशों ने विरोध शुरू कर दिया है। अरब लीग क्षेत्रीय ब्लॉग ने गुरुवार को ईरान से कहा है कि वह बशर अल-असद के शासन के हटने के बाद सीरिया में नए संघर्ष के लिए उकसावे को बढ़ावा न दें। ईरान पर आरोप है कि वह सीरिया में असद के समर्थकों को समर्थन देकर नए संघर्ष की भूमिका बना रहा है। इसी 8 दिसम्बर को तेहरान के सहयोगी बशर अल-असद के शासन को सीरिया के इस्लामिक विद्रोहियों ने उखाड़ फेंका था। असद को देश छोड़कर भागना पड़ा था और वह इस समय रूस में शरण लिए हुए हैं। लेबनान में हिजबुल्लाह के बाद सीरिया में असद के पतन ने ईरान को बड़ा झटका दिया है, जिसने क्षेत्र में अपना एक प्रमुख सहयोगी खो दिया है। सीरिया में तख्तापलट ने लेबनान तक जाने वाली ईरान की सप्लाई लाइन काट दी है। इस बीच सीरिया में असद के वफादारों ने देश की नई सरकार के खिलाफ हमले शुरू किए हैं। आरोप है कि इसे ईरान का समर्थन हासिल है। सीरिया के नए शासन ने गुरुवार को असद के गढ़ में एक अभियान शुरू किया है, जहां उनके लड़ाकों और पूर्व सरकार से जुड़े हथियारबंद गुटों के बीच घातक झड़पें हुई हैं। अरब लीग ने कहा है कि वह संघर्ष की चिंगारी को भड़काने के उद्देश्य से कई सीरियाई शहरों और क्षेत्रों में हो रही घटनाओं पर चिंता के साथ नजर रख रहा है। एक बयान में अरब लीग ने सीरिया की 'क्षेत्रीय अखंडता और स्थिरता का सम्मान करने, हथियारों के राज्य के हाथों में सीमित करने, सभी सशस्त्र गुटों को भंग करने और विदेशी हस्तक्षेपों को रोकने की आवश्यकता' पर जोर दिया। बयान के अनुसार, लीग ने कहा कि यह 'सीरियाई लोगों के बीच संघर्ष को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ईरान के बयानों को खारिज करता है।' हालांकि, इसमें यह नहीं बताया गया कि वह कौन से बयान का उल्लेख कर रहा था।

रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने असद को सत्ता से बेदखल करने के बाद सीरिया में एक मजबूत समूह के उभरने की बात कही थी। खामेनेई ने कहा कि 'देश के युवाओं के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है।' इस बयान को ईरान की तरफ से सीरिया में असद समूहों को फिर से हथियार उठाने की अपील के तौर पर देखा गया है। हालांकि, तेहरान के विदेश मंत्रालय ने इन रिपोर्टों को निराधार बताते हुए निशाना साधा है।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड मक्की की पाकिस्तान में मौत

लाल किले पर हमले में भी शामिल था, 2023 में ग्लोबल आतंकी घोषित हुआ

लाहौर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड आतंकी अब्दुल रहमान मक्की की आज दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई है। मक्की पिछले कुछ दिनों से बीमार था। हाई शुगर की वजह से लाहौर के एक प्राइवेट अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था।

अब्दुल मक्की आतंकी हाफिज सईद का रिश्तेदार और आतंकी संगठन जमात-उद-दावा का डिप्टी चीफ भी था। उसे 2020 में आतंकी फंडिग के लिए एक अदालत ने 6 महीने की सजा भी सुनाई थी। सजा के बाद उसने खुद को लो प्रोफाइल कर लिया था। 2023 में संयुक्त राष्ट्र ने उसे ग्लोबल आतंकी घोषित किया था।

कौन है अब्दुल रहमान मक्की?

अब्दुल रहमान मक्की को हाफिज अब्दुल रहमान मक्की के नाम से भी जाता है। उसका जन्म 1954 में पाकिस्तान के पंजाब

प्रांत के बहावलपुर में हुआ था। मक्की लंबे समय से हाफिज सईद का करीबी रहा है।

उसने लश्कर और जमात-उद-दावा में कई अहम पदों को संभाला है। मक्की पॉलिटिकल चीफ और लश्कर के लिए फंड जुटाने जैसे काम भी संभालता था। वो लश्कर की गवर्निंग बॉडी शूरा का मेंबर भी था।

मक्की को 2000 में लाल किले और 2008 में मुंबई के ताज होटल पर आतंकी हमले के लिए भारतीय एजेंसियों ने उसे आरोपी माना था। अमेरिकी वित्त विभाग ने 2010 में उसे स्पेशल डेजिग्नेटेड आतंकियों की लिस्ट में शामिल किया था।

मक्की को अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद 2019 में पाकिस्तानी पुलिस ने टेरर फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। अप्रैल 2021 में उसे 9 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि सबूतों की कमी का हवाला देकर लाहौर हाईकोर्ट ने कुछ महीने बाद उसे रिहा कर दिया था।

अमेरिका ने रिवॉर्ड फॉर जस्टिस प्रोग्राम के तहत मक्की पर 2 मिलियन डॉलर का इनाम रखा था और उसे सजा दिलाने के लिए लोगों से उसकी जानकारी मांगी थी। जून 2022 में भारत और अमेरिका ने मिलकर यूएन के नियम 1267 के तहत उसे ग्लोबल आतंकी घोषित करने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन चीन ने इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि बाद में जनवरी 2023 में चीन ने अपनी रोक हटा ली थी। इसके बाद मक्की को ग्लोबल आतंकी सूची में डाल दिया गया था।

इजराइली बमबारी में डब्ल्यूएचओ चीफ ट्रेडोस बचे

यमन के एयरपोर्ट पर एयरस्ट्राइक में टेड्रोस के प्लेन का एक क्रू घायल, एयरपोर्ट पर 2 की मौत

तेल अवीव, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। यमन की राजधानी सना में एयरपोर्ट पर गुरुवार को हुए इजराइली हमले में डब्ल्यूएचओ चीफ ट्रेड्रोस एडेहोनम बाल-बाल बचे। टेड्रोस थोड़ी देर बाद एयरपोर्ट से रवाना होने वाले थे, तभी इजराइल की तरफ से ये हमला हुआ। हमले में विमान का एक क्रू घायल हुआ है। इसके अलावा अन्य दो लोगों की मौत हो गई है।

ट्रेड्रोस ने X पर पोस्ट कर इस हमले की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि जब हम प्लेन में सवार होने वाले थे, उसके 2 घंटे पहले एयरपोर्ट पर बमबारी हुई। हमले में रनवे को नुकसान पहुंचा है। ट्रेडोस और उनके साथियों को रनवे की मरम्मत होने तक इंतजार करना होगा। उन्होंने हमले में मारे लोगों के प्रति दुख भी जताया। ट्रेडोस और उनकी टीम संयुक्त राष्ट्र की टीम के स्टाफ की रिहाई को लेकर बातचीत करने यमन पहुंची थी। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए गुरुवार एयरस्ट्राइक की थी। आईडीएफ ने दावा किया कि उसने इस एयरस्ट्राइक में हूतियों के सैन्य ठिकानों को टारगेट किया है।

इसमें सना इंटरनेशल एयरपोर्ट, हेजयाज और रस कानेतीब के पावर स्टेशन और अल हुदैदा, सलीफ और रस कानेतीब बंदरगाह शामिल हैं। एयरस्ट्राइक के लिए 25 विमानों का इस्तेमाल किया था। इनमें फाइटर जेट के अलावा, रिफ्यूलिंग प्लेन और जासूसी विमान भी शामिल थे। इन हमलों में 6 लोगों की मौत हुई है। दूसरी तरफ हूती विद्रोही भी लगातार इजराइल को निशाना बना रहे हैं। 16 दिसंबर से अब तक हूतियों ने इजराइल पर 5 बैलिस्टिक मिसाइलें और 5 ड्रोन हमले किए हैं।

आईडीएफ के मुताबिक पिछले एक साल हूतियों ने इजराइल पर 200 से ज्यादा मिसाइलें और 170 ड्रोन दागे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने सना एयरपोर्ट पर इजराइली हमले की निंदा की है। उन्होंने इजराइल से अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने के लिए कहा।

गुटेरस ने कहा कि आम नागरिकों और मददगारों को निशाना न बनाया जाए। गुटेरस ने सना एयरपोर्ट, लाल सागर में मौजूद पोर्ट और बिजली घरों पर इजराइली हो रहे इजराइली हमलों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने इजराइल और हूती विद्रोहियों से सैन्य कार्रवाई बंद करने और संयम बरतने के लिए कहा।

छत्तीसगढ़ में ईवीएम से नहीं होगा निकाय चुनाव

रायपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में निकाय चुनाव बैलेट पेपर से होंगे। डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि ईवीएम का इस्तेमाल निकाय चुनावों में नहीं होगा। बैलेट पेपर का ही प्रयोग करने का फैसला सरकार ने लिया है। उम्मीदवार अधिक होने की वजह से ऐसा किया जा रहा है। वहीं आरक्षण प्रक्रिया में हो रही देरी पर कांग्रेस नेता सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा चुनाव में जाने से डर रही है। सरकार में जनता के सामने जाने का साहस नहीं है। लगातार बहाने कर रही है। पहले अध्यादेश और अब पंचायत अध्यक्षों और महापौर के आरक्षण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। दरअसल, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को रायपुर में मीडिया से कहा कि प्रदेश में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव एक साथ होंगे। इसकी तैयारी राज्य निर्वाचन आयोग ने कर ली है। पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव को लेकर सरकार ने बहुत पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। अरुण साव ने कहा कि, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पालन में आरक्षण पद्धति बदली गई। पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया गया, उसकी रिपोर्ट के आधार पर ही आरक्षण हो रहा है। इसी प्रकार निकायों में महापौर और अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से करने का निर्णय लिया गया है। साव ने आगे कहा कि इस बीच कई नए निकाय बने हैं। नगर पंचायतों को नगर पालिका बनाया गया हैं। इन सब की तैयारी में काफी समय लगा। नगरीय निकायों में 7 जनवरी तक अध्यक्ष और महापौर पद के लिए आरक्षण निर्धारित की जाएगी। सरकार जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जैसे ही आरक्षण की प्रकिया समाप्त होगी, उसकी सूचना चुनाव आयोग को भेजी जाएगी और उसके बाद वे चुनाव के कार्यक्रम घोषित करेंगे।

छत्तीसगढ़ में 5 कॉलेज स्टूडेंट्स की मौत

तेज रफ्तार वाहन ने 2 बाइक को चपेट में लिया, 3 युवक, 2 युवतियों ने तोड़ा दम

कांकेर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कांकेर जिले में सड़क हादसे में पांच कॉलेज स्टूडेंट्स की मौत हो गई है। इनमें दो युवतियां भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को तेज रफ्तार वाहन ने 2 बाइकों को टक्कर मार दी। हादसा जिले के भानुप्रतापपुर थाना इलाके का है।

हादसे में बाइक में सवार पांचों छात्र-छात्राओं ने मौके पर दम तोड़ दिया। वहीं वाहन चालक को भी हल्की चोट आई है। पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। वाहन चालक बीजापुर का रहने वाला बताया जा रहा है।

कार से बकरियों की चोरी, वीडियो आया सामने

ओडिशा नंबर की कार से आया था युवक, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

चाईबासा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। चक्रधरपुर में दिनदहाड़े कार सवार द्वारा दो बकरियों की चोरी का सीसीटीवी वीडियो शुक्रवार को सामने आया। ओडिशा नंबर की कार से आए युवक ने दो बकरियों को पास बुलाया। इसके बाद उन्हें खींच कर गाड़ी में डाल लिया।

इधर, मानवाधिकार कार्यकर्ता बैरम खान ने जिला पुलिस और ओडिशा पुलिस से इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है।

चोरी की यह वारदात गुरुवार को चक्रधरपुर शहर के रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में हुई। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दो सफेद रंग की कार सड़क पर रुकती है। इनमें से एक कार सवार युवक सड़क किनारे चर रही एक बकरी को दाना डालकर अपने पास बुलाता है। बकरी जैसे ही उसके नजदीक आती है, युवक उसे खींच कर गाड़ी में डाल लेता है।

गुड बाय, मेरे भाई, आप मेरे बच्चों की मदद किये

मलयेशियाई पीएम मनमोहन सिंह को याद कर हुए भावुक

कुआलालम्पुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने शुक्रवार को मनमोहन सिंह को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। सोशल मीडिया एक पोस्ट में उन्होंने पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री को याद किया और बताया कि कैसे भारतीय नेता ने उनके जेल में रहने के दौरान उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति की पेशकश की थी। हालांकि अनवर इब्राहिम ने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था, लेकिन वे स्पष्ट रूप से इस भाव से प्रभावित थे। मलयेशियाई नेता 1999 से 2004 तक जेल में रहे, जब उनकी सजा पलट दी गई। इस दौरान डॉ. मनमोहन सिंह राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे। एक्स पर, उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को 'भारत के विश्व की आर्थिक महाशक्तियों में से एक के रूप में उभरने की दाई' के रूप में वर्णित किया। उन्होंने लिखा, 'राजनेता के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह थोड़े

अजीब हैं, लेकिन एक राष्ट्र-कर्मी के तौर पर वे निर्विवाद रूप से ईमानदार, दृढ़ थे। वे अपने पीछे ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।' 'मेरे लिए, वे वह सब कुछ होंगे और उससे भी कहीं ज्यादा। बहुत से लोग यह नहीं जानते, और अब समय आ गया है कि मैं इसे मलयेशियाई लोगों के साथ साझा करूं: मेरे कारावास के वर्षों के दौरान, उन्होंने ऐसी दयालुता दिखाई, जिसकी उन्हें जरूरत नहीं थी, उन्होंने मेरे बच्चों, खास तौर पर मेरे बेटे इहसान के लिए छात्रवृत्ति की पेशकश की। मलयेशियाई प्रधानमंत्री ने लिखा, 'हालांकि मैंने इस शानदार पेशकश को अस्वीकार कर दिया था, लेकिन इस तरह के इशारे ने निस्संदेह उनकी असाधारण मानवता और उदारता को दर्शाया, जैसा कि बार्ड ने कहा होगा, एक ऐसे व्यक्ति का प्रदर्शन जो 'मानवीय दयालुता' से भरा हुआ है। उन्होंने लिखा, उन काले दिनों में, जब मैं कारावास की भूलभुलैया से गुजर रहा था, वे एक सच्चे मित्र की तरह मेरे साथ खड़े रहे। शांत उदारता के ऐसे कार्य उन्हें परिभाषित करते हैं, और वे हमेशा मेरे दिल में अंकित रहेंगे। अलविदा, मेरे मित्र, मेरे भाई, मनमोहन। मलयेशियाई प्रधानमंत्री ने उनके निधन पर अपने भारी दुख का वर्णन करते हुए शुरुआत की। 'मेरे सम्मानित और प्रिय मित्रः डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर सुनकर मुझ पर दुख का बोझ बढ़ गया है।'

उन्होंने कहा, 'इस महान व्यक्ति के बारे में निश्चित रूप से बहुत सारी श्रद्धांजलि, निबंध और किताबें होंगी, जो उन्हें भारत के आर्थिक सुधारों के निर्माता के रूप में याद करेंगी। प्रधानमंत्री के रूप में, डॉ. मनमोहन सिंह भारत के दुनिया के आर्थिक दिग्गजों में से एक के रूप में उभरने में सहायक थे।'

तिब्बत की संस्कृति और धर्म पर चीन का 'दमन'

अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट में अत्याचारों का खुलासा

वाशिंगटन, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट (सीईसीसी) में तिब्बत में चीन की सरकार की तरफ से किए जा रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन का खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि तिब्बत की धार्मिक, सांस्कृतिक और जातीय स्वतंत्रता पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसमें विशेष रूप से तिब्बती बौद्ध धर्म, राजनीतिक दमन और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका का जिक्र किया गया है, जो चीन की इस दमनकारी नीति को बढ़ावा दे रही हैं। अमेरिकी कांग्रेस रिपोर्ट में बताया गया कि तिब्बत और अन्य तिब्बती इलाकों में धार्मिक गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। तिब्बती बौद्ध धर्म के अनुयायियों को धार्मिक आयोजन करने और मठों में जाने से रोका जा रहा है। बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान इन प्रतिबंधों को और बढ़ा दिया जाता है।

चीन ने तिब्बती धर्म को खत्म करने और इसे अपने 'सिनीसाइजेशन' (चीनीकरण) नीति के तहत बदलने की कोशिश की है। इसके तहत पारंपरिक तिब्बती संस्कृति और धर्म को सरकारी नियंत्रण वाले रूप में ढालने की कोशिश की जा रही है। इसमें मठों के भिक्षुओं को जबरन हटाया जा रहा है, जैसे ड्रगकर (शिन्हाई) काउंटी के अत्शोग मठ के भिक्षुओं को हटा दिया गया क्योंकि वहां पनबिजली प्रोजेक्ट बनाने की योजना है। इसके अलावा, चीन ने तिब्बती बच्चों के लिए बोर्डिंग स्कूल बनाए हैं, जहां उनकी संस्कृति और भाषा को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के राजनीतिक दमन में तिब्बती लोग अनुपातहीन (अनुपात से अधिक) रूप से निशाना बनाए जा रहे हैं। सीईसीसी के आंकड़ों के अनुसार, 2,764 राजनीतिक कैदियों में से 1,686 ऐसे लोग हैं, जो अपनी धार्मिक या सांस्कृतिक पहचान के कारण जेल में हैं। इनमें से 678 कैदी तिब्बती बौद्ध धर्म से जुड़े हुए हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 1,693 राजनीतिक कैदियों में से 790 तिब्बती हैं, जो यह दर्शाता है कि चीन तिब्बती लोगों की जातीय और सांस्कृतिक पहचान को दबाने का प्रयास कर रहा है। रिपोर्ट में अमेरिकी और विदेशी कंपनियों की भी आलोचना की गई है, जिनकी तकनीकें चीन द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन में उपयोग की जा रही हैं। थर्मो फिशर साइंटिफिक नाम की कंपनी के डीएनए सीक्वेंसर्स का इस्तेमाल चीन ने तिब्बत और शिनजियांग में तिब्बती और उइगर लोगों के डीएनए डेटाबेस बनाने के लिए किया। इस तकनीक के जरिए ऑर्गन हार्वेस्टिंग (अंग निकालने) जैसी आपत्तिजनक गतिविधियों में भी इस्तेमाल की आशंका जताई गई है।

घूस लेते रिकॉर्ड रूम के प्रधान सहायक समेत दो गिरफ्तार

एसीबी ने 6500 रुपए रिश्वत लेते दबोचा, जमीन के दस्तावेज निकालने के लिए मांगी थी घूस

धनबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने धनबाद पुराने डीसी ऑफिस में संचालित जिला अभिलेखागार यानि रिकॉर्ड रूम में प्रधान सहायक (बड़ा बाबू) और उसके एक सहकर्मी को गिरफ्तार कर लिया। इन्हें 6500 रुपए रिश्वत लेते दबोचा गया। दोनों ने जमीन के दस्तावेज निकालने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। एसीबी प्रधान सहायक (बड़ा बाबू) संजय कुमार और उसके सहकर्मी सोमनाथ चटर्जी को एसीबी ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। दोनों की गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम ने भिस्तीपाड़ा स्थित देवालय अपार्टमेंट में संजय कुमार के फ्लैट में भी छापामारी की। हालांकि टीम को उनके घर से कुछ हाथ नहीं लगा है। एसीबी के डीएसपी जीतेन्द्र कुमार ने बताया

कि शिकायतकर्ता धैया निवासी मनोहर महतो ने एसीबी से इनकी शिकायत की थी। उसने अपनी शिकायत में बताया था कि टुंडी क्षेत्र में उनकी एक जमीन है। जमीन के दस्तावेज निकालने के लिए पिछले कई दिनों से कार्यालय का चक्कर लगा रहे थे। साढ़े छह हजार रुपए रिश्वत की मांग इनके द्वारा की जा रही थी। रिश्वत नहीं देने पर ये दोनों उन्हें परेशान कर रहे थे। हर दिन कार्यालय का चक्कर लगाकर वो थक चुके थे।

डीएसपी ने बताया कि शिकायत का सत्यापन कर टीम ने कार्यालय में दबिश दी। जाल बिछाकर रिश्वत लेते दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इसी साल धनबाद रिकॉर्ड रूम से ही एक लिपिक शुवेंन्दु को भी रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया था।

फिनलैंड ने कब्जे में लिया रूसी जहाज

समुद्र के नीचे बिजली की आपूर्ति करने वाली केबल को काटने का आरोप

हेलसिंकी, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। फिनलैंड के अधिकारियों ने गुरुवार को एक तेल टैंकर को कब्जे में लिया। आरोप है कि इस तेल टैंकर ने समुद्र के नीचे की महत्वपूर्ण केबलों को नुकसान पहुंचाया है। यह रूस का हो सकता है। यह तेल टैंकर उस शैडो बेडे. का हिस्सा हो सकता है, जिसे पश्चिम देशों के प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

सेंट पीटर्सबर्ग से पोर्ट सईद जा रहा था जहाज

फिनलैंड की पुलिस ने एक बयान में पुष्टि की कि उन्होंने ईगल एस नामक टैंकर को अपने जलक्षेत्र में पकड़ लिया। यह जहाज रूस के सेंट पीटर्सबर्ग से मिस्र के पोर्ट सईद जा रहा था। बयान में बताया गया है कि कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह जहाज बुधवार को हुई उस घटना में शामिल था, जिसमें फिनलैंड और एस्तोनिया के बीच समुद्री के नीचे बिजली की आपूर्ति करने वाली 'एस्टलिंक-2' केबल को काट दिया गया था।

बिजली की आपूर्ति पर नहीं पड़ा असर

इस घटना के बाद फिनलैंड की प्रधानमंत्री ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि एस्टलिंक 2 विद्युत संचार संपर्क आज दोपहर टूट गया है। अधिकारी क्रिसमस के दौरान सतर्क हैं और मामले की जांच कर रहे हैं। हालांकि, यह संपर्क बंद होने से फिनलैंड में बिजली की आपूर्ति पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

विद्युत केबल की मरम्मत और जांच

एस्टलिंक-2 के जरिए फिनलैंड और एस्तोनिया के बीच होने वाला विद्युत संचार संपर्क बुधवार को टूट गया था। इसकी मरम्मत और जांच फिनलैंड और एस्तोनिया के ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर 'एलरिंग' और अन्य अधिकारियों ने मिलकर की। गुरुवार को फिनलैंड की ट्रांसमिशन ग्रिड कंपनी फिनग्रिड ने एक बयान में पुष्टि की कि समस्या समुद्र के नीचे केबल में थी।

650 मेगावाट है एस्टलिंक-2 की कुल क्षमता

फिनलैंड एस्तोनियां, स्वीडन और नॉर्वे जैसे देशों के साथ बिजली के कनेक्शन हैं, जिससे वह इन देशों से बिजली का आदान-प्रदान करता है। इनमें एक कनेक्शन एस्टलिंक-2 फिनलैंड और एस्तोनिया के बीच स्थित है।

इस कनेक्शन की कुल क्षमता 650 मेगावाट है। इनकी कुल लंबाई 170 किलोमीटर है, जिसमें से 145 किलोमीटर समुद्री के नीचे की केबल है, जिसमें 14 किलोमीटर फिनलैंड की ओर ओवरहेड लाइन है और 12 किलोमीटर एस्तोनिया में अंडरग्राउंड (भूमिगत) केबल है।

कानून मंत्री ने मीराबाई पर दिया था विवादित बयान

अब मांगी माफी : बोले-उनका अपमान करना सपने में भी नहीं सोच सकता, उनके भजन गाता हूं

सीकर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने 'मीरा को उसका पति नहीं, देवर तंग करता था' बयान पर माफी मांगी है। उन्होंने कहा- 'मैं सपने में भी मां मीरा के अपमान के बारे में नहीं सोच सकता हूं। मेरे शब्दों से लोगों को किसी प्रकार की ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं।'

दरअसल, बीकानेर से सांसद मेघवाल ने 23 दिसंबर को सीकर में यह बयान दिया था। इसके बाद से उनका लगातार विरोध हो रहा था। राजपूत समाज ने बयान पर आपत्ति जताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी थी। अब मेघवाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर माफी मांगी है।

इस बयान पर विवाद
मीरा बाई को उसका देवर राणा तंग करता था। इतिहास में पढ़ते हैं कि उसके पति ने तंग किया था। इसमें संशोधन करने का काम हमारा है।

अब माफी मांगी
मैं सपने में भी मां मीरा का अपमान नहीं कर सकता। मेरे शब्दों से किसी को ठेस पहुंची है तो खेद प्रकट करते हुए माफी मांगता हूं।

मीरा बाई पर क्या बोले थे मेघवाल

सीकर के पिपराली स्थित श्रीश्याम गौशाला की स्थापना दिवस समारोह में कानून मंत्री ने कहा था- मीरा मेड़ता में जन्मी और शादी चित्तौड़गढ़ की थी। हम इतिहास में पढ़ते हैं कि मीरा के पति ने उन्हें तंग किया, लेकिन ऐसा नहीं है। मीरा के पति एक साल जिंदा रहे और खानवा के युद्ध में उनकी मृत्यु हो गई थी। मीरा के पति की मृत्यु होने के बाद उनका देवर राणा बना था। तब राणा ने मीरा से कहा था कि उससे शादी करें। मीरा को उसका पति नहीं, देवर (राणा) तंग करता था। इतिहास में कुछ चीजें अलग लिखी गईं और इसका संशोधन भी होता रहता है। इसका संशोधन करने का काम भी हमारा ही है।

मंत्री ने वीडियो जारी कर मांगी माफी

शाम को वीडियो में मेघवाल ने कहा-भारतीय भक्ति परंपरा में मां मीरा का स्थान भक्त शिरोमणि का है। मां मीरा ने कृष्ण भक्ति के माध्यम से देश में भक्ति भाव का संचार किया है। मेरा जीवन बचपन से ही मां मीरा के आदर्शों से प्रेरित रहा है। मैं अपने कार्यक्रमों में लगातार उनके भजनों को गाता हूं और उनके व्यक्तित्व से मुझे बहुत प्रेरणा भी मिली।

राजपूत समाज ने जताया था आक्रोश

अर्जुन राम मेघवाल के मीरा बाई पर दिए गए बयान के बाद राजपूत समाज में आक्रोश फैल गया था। युवा शक्ति संयोजन के मुख्य ध्वजवाहक शक्ति सिंह बांदीकुई ने वीडियो जारी कर कहा था- इतिहास पर हमले दर हमले हो रहे हैं। अब तो सरकार के कानून मंत्री तक हमारे आदर्शों और परंपराओं पर भद्दे बयान देने से नहीं चूक रहे। मंत्री ने मीरा बाई के जीवन और हमारे गौरवशाली इतिहास के बारे में किए गए मनगढ़ंत दावों ने न केवल क्षत्रिय समाज बल्कि समस्त सनातनी समाज की भावनाओं को आहत किया है।

जयपुर में पुलिया से टकराई कोचिंग-इंस्टीट्यूट की बस

टीचर की मौत, ड्राइवर सहित 10 स्टूडेंट्स घायल, एक की हालत गंभीर; ब्रेक फेल होने से हादसा

चौमूं, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में ब्रेक फेल होने से कोचिंग इंस्टीट्यूट की बस निर्माणाधीन पुलिया से टकरा गई। हादसे में टीचर की मौत हो गई। ड्राइवर समेत 10 स्टूडेंट घायल हो गए। एक स्टूडेंट की हालत गंभीर है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में 30 बच्चे सवार थे। हादसा चौमूं में नेशनल हाईवे-52 पर भोजलावा कट पर शुक्रवार सुबह 9:30 बजे हुआ।

एसडीएम दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया- कोचिंग इंस्टीट्यूट की बस इटावा से चौमूं आ रही थी। इसी दौरान NH-52 पर भोजलावा कट के पास बस का ब्रेक फेल हो गया। बस अनियंत्रित होकर निर्माणाधीन पुलिया से टकरा गई।

हादसे में टीचर आंनदीलाल शर्मा (39) पुत्र रामेश्वर प्रसाद शर्मा निवासी बावडी की ढाणी, तिगरिया की मौत हो गई।

पेपर लीक के सरगनाओं की प्रॉपर्टी होगी कुर्क

संपत्तियों पर चिपकाया जाएगा नोटिस, 6 फरवरी को कोर्ट में पेश होने के आदेश

जयपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ अध्यापक, द्वितीय श्रेणी भर्ती-2022 पेपर लीक मामले के 5 आरोपियों की संपत्ति कुर्क की जाएगी। इसके लिए कोर्ट ने इनकी संपत्ति की कुर्की के नोटिस जारी किए है। कोर्ट ने इन सभी आरोपियों को 6 फरवरी को कोर्ट में पेश होने के भी आदेश दिए है। इस मामले में कोर्ट ने इन आरोपियों के कोर्ट में पेश नहीं होने पर भगोड़ा घोषित कर रखा है।

जयपुर मेट्रो-प्रथम की ईडी व सीबीआई मामलों की विशेष कोर्ट ने वरिष्ठ अध्यापक, द्वितीय श्रेणी भर्ती-2022 पेपर लीक मामले के आरोपी सुरेश कुमार ढाका, जोगेन्द्र सारण, सुरेश विश्नोई, प्रदीप खींचड़ व नेताराम कलबी के खिलाफ संपत्ति कुर्की के नोटिस जारी किए हैं। इन नोटिसों को इनकी संपत्तियों पर चस्पा किया जाएगा, ताकि कोर्ट में उनकी पेशी हो सके।

2 साल पहले डमी कैंडिडेट्स से भरी बस पकड़ी थी

एडीजी (एटीएस व एसओजी) वी.के. सिंह ने बताया कि आरपीएससी ने वरिष्ठ अध्यापक, द्वितीय श्रेणी भर्ती-2022 के सामान्य ज्ञान व मनोविज्ञान विषय की परीक्षा 24 दिसंबर 2022 को प्रथम पारी सुबह 9 से 11 बजे तक आयोजित की थी। इस दौरान गोपनीय सूचना पर परीक्षा शुरू होने से पहले ही स्थानीय पुलिस उदयपुर ने पुलिस थाना बेकरिया के सामने रोड पर पिंडवाड़ा से उदयपुर आने वाली एक बस में अभ्यर्थियों व डमी परीक्षार्थियों सहित अन्य आरोपियों से सामान्य ज्ञान व शैक्षिक मनोविज्ञान विषय के प्रश्न-पत्र के सॉल्व प्रश्न पेपर बरामद किए।

बेकरिया में 66, सुखेर में 18 आरोपी गिरफ्तार

इस बस से 37 अभ्यर्थियों सहित कुल 45 लोगों को पकड़ा गया। पेपर लीक होने के चलते इस परीक्षा को स्थगित कर दिया गया। बाद में यह परीक्षा 29 जनवरी 2023 को आयोजित की गई। बेकरिया पुलिस थाने में दर्ज इस मामले में अभी तक 66 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। इसके बाद सुखेर में भी लीक पेपर मामले के 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एसओजी कर रही है मामले की जांच

सुरेश कुमार ढाका इन दोनों मामलों में फरार चल रहा है, जबकि जोगेन्द्र सारण, सुरेश विश्नोई, प्रदीप खींचड़ व नेताराम कलबी बेकरिया मामले में फरार चल रहे हैं। इन दोनों मामलों का अनुसंधान एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार शर्मा कर रहे हैं।

ट्रक और कंटेनर की टक्कर में 2 लोगों की मौत

बीकानेर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीडूंगरगढ़ से जयपुर की तरफ बिग्गा गांव के पास शुक्रवार सुबह यह हादसा हुआ। यहां ट्रक और कंटेनर दोनों आमने-सामने भिड़ गए। जिससे कंटेनर के केबिन में बैठे 2 लोगों की मौत हो गई है। सूचना के बाद आपणो गांव सेवा संस्थान के सदस्य मौके पर पहुंचे। पुलिस भी मौके पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर शवों को बाहर निकाला। शव इतनी बुरी तरह से फंस गए हैं कि कटर मंगवाकर, क्षतिग्रस्त गाड़ियों की बॉडी काटकर बाहर निकाला गया।

सीए फाइनल 2024 का रिजल्ट जारी

हेरंब माहेश्वरी और ऋषभ ओसवाल ने किया टॉप, 11,253 स्टूडेंट्स हुए पास; ऐसे चेक करें रिजल्ट

हेरंब माहेश्वरी

जयपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। देशभर के युवाओं का लंबा इंतजार खत्म हो गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) नवंबर परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इस परीक्षा में कुल 11,253 स्टूडेंट्स पास हुए हैं। देर रात इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने रिजल्ट के साथ-साथ टॉपर्स की लिस्ट भी जारी की है। ऐसे में स्टूडेंट्स इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ऑफिशियल वेबसाइट icai.nic.in पर जाकर अपना रिजल्ट और मेरिट लिस्ट चेक कर सकते हैं।

आईसीएआई सीए नवंबर फाइनल परीक्षा 2024 में हैदराबाद के हेरंब माहेश्वरी और तिरुपति के ऋषभ ओसवाल ने टॉप किया है। दोनों ने 84.67 फीसदी अंक पाकर फर्स्ट रैंक हासिल की है। वहीं, दूसरे स्थान पर अहमदाबाद की रिया कुंजन कुमार शाह रही हैं। उन्होंने 83.50 फीसदी अंक हासिल हुए हैं। तीसरा स्थान कोलकाता की किंजल अजमेरा को मिला है। उन्होंने 82.17 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। बता दें कि सीए नवंबर फाइनल परीक्षा 2024 ग्रुप 1 की परीक्षा में कुल 66 हजार 987 स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। इसमें से 11 हजार 253 स्टूडेंट्स ही परीक्षा पास करने में सफल रहे। जिनका पासिंग पर्सेंटेज 16.8 फीसदी है। सीए फाइनल का रिजल्ट देखने के लिए स्टूडेंट्स को अपने रजिस्ट्रेशन नंबर और रोल नंबर का उपयोग करना होगा।

अग्निवीर भर्ती में डमी कैंडिडेट का रैकेट चलाने वाला दबोचा

12वीं बोर्ड परीक्षा तक में पास करवाने का लेता था ठेका

जोधपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अग्निवीर भर्ती परीक्षा डमी कैंडिडेट बैठाने का रैकेट चलानेवाले एक शख़्स को जोधपुर पुलिस ने पकड़ा है. आरोपी 12वीं पास करवाने समेत सभी तरह की परीक्षाओं में पास करवाने का ठेका भी लेता था. खुद भी डमी कैंडिडेट बैठाकर पास हुआ है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि 12वीं बोर्ड परीक्षा पास करवाने के लिए 25 हजार रुपए लेता था. यहीं नहीं, परीक्षा के डमी कैंडिडेट भी उपलब्ध करवाता था. आरोपी जोधपुर जिले के रातानाडा थाना क्षेत्र का रहनेवाला का है. पुलिस को अग्निवीर भर्ती के समय आरोपी का पता चल गया था, मगर पिछले 9 महीने से लगातार फरार चल रहा था. जोधपुर पुलिस ने आरोपी पर 5 हजार का इनाम भी घोषित कर रखा था।

दो हफ्ते बाद भी अनसुलझी है ब्यूटीशियन के कत्ल की मिस्ट्री

जोधपुर ग्रामीण एएसपी भोपालसिंह लखावत के मुताबिक, अग्निवीर भर्ती में 21 सितंबर को गिरफ्तार किए गए डमी कैंडिडेट मुकेश चौधरी ने पुलिस को पूछताछ के बताया है कि वो 12वीं पास करवाने के एवज में 25 हजार रुपए लेता था. अग्निवीर भर्ती में उसने एक डमी परीक्षार्थी भेजा था. डमी अग्निवीर की गिरफ़्तारी की भनक मिलते ही यह भाग गया था, जिसकी पुलिस 9 महीने से तलाश कर रही थी।

दोस्त की जगह करवाने गया था मेडिकल

पुलिस के मुताबिक, 20 दिसंबर शुक्रवार सुबह 8 बजे के करीब अभ्यर्थी कुलदीप ने अपना बायोमैट्रिक करवाया था. दोपहर 12:30 बजे के करीब कुलदीप आई टेस्ट के लिए ओपीडी में गया. लेकिन टेस्ट शुरू होने से पहले वह वॉशरूम का बहाना बनाकर बाहर आ गया और मुकेश चौधरी को मेडिकल के लिए भेज दिया।

फिर हुआ फर्जीवाड़े का खुलासा

कुलदीप की जगह मुकेश मेडिकल टेस्ट के लिए तो चला गया. लेकिन, टेस्ट से पहले लेफ्टिनेंट कर्नल छनी प्रीतसिंह ने उसके हाथ पर लगी मुहर देखी. जो असली मुहर की बजाय पेन से बनी मुहर थी. ऐसे में दोबारा बायो मैट्रिक और रेटिना लिए गए, तो अलग थे. इसके बाद अधिकारियों ने मुकेश से सख्ती से पूछताछ की तो फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। एएसपी भोपालसिंह लखावत के मुताबिक, रातानाडा थाने में सेना की रिक्रूटमेंट सेल की ओर से 21 दिसंबर को मामला दर्ज करवाया गया था.

स्टंटबाज ने पुलिसकर्मी को मारी टक्कर

एक टायर पर चला रहा था बाइक, पकड़ने आए पुलिसवाले को सड़क पर गिराया

जयपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक स्टंटबाज ने पुलिसकर्मी को बाइक से टक्कर मारकर सड़क पर गिरा दिया। एक टायर पर बाइक चलाकर स्टंट करते देख पुलिसकर्मी उसको पकड़ने आया था। पुलिसकर्मी को टक्कर मारकर भागने का वीडियो वायरल हो गया। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी स्टंटबाज को अरेस्ट कर बाइक जब्त कर ली है।

एसएचओ (जवाहर सर्किल) विनोद सांखला ने बताया- स्टंट करने वाले आरोपी रामलखन मीना (25) पुत्र रामवतार मीना निवासी दौसा को अरेस्ट किया गया है। गुरुवार दोपहर को आरोपी रामलखन बाइक से स्टंट कर वीडियो शूट करवा रहा था। जेएलएन मार्ग स्थित एक मॉल के बाहर एक टायर पर बाइक चलाकर स्टंट कर रहा था।

जिसे देखकर पास ही मौजूद पुलिसकर्मी उसे पकड़ने आया। बचने के चलते रामलखन ने बाइक से कट मारकर पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी। पुलिसकर्मी को रोड पर गिरा देखकर बाइक सवार फरार हो गया। स्टंटबाज के पुलिसकर्मी को टक्कर मारकर भागने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो के तहत जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया।

अनाज मंडी में 7 दुकानों के ताले टूटे

चैनल गेट व अलमारी तोड़कर लाखों रुपए की चोरी, व्यापारियों में रोष; सीसीटीवी में दिखे तीन चोर

दौसा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले के महुवा स्थित अनाज मंडी में बीती रात चोरों ने जमकर धमाचौकड़ी मचाई। यहां एक ही रात में 7 दुकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपए की चोरी का मामला सामने आया है।

शुक्रवार सुबह व्यापारियों के मंडी पहुंचने पर वारदातों का पता चला रोष व्याप्त हो गया। घटनाक्रम की पुलिस को सूचना दी गई, जहां पुलिस के पहुंचने पर मंडी के व्यापारियों ने एकत्रित होकर चोरी की वारदातों को लेकर गुस्सा जाहिर किया। साथ ही वारदातों का जल्द खुलासा करने की मांग की। दरअसल, अनाज मंडी में बीती रात 3 तीन चोरों ने सात दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। यहां रामजीलाल कन्हैया लाल साहू, साहू ट्रेडर्स, दीपक कुमार सौरभ कुमार, हरिप्रसाद सुमन कुमार अजमेरा, राजेन्द्र कुमार सुनील ट्रेडर्स कम्पनी, पवन ट्रेडर्स कम्पनी व अशोक कुमार आनंद कुमार की दुकानों में चोरी हुई।

चोरों ने पहले तो दुकानों के चैनल गेट तोड़कर अंदर घुसे, जिसके बाद अलमारी व गल्ले आदि की तलाशी लेकर नकदी व सामान पार कर लिया। अनाज मंडी में चोरी के पूरे घटनाक्रम का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

जिसमें तीन चोर रात 1 बजकर 43 मिनट पर बाइक से मंडी परिसर में आते हैं और दबे पांव चौकन्ना होकर दुकानों की तरफ जाते हुए दिख रहे हैं। जिसके बाद उन्होंने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज आदि से साक्ष्य जुटाकर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

भजनलाल सरकार के मंत्री को भैंस खरीदने की नसीहत

कांग्रेस नेता ने कसा तंज

चित्तौड़गढ़, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में सहकारिता मंत्री गौतम दक और एक कांग्रेसी नेता के बीच जमकर बवाल मचा हुआ है। बड़ी सादड़ी के डेयरी चेयरमैन बद्रीलाल जाट ने सहकारिता मंत्री गौतम दक के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है।

उन्होंने यहां तक चुनौती दी कि मंत्री जी आप ऐसे डेयरी अध्यक्ष नहीं बन सकते हो, पहले दो भैंस खरीदनी पड़ेगी, फिर नजदीकी रजिस्टर्ड दूध डेयरी पर दूध लाइए, आप वोटिंग में आइये, फिर चुनाव लड़िए। आप मंत्री पद पर रहते हुए अध्यक्ष नहीं बन सकते। उन्होंने यहां तक कह दिया कि मंत्री जी को सहकारिता मंत्री का पद रास नहीं आ रहा है। इधर, डेयरी चेयरमैन के बयान से सियासत में जमकर हलचल मची हुई है। बता दें कि डेयरी चेयरमैन बद्री जाट पिछले विधानसभा चुनाव में सहकारिता मंत्री गौतम दक के सामने कांग्रेस से चुनाव लड़ चुके हैं। दरअसल, चित्तौड़गढ़ जिले के बड़ी सादड़ी में इन दोनों डेयरी में काफी विवाद चल रहा है। इसी के चलते डेयरी चेयरमैन बद्री जाट ने इस विवाद में सहकारिता मंत्री गौतम दक को आड़े हाथ लिया। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि डेयरी में कोई भी एमडी लगने को तैयार नहीं है, क्योंकि मंत्री जी गलत तरीके से काम करने का दबाव डालते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मंत्री जी को चित्तौड़गढ़ डेयरी में ज्यादा इंटरेस्ट है, ऐसा लगता है कि उन्हें अपने मंत्री पद रास नहीं आ रहा है। डेयरी चेयरमैन बद्री जाट ने सहकारिता मंत्री पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि मंत्री को चित्तौड़गढ़ की डेयरी में कुछ ज्यादा ही इंटरेस्ट है, ऐसा लग रहा है, जैसे सहकारिता मंत्री को उन्हें अपना पद रास नहीं आ रहा है और वह सोच रहे हैं कि मैं अध्यक्ष बन जाऊं, लेकिन मंत्री जी आप ऐसे अध्यक्ष नहीं बन सकते हो, पहले दो भैंस खरीदनी पड़ेगी, फिर नजदीकी रजिस्टर्ड दुग्ध डेयरी पर दूध लाइए, आप वोटिंग में आईए, फिर चुनाव लड़िए, आप मंत्री पद पर रहते हुए डेयरी अध्यक्ष नहीं बन सकते।

भारत-पाक सीमा पर तैनात बीएसएफ जवान ने गोली मारकर की आत्महत्या, जांच में जुटे अधिकारी

जैसलमेर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले की भारत-पाक सीमा पर स्थित शाहगढ़ क्षेत्र में गुरुवार को बीएसएफ के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक जवान कृष्ण कुमार पंजाब के होशियारपुर का निवासी था और शाहगढ़ इलाके में 173वीं बटालियन की भानु सीमा चौकी पर तैनात था। सूचना मिलते ही शाहगढ़ थाना पुलिस और बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। जवानों से पूछताछ की गई, लेकिन आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के निधन व्यक्त की शोक संवेदना

जयपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का निधन अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से उनकी पुण्यात्मा को शांति प्रदान करने और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। शर्मा ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा उनके परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

राजस्थान से भी रहा पूर्व पीएम मनमोहन का नाता

2019 में निर्विरोध चुने गए थे राज्यसभा सदस्य

जयपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया। गुरुवार रात 9:51 बजे उन्होंने दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली। 92 वर्ष के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की गुरुवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें रात 8:06 बजे एम्स के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया था। जहां, उनका निधन हो गया।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का राजस्थान से भी नाता रहा है। वे राज्यसभा उपचुनाव 2019 में राजस्थान से निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। यह सीट भाजपा के राज्यसभा सदस्य मदनलाल सैनी के निधन के बाद खाली हुई थी। कांग्रेस पार्टी ने इस सीट के लिए डॉ. मनमोहन सिंह को नामित किया था। विपक्षी पार्टी भाजपा की ओर से किसी नेता ने नामांकन दाखिल नहीं किया था, जिसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को निर्विरोध राज्यसभा सदस्य घोषित किया गया था। इस दौरान डॉ. मनमोहन सिंह छठी बार राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। इससे पहले पहले असम से पांच बार राज्यसभा सदस्य रहे थे।

सीएम भजनलाल ने जताया दुख

राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पूर्व पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताया। उन्होंने एक्स कर लिखा- भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारजनों के साथ है। प्रभु श्री राम दिवंगत आत्मा को अपने परम धाम में स्थान और शोकाकुल परिवार को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

पूर्व सीएम गहलोत ने जताया शोक

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। उन्होंने एक्स कर लिखा- पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का निधन देश के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। डॉ साहब सरल, सौम्य एवं ईमानदार के धनी थे। भारत के आर्थिक विकास, अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता एवं दुनिया में भारत को आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। वित्त मंत्री के रूप में भारत को नई दिशा देने वाला आर्थिक उदारीकरण जैसा बड़ा कदम उठाया। प्रधानमंत्री के रूप में आपके कार्यकाल में राजस्थान को विशेष सहयोग मिला जिससे कारण पचपदरा रिफाइनरी जैसी बड़ी सौगात मिली। आपके कार्यकाल को अधिकार आधारित राजनीति की शुरुआत के लिए भी याद रखा जाएगा। एक सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर अर्थशास्त्री, रिजर्व बैंक के गवर्नर, वित्त मंत्री, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं प्रधानमंत्री तक का आपका सफर सभी के लिए प्रेरणादायक है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर राज्य में 7 दिन के राजकीय शोक की घोषणा

जयपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदेश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। स्वर्गीय मनमोहन सिंह के सम्मान में राज्य में 26 दिसंबर, 2024 से 1 जनवरी 2025 तक सात दिन के राजकीय शोक रहेगा। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे तथा किसी भी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईआईएमएस) में हो गया। भारत सरकार द्वारा स्व. डॉ. मनमोहन सिंह को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। अंतिम संस्कार के दिन सभी राजनयिक मिशनों एवं विदेशों में भी उच्चायोगों में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे।

तीन आरपीएसएफ पुलिसकर्मी साहसिक कार्य के लिए सम्मानित

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक मनोज यादव ने आज रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) के कांस्टेबल कुलदीप, राजेश सैनी और शिवराज को क्रिसमस के दिन रेल भवन के पास हुई एक दुखद घटना के दौरान उनके अनुकरणीय साहस और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए सम्मानित किया। रेल भवन में आयोजित एक समारोह में, तीनों कर्मियों में से प्रत्येक को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 4,000 रुपये नकद और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए, डीजी आरपीएफ ने उनकी बहादुरी की प्रशंसा करते हुए कहा, एक भयानक आपातकाल का सामना करते हुए, इन कांस्टेबलों ने असाधारण साहस, सूझबूझ और कर्तव्य की गहरी भावना का परिचय दिया। उनके कार्यों ने आरपीएफ के मिशन के मूल में सेवा और मानवता की भावना को दर्शाया। यह घटना 25 दिसंबर को लगभग 3.15 बजे नई दिल्ली में रेल भवन के पास संसद गेट के सामने गोल चक्कर के पास हुई। 30 वर्षीय एक व्यक्ति (जिसकी बाद में बागपत के जितेंद्र कुमार के रूप में पहचान हुई) ने गोल चक्कर के पास पार्क के पास खुद को आग लगा ली और जब वह आग की लपटों में घिर गया, तो वह संसद क्षेत्र की ओर भाग गया। रेल भवन के गेट-6 पर सुरक्षा ड्यूटी के लिए तैनात आरपीएसएफ कांस्टेबल कुलदीप, राजेश सैनी और शिवराज ने अपनी ड्यूटी से परे जाकर तुरंत कार्रवाई की। उल्लेखनीय सूझबूझ के साथ, उन्होंने पास के पैदल यात्रियों की सहायता से आग बुझाने के लिए गेट पर मौजूद दो कंबलों का इस्तेमाल किया। उनकी त्वरित प्रतिक्रिया ने आसपास के लोगों के लिए जोखिम को कम कर दिया और स्थिति को और अधिक बिगड़ने से रोका। गंभीर रूप से जले हुए व्यक्ति को एसएचओ/कर्तव्य पथ और संसद मार्ग सहित पुलिस अधिकारियों ने तुरंत इलाज के लिए ले जाया, जो अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पीड़ित को तत्काल चिकित्सा उपचार के लिए आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। बाद में नई दिल्ली के डीसीपी और एसीपी समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

3 जनवरी को महाधरना की घोषणा

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने 3 जनवरी को समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर हैदराबाद के धरना चौक पर महाधरना की घोषणा की है। इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य कामारेड्डी बीसी घोषणापत्र के कार्यान्वयन और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के वादे की मांग करना है, जैसा कि पिछले साल विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने आश्वासन दिया था।

शुक्रवार को अपने आवास पर 40 से अधिक पिछड़ा वर्ग संगठनों के साथ बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कविता ने कांग्रेस सरकार की अपने वादे पूरे करने में विफल रहने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि कामारेड्डी बीसी घोषणापत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि स्थानीय निकाय चुनावों में बीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। हालांकि, आज तक इस प्रतिबद्धता पर कोई स्पष्टता नहीं दी गई है। बीआरएस एमएलसी ने तेलंगाना में पिछड़ी जातियों की आबादी को लेकर कांग्रेस पार्टी के आकलन पर संदेह जताया और कहा कि पिछड़ी जातियां आबादी का आधे से ज़्यादा हिस्सा हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस 42 प्रतिशत के आंकड़े पर कैसे पहुंची? अगर इस वादे को पूरा किए बिना चुनाव कराए गए तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

सीपीआई नेता नारायण ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय नेता डॉ. के नारायण ने यह जानकर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह (92) ने दिल्ली के एम्स में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। नारायण ने कहा कि जब वे कोलेरू सफाई अभियान के सिलसिले में दिल्ली में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मिले थे, तो उन्होंने प्रदूषण पर ध्यान देने के लिए दूर से आने के लिए उन्हें बधाई दी थी। उन्होंने यूपीए शासन के दौरान दस साल तक प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह की सेवाओं की प्रशंसा की। सीपीआई नारायण ने याद दिलाया कि 1991-92 के बीच पीवी नरसिम्हा राव शासन के दौरान मनमोहन ने वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया था।

बाह्य व आंतरिक दुनिया में सफल होना ही धर्म है : सुधांशु जी महाराज

हैदराबाद भक्ति सत्संग का दूसरा दिवस हुआ सम्पन्न

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व भर में फैले विश्व जागृति मिशन के एक महत्वपूर्ण मण्डल तेलंगाना राज्य के हैदराबाद में स्थित "अमृत धाम आश्रम" द्वारा एक लम्बे अरसे के बाद चार दिवसीय भक्ति सत्संग का आयोजन ललित कला तोरणम नामपल्ली में किया गया है, जिसे सम्बोधन करने के लिए देश के जाने माने आध्यात्मिक सन्त एवं विश्व जागृति मिशन के संस्थापक अध्यक्ष परम श्रद्धेय सद्‌गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज आए हैं। व्यास

मंच पर स्वागत मण्डल के प्रधान प्रेम सिंह राठौड़ एवं बंगलौर मण्डल के प्रधान के.के. टांटिया तथा उल्हासनगर (मुंबई) से आए मनोहर वाधवा के द्वारा सम्पन्न हुआ।

सत्संग सभा में मौजूद सभी भक्तों को सम्बोधित करते हुए परम श्रद्धेय श्री सुधांशु जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति के जीवन से समय हाथ से निकल जाए तो वापस नहीं आता है और शरीर से भी प्राण निकल जाए वापस नहीं आता है लेकिन जाने वाले की याद ही आती है। यह शरीर क्षणभंगुर है, अपने जीवन को अच्छे ढंग से जीकर आनन्द लिया जाए तो यह मनुष्य रूप में आपका आना सार्थक हो जाएगा। बाहरी दुनिया और आन्तरिक दुनिया में सफल होने के लिए धर्म और सत्संग का सहारा लेकर ही व्यक्ति खुद को सफल और एक अच्छा इंसान बना सकता है।

राष्ट्र सन्त परम पूज्य महाराजश्री ने कहा कि हर पल मुस्कुराते हुए जीने के लिए हमें धर्म से अपना सम्बन्ध जोड़ना होगा तभी एक सफल व्यक्ति होंगे। हमारे पास सब कुछ है फिर भी हम खुश नहीं हैं, पूरे मनोभाव से खुश रखकर काम करने से जीवन में खुशी का आगमन होगा। पूज्य महाराजश्री ने कहा परमात्मा को दर-दर खोजने से नहीं मिलते हैं, अपितु प्रभु में खो जाने से ही मिलते हैं। अपने सद्गुरु से पूर्ण समर्पण भाव से भक्ति करने से जीवन में खुशी और आनन्द अवश्य प्राप्त होता है।

मण्डल प्रधान राठौड़ ने बताया कि पूरे विश्व में योग को जन जन तक पहुंचाने के लिए सतत संलग्न रहे ध्यान एवं योग गुरु डॉ. आर्चिका दीदी जी का सान्निध्य हैदराबादवासियों को आज (शनिवार) को सत्संग के माध्यम से मिलेगा। उन्होंने डॉ. दीदी जी के साथ बैठकर खुद को धर्म व संस्कृति से जोड़ने को कहा।

विश्व जागृति मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड़, हैदराबाद मंडल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, बंकटलाल गिल्डा, कैलाशनारायन भांगडीया, नरेश बब्बानी, जसमत भाई पटेल, सज्जनलाल श्रीवास्तव, पी.रघुवीर, सुमेरसींह राठौड़, सुखदेव जोशी, रामनिवास जोशी, डी.गोपाल, राजकुमार दायमा, डॉ. सवरूपानंद नायक, राजू भागचंदानी, शिवराज पाटिल, मानमल सैन, प्रकाश देवकर, भरत सुत्रवे, सनातन, गोरखनाथ भोसले, कैलाश खेमलानी, सुरेश बिरादर, प्रदीप लेले, जी.ओमप्रकाश, श्यामराव बागाडे, सुनील गोस्वामी, जे.भिक्षापती, भाग्यनारायण, रामचंदर राव, श्रीमती आसमान कंवर राठौड़, कांता अग्रवाल, शिबानी मैथी, कालींदी चिंतावार, इंद्रानी भोपे, ममता ठाकुर, बबीता नागरे, नागेश्वरी, मंजु अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, वंदना श्रीवास्तव, एम. शांती, शोभा भोसले, राणी देवकर, स्मीता दायमा, कांता बिरादर और कविता दायमा उपस्थित थे।

बीआईएस द्वारा वाणापार्थी में ज्वेलर्स अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

वाणापार्थी, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) हैदराबाद ने वाणापार्थी के बुलियन मर्चेंट्स एसोसिएशन भवन में एक ज्वेलर्स अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय ज्वेलर्स को उद्योग मानकों, हॉलमार्किंग और स्वर्ण एवं आभूषण क्षेत्र में गुणवत्ता आश्वासन के महत्व के बारे में जागरूक करना था।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 100 से अधिक ज्वेलर्स ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने बीआईएस प्रमाणन के महत्व, गुणवत्ता मानकों का पालन करने के लाभ, और उपभोक्ता सुरक्षा और आभूषण बाजार में विश्वास बनाए रखने में इसके योगदान पर जानकारी प्राप्त की।

बीआईएस हैदराबाद की संयुक्त निदेशक, श्रीमती सतु सविता ने उद्योग के विभिन्न नियमों, हॉलमार्किंग प्रक्रियाओं और आभूषण उद्योग के लिए बीआईएस सेवाओं पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर श्रीमती सविता ने ज्वेलर्स से अपील की कि वे नवीनतम नियमों और मानकों से अपडेट रहें, जिससे उनके उत्पाद निर्धारित मानकों को पूरा कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन कोड स्वर्ण आभूषण की शुद्धता और प्रामाणिकता की पुष्टि करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी ज्वेलर्स से हॉलमार्क वाले आभूषणों की बिक्री करने और छह अंकों वाले कोड के साथ प्रमाणित स्वर्ण आभूषणों की बिक्री पर जोर दिया। साथ ही यह भी बताया कि बिना हॉलमार्क के और झूठे कोड वाले आभूषण बेचना बीआईएस एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है।

बिजनेस मीट का आयोजन

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग चाणक्य ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए बिजनेस मीट का आयोजन किया। यह बैठक भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी।

बैठक नामपल्ली रेलवे स्टेशन के सामने होटल क्वालिटी इन में आयोजित की गई थी और बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदावा थे। अध्यक्ष डॉ. पूनम नोमुलवार के साथ-साथ दत्तात्रेय बेन्ने, सुरेश कुमार राचेकोंडा, राजेश फड़के और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

पंकज फणसलकर ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। बैठक की अध्यक्षता संस्थापक गीतेश काटे ने की।

कौशिक से पुलिस स्टेशन में पूछताछ स्थगित

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक कौशिक रेड्डी से बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में पूछताछ स्थगित कर दी गई है। कौशिक रेड्डी को पुलिस ने उनके खिलाफ पुलिस की ड्यूटी में बाधा डालने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने के मामले में दर्ज मामले के संबंध में नोटिस भेजा है। इन नोटिसों में उन्हें शुक्रवार को पूछताछ के लिए बंजारा हिल्स पीएस एसएचओ के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया था। हालांकि, कौशिक रेड्डी ने पुलिस को बताया कि वह पूछताछ में शामिल नहीं हो पाएंगे, क्योंकि उनके पिता की तबीयत खराब होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने सुझाव दिया है कि उनके पिता का हृदय का ऑपरेशन किया जाना चाहिए। कौशिक रेड्डी ने पुलिस को बताया कि वह अपने पिता की बीमारी के कारण 10 दिनों तक सुनवाई में शामिल नहीं हो पाएंगे। हालांकि, बंजारा हिल्स पुलिस ने उनके अनुरोध पर संज्ञान लिया और उसको मोहलत दे दी। कौशिक रेड्डी कुछ बीआरएस नेताओं के साथ 4 अक्टूबर को बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने गए थे, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी उनका मोबाइल फोन टैप कर रहे हैं। शिकायत लेने को लेकर पुलिसकर्मियों और विधायक कौशिक रेड्डी के बीच बहस हो गई।

स्वास्थ्य कर्मियों ने पुलिस के खिलाफ किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (निम्स) के आपातकालीन/आपातकालीन विंग में स्वास्थ्य कर्मियों ने शुक्रवार शाम को पंजागुट्टा पुलिस पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। आपातकालीन विंग में सामान्य सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित हुईं, जब नैदानिक सहायक कर्मचारियों सहित स्वास्थ्य कर्मियों ने पुलिस के खिलाफ नारे लगाए। परेशानी तब शुरू हुई जब निम्स के आपातकालीन विभाग में एमआरआई करवाने के बाद एक महिला मरीज ने अपने रिश्तेदारों से शिकायत की कि उसका हार खो गया है। हार की तलाश करने के बाद महिला के परिवार वालों ने पंजागुट्टा पुलिस में निम्स अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने निम्स के एक स्वास्थ्यकर्मी को पूछताछ के लिए बुलाया। निम्स में प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि जब वह पुलिस स्टेशन गया तो पुलिस ने उसे पीटा। बाद में स्वास्थ्यकर्मियों ने कैजुअल्टी विभाग के सामने धरना कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

दिलसुखनगर मुसारामबाग स्थित स्व.श्री जीवराजसिंह जागरवाल की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर उपस्थित भंवरसिंह, राजूसिंह, हीरसिंह धांगड़वास, शंकरसिंह अन्ना, तेजसिंह, हरिसिंह, मोहनसिंह दोनड़ी ढाणी, शंकरसिंह, पृथ्वीसिंह, रुपसिंह धांगड़वास, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, डूंगरसिंह पांचवा, करणसिंह बरना, हरिसिंह ठाकरवास, मांगीलाल जोजावर, विजय सिंह जानुंदा एवं समाज बन्धु।

प.पू. श्री गोविन्द गिरिजी महाराज के मुखारविंद से श्रीकृष्ण नीति प्रवचन माला का आयोजन

हैदराबाद, 27 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर हैदराबाद में, प.पू. श्री गोविन्द गिरिजी महाराज के मुखारविंद से श्रीकृष्ण नीति प्रवचन माला का भव्य आयोजन हो रहा है। यह आयोजन दि.27 दिसं. से 29 दिसं. तक अर्थात् 3 दिनों तक जारी रहेगा।

इस संदर्भ में, गीता परिवार हैदराबाद के नेतृत्व में एवं कार्यक्रम प्रायोजक महावीर बैंक हैदराबाद के शीर्ष आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, श्रीकृष्ण नीति प्रवचन माला का भव्य आयोजन दि.27 दिसं. से 29 दिसं. तक अर्थात् 3 दिनों तक जारी रहेगा।

यह भव्य आयोजन, स्थान-भारतीय विद्या भवन,आडिटोरियम, किंग कोठी, हैदराबाद पर हो रहा है तथा जिसमें दि. शुक्रवार 27 दिसं. एवं शनिवार 28 दिसंबर को तत्संबंधित प्रवचन का समय सायं 5.30 से रात्रि 7.30 बजे तक है। साथ ही रविवार 29 दिसंबर को प्रवचन समय मध्याह्न 3.00 से सायं 5.00 बजे तक है। इस शुभावसर पर, सभी भक्तों के लिए, प.पू. श्री गोविंद गिरि महाराज के मुखारविंद से श्रीकृष्ण नीति प्रवचन माला का भव्य आयोजन हो रहा है। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में समस्त भक्तगण सादर आमंत्रित हैं।

सड़क दुर्घटना में 2 लोगों की मौत

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को माधापुर में सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। पीड़ित आकांक्षा (24) और उसका दोस्त राम बाबू (30) मोटरसाइकिल पर बोराबंडा से माधापुर की ओर जा रहे थे। माधापुर इंस्पेक्टर डी कृष्ण मोहन ने कहा कि जब वे पर्वतनगर 100 फीट रोड पर पहुंचे, तो आकांक्षा ने बाइक पर नियंत्रण खो दिया और सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। सड़क पर गिरने से दोनों घायल हो गए और उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस को संदेह है कि यह दुर्घटना तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर आज गांधी भवन में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमिटी ट्रेडर्स सेल के पूर्व चेरमैन ए. गौतम जैन, पी. राजेंद्र यादव, गजानंद चौधरी, राघुनंद गोपी, एम. नरसिंग राव एवं अशोक गौड आदि।

नागरिक विवादों से दूर रहें पुलिस अधिकारी : आयुक्त

वारंगल, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त अंबर किशोर जाह ने पुलिस कर्मियों को निर्देश दिया कि वे पैसे के लेन-देन और भूमि विवाद जैसे नागरिक मामलों में शामिल न हों। वारंगल आयुक्तालय में अपराध और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए शुक्रवार को आयोजित बैठक में आयुक्त ने कहा कि सिविल मामले सिविल न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं और पुलिस को उनमें अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, सिवाय उन मामलों को छोड़कर जहां कानून-व्यवस्था संबंधी समस्या उत्पन्न होने की आशंका हो।

उन्होंने कहा कि लोगों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि फील्ड में तैनात पुलिस अधिकारियों को बदमाशों और नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी रणनीति तैयार करने और उसे लागू करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को बिना किसी दबाव के, केवल कानून और जनहित के आधार पर अपना कर्तव्य ईमानदारी से निभाना चाहिए, ताकि अपराधियों में कानून का डर और कानून का पालन करने वाले नागरिकों में सुरक्षा की भावना पैदा हो सके।

उन्होंने कहा कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस की निरंतर कार्रवाई से जनता का विश्वास बढ़ेगा।

महिला पर यौन हमला करने के आरोप में एक गिरफ्तार

भूपालपल्ली, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने शुक्रवार को जिले के पालीमेला क्षेत्र में एक महिला के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 45 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया। रिपोर्ट के अनुसार, 23 दिसंबर को पालीमेला मंडल के सर्वाईपेट गांव की एक महिला ने पालीमेला पुलिस स्टेशन में राजम सम्मैय्या के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। महिला की शिकायत के आधार पर पालीमेला पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी के खिलाफ सबूत पाए। शुक्रवार को पुलिस ने सम्मैय्या को गिरफ्तार कर भूपलपल्ली जिला अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

एनआईएन वैज्ञानिक राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के फेलो चुने गए

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) के वैज्ञानिक जी और जैव रसायन विभाग के प्रमुख डॉ.जी भानुप्रकाश रेड्डी को पोषण विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण अनुसंधान योगदान के लिए राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) का फेलो चुना गया है। डॉ. रेड्डी का शोध मानव पोषण के पहलुओं पर केंद्रित है, जिसमें पोषक तत्वों की आवश्यकताएं, कमियां और दीर्घकालिक बीमारियों पर भोजन/पोषण का प्रभाव शामिल है। उनके अध्ययनों से मधुमेह संबंधी जटिलताओं के विकास में सूक्ष्म पोषक तत्वों की भूमिका का पता चला और यह पता चला कि कैसे कुछ सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी आयु-संबंधी विकारों में शामिल आणविक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकती है।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने कार्यात्मक खाद्य पदार्थों पर शोध में भी अग्रणी भूमिका निभाई, मधुमेह के लिए नए जैवसक्रिय अणुओं की पहचान की। 250 से अधिक शोध पत्रों के साथ, डॉ. रेड्डी को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं, जिनमें आईसीएमआर-बसंती देवी पुरस्कार, स्कोपस यंग साइंटिस्ट पुरस्कार आदि शामिल हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय पोषण विज्ञान संघ, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (एनएएमएस), राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत और तेलंगाना विज्ञान अकादमी (टीएएस) के फेलो हैं।

अरली (टी), लम्बासिंगी में न्यूनतम तापमान सबसे कम रहने से बढ़ी ठंड

आदिलाबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह न तो कोई हिल स्टेशन है, न ही कोई घाटी, लेकिन भीमपुर मंडल का गुमनाम अरली (टी) गांव तेलंगाना राज्य में रिकॉर्ड स्तर के न्यूनतम तापमान को देखने के कारण सुर्खियों में है। एक दिशा में पेनगंगा नदी और दूसरी दिशा में जंगलों से घिरा, अर्ली (टी) में 2,000 लोग रहते हैं जबकि इसी भूभाग में बसा कोई भी दूसरा गांव इतना कम तापमान दर्ज नहीं करता, केवल यही बस्ती भीषण ठंड के मौसम की वजह से खबरों में रहती है। यह जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर है।

पूर्व सरपंच गोल्ली रमा बाई ने बताया कि हर गर्मियों में गांव का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के आसपास रहता है। उन्होंने याद किया कि 2020 में गांव का न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस और इस साल 15 दिसंबर को 6.3 डिग्री सेल्सियस रहा। उन्होंने कहा कि लोगों को समय के साथ ठंड के मौसम का सामना करने की आदत हो गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे अपने शरीर को गर्म रखने के लिए अलाव जलाते हैं, जबकि ठंड से बचने के लिए गर्म खाना खाते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि ठंड के मौसम की वजह से कभी-कभी खेती-बाड़ी के काम प्रभावित होते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मेलबर्न टेस्ट में भारत की हालत खराब

6 रनों के अंदर गंवाए 3 विकेट, अब मंडराया फॉलोऑन का खतरा

मेलबर्न, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की 82 रन की शानदार पारी के बावजूद भारत लड़खड़ा गया और उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को अपने पांच विकेट मात्र 164 रन पर खो दिए। भारत अभी ऑस्ट्रेलिया से 310 रन पीछे है और उस पर फॉलोआन का खतरा मंडरा रहा है। भारत अंतिम सत्र में दो विकेट पर 153 रन बनाकर सुखद स्थिति में दिखाई दे रहा था लेकिन तभी जायसवाल के रन आउट होने के साथ ही मेहमान टीम ने छह रन के अंतराल में तीन विकेट गंवा दिए और उसका स्कोर पांच विकेट पर 159 रन हो गया। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत छह और रवींद्र जडेजा चार रन बनाकर क्रीज पर हैं। अब इस जोड़ी पर कल तीसरे दिन भारत को संकट से बाहर निकालने की बड़ी जिम्मेदारी है।

आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने भारतीय पारी शुरू होने के बाद जल्दी ही कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल का विकेट चटकाकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। रोहित ने पारी के दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर कमिंस की गेंद पर स्कॉट बोलैंड के हाथों कैच होने से पहले 5 गेंदों पर 3 रन बनाए। उस समय भारत का स्कोर 8 रन था। इसके बाद भारत के 51 रन के स्कोर पर केएल राहुल का विकेट गिरा। राहुल कमिंस की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने आउट होने से पहले 42 गेंदों पर 24 रन बनाए। जायसवाल और विराट कोहली ने इसके बाद पारी को संभाला और तीसरे विकेट

के लिए शतकीय साझेदारी की। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी की और ढीली गेंदों पर आक्रामक शॉट खेले। जायसवाल कुछ ज्यादा आक्रामक थे।

इस वक़्त ऐसा लग रहा था कि भारत अब अच्छी स्थिति में आ रहा है। खेल अच्छा चल रहा था और दोनों बल्लेबाज़ काफ़ी रन भी बटोर रहे थे। लेकिन दूसरे दिन का खेल ख़त्म होने से सिर्फ़ 16-17 मिनट पहले कुछ ऐसा हुआ, जिससे भारत फिर से दबाव में आ गया। जायसवाल ने मिड ऑन के फ़ील्डर के पास गेंद को ड्राइव किया और रन के लिए दौड़ पड़े, लेकिन रन आउट हो गए। कोहली, जो 82 गेंदों तक धैर्यपूर्वक बल्लेबाज़ी कर रहे थे और ऑफ़ साइड में शॉट लगाने से बच रहे थे, लेकिन जायसवाल के आउट होने के बाद सातवें-आठवें स्टंप की गेंद पर छेड़छाड़ करते हुए, वह विकेटकीपर को कैच दे बैठे। इसके बाद पिछले मैच में भारत के लिए संकटमोचक साबित हुए और फ़ॉलोऑन बचाने वाले आकाशदीप भी जल्द पवेलियन लौट गए। इस मैच में कई मौकों पर ऐसा लगा कि भारत सफल वापसी कर सकता है, लेकिन वह कामयाब नहीं हो सका। जायसवाल ने 118 गेंदों पर 82 रन की अपनी पारी में अपनी पारी में 11 चौके और 1 छक्का लगाया। विराट कोहली 86 गेंदों पर चार चौकों के सहारे 36 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान, 237/2 के स्कोर से उनका स्कोर 246/5 हो गया था। लेकिन स्टीव स्मिथ ने निचले मध्य क्रम के बल्लेबाज़ों के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया को 474 तक पहुंचा दिया। दूसरे दिन का खेल शुरू होने पर स्मिथ और पैट कमिंस ने शानदार शतकीय साझेदारी की। पहले सत्र में सिर्फ़ एक ही विकेट गिरा और ऑस्ट्रेलिया ने 142 रन जोड़े। स्टीव स्मिथ ने 140 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना 34वां टेस्ट शतक पूरा किया। उनके शतक के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन का विशाल स्कोर बनाया। उन्हें कमिंस (49) और मिशेल स्टार्क (15) से भी बहुमूल्य समर्थन मिला, जिन्होंने क्रमशः 112 और 44 रन की साझेदारियां कीं, जिससे मेजबान टीम ने मेहमान टीम के गेंदबाजी लाइन-अप को कमजोर कर दिया।

ऑस्ट्रेलियन मीडिया ने कोहली को जोकर कहा, धोखेबाज राजा बताया

मेलबर्न, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मेलबर्न टेस्ट में डेब्यू कर रहे सैम कोंस्टास से झड़प के बाद ऑस्ट्रेलियन मीडिया ने विराट कोहली का जमकर मजाक उड़ाया। द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन अखबार ने शुक्रवार को अपने पिछले पन्ने पर विराट कोहली को जोकर के रूप में दिखाया और उन्हें क्लॉन कोहली कहा यानी जोकर कोहली। अखबार ने कहा कि ड्रीम डेब्यू कर रहे एक लड़के से भारतीय कायर टकरा गया, इसके लिए उसे दंड मिला। एक अखबार ने कहा कि कोंस्टास के झड़प के बाद कोहली पर जो जुर्माना लगाया गया, वो कम है। भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन मीडिया हमेशा क्रिकेट टीम के सपोर्टिंग स्टाफ का काम करता है। यह ठीक नहीं है। मेलबर्न टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया की ओर से 19 साल के ओपनर सैम कोंस्टास ने डेब्यू किया था। कोंस्टास ने डेब्यू मैच में फिफ्टी लगाई। इस दौरान कोहली ने उन्हें धक्का मारा था और बहस भी की थी। इसके बाद आईसीसी ने कोहली की मैच फीस में 20% की कटौती की थी। एक डीमेरिट पॉइंट भी दिया था। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के स्टैंड को पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर और इरफान पठान ने गलत बताया। गावस्कर ने कहा कि यह गलत है। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया हमेशा अपनी क्रिकेट टीम का सपोर्टिंग स्टाफ है।

साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान पहला टेस्ट

पहला दिन फास्ट बॉलरों के नाम रहा, 13 विकेट गिरे पाकिस्तान ने पहली पारी में 211 रन बनाए

खेल डेस्क, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला सेंचुरियन में खेला गया। पहले दिन तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा। दोनों टीमों के फास्ट बॉलर ने मिलकर 13 विकेट लिए। पाकिस्तान ने पहली पारी में 211 रन ही बना सकी।

साउथ अफ्रीकी टीम की ओर से डेन पैटरसन ने 5 विकेट लिए, वहीं डेब्यूटेंट कॉर्बिन बॉश ने चार विकेट लिए। इसके अलावा मार्को जेनसन ने 1 विकेट लिए। वहीं पहले दिन का खेल समाप्त होने तक तक साउथ अफ्रीका ने तीन विकेट खोकर 82 रन बना लिए थे। एडेन मार्करम 47 और कप्तान टेम्बा बावूमा 4 रन बनाकर नाबाद लौटे।

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरे पाकिस्तान के गिर गए जल्दी विकेट

दिन की शुरुआत में साउथ अफ्रीकी कप्तान बावूमा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टॉस हार कर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान को पहला झटका 36 रन पर गिरा। डेब्यूटेंट कॉर्बिन बॉश ने अपने स्पेल की पहली गेंद पर शान मसूद (17) का विकेट लेकर टीम को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद डेन ने सैम अयूब (14) और बाबर आजम (4) को आउट कर पाकिस्तान को बड़े झटके दिए। बॉश और डेन ने मिलकर 9 विकेट चटकाए। वहीं कामरान गुलाम और मोहम्मद रिजवान ने पांचवें विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी कर टीम की पारी को संभाला। रिजवान ने 62 गेंदों का सामना कर 27 रन और कामरान गुलाम ने 71 गेंदों का सामना कर 54 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की भी शुरुआत खराब

पाकिस्तान के 212 रन के जवाब में साउथ अफ्रीका की शुरुआत भी खराब रही।

टोनी डी जोर्जी दो रन बनाकर खुर्रम शहजाद का शिकार बने। इसके बाद रायन रिकेलटन भी 8 रन बनाकर शहजाद का शिकार बने। ट्रिस्टन स्टब्स को 9 के योग पर अब्बास ने आउट किया।

खराब प्रदर्शन कर रहे सिराज को टीम से बाहर किया जाए : गावस्कर

मेलबर्न, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने खराब प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की बेहद ईमानदार समीक्षा की और मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में लगातार खराब प्रदर्शन के बाद बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को भारतीय टीम से बाहर करने की मांग की।

सिराज, जो 2021 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाए थे, मौजूदा सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, उन्होंने सात पारियों में 13 विकेट लिए हैं और नई गेंद से भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है, जिससे जसप्रीत बुमराह के कंधों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। गावस्कर का मानना है कि दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को आराम देने के बजाय यह बताया जाना चाहिए कि उन्हें टीम से बाहर किया जा रहा है। मुझे लगता है कि सिराज को शायद थोड़े आराम की ज़रूरत है। इस मायने में, मैं आराम की बात नहीं कर रहा हूँ, उन्हें यह बताया जाना चाहिए कि उन्हें खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर रखा गया है। ऐसी स्थिति होनी चाहिए जहां आप इधर-उधर की बातें न कर सकें।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, आपको पूरी ईमानदारी से कहना चाहिए कि 'देखो, तुम्हारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है, इसलिए तुम्हें टीम से बाहर किया जा रहा है।' जब आप 'आराम' के बारे में बात करना शुरू करते हैं, तो खिलाड़ियों के दिमाग में गलत विचार आते हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें अपने खेल को बेहतर बनाने की ज़रूरत नहीं है।'

सिराज ने सीरीज़ में किसी फ्रंटलाइन पेसर द्वारा प्रति ओवर सबसे ज़्यादा रन देने की अनचाही सूची में भी शीर्ष स्थान हासिल किया है, वर्तमान में उनका औसत 4.07 रन प्रति ओवर है। वह चल रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में अपने खेल से पूरी तरह से बाहर रहे और पहली पारी में 23 ओवर में 122 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। गावस्कर ने शुरुआती दो टेस्ट में खेलने वाले हर्षित राणा की वापसी या सिडनी में पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए प्रसिद्ध कृष्णा को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की बात कही है।

रजनीकांत ने की डी गुकेश से मुलाकात

शिवकार्तिकेयन ने शतरंज के चैंपियन को दिया खास तोहफा

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। गुकेश डी ने हाल ही में शतरंज में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। 11 साल बाद शतरंज चैंपियनशिप को भारत वापस लाने वाले इस किशोर को अब देशभर से सराहना मिल रही है।

गुकेश ने रजनीकांत के साथ साझा की तस्वीरें

गुकेश और उनके माता-पिता ने हाल ही में चेन्नई में सुपरस्टार रजनीकांत से मुलाकात। गुकेश ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें वह रजनीकांत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, सुपरस्टार रजनीकांत सर, आपकी शुभकामनाओं और समय देने के लिए धन्यवाद। आपके साथ बिताया वक्त और आपकी सलाह हमारे लिए बहुत कीमती है।

शिवकार्तिकेयन ने दिया खास तोहफा

इसके बाद गुकेश ने 'अमरण' स्टार शिवकार्तिकेयन से भी मुलाकात की। अभिनेता ने उन्हें एक शानदार घड़ी तोहफे के रूप में दी। गुकेश ने अपनी पोस्ट में लिखा, शिवकार्तिकेयन सर के साथ शानदार समय बिताया। इतने व्यस्त होने के बावजूद उन्होंने हमारे साथ समय बिताया।

ये सितारे भी दे चुके हैं बधाई

गुकेश को उनकी जीत के बाद बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन, मोहनलाल, महेश बाबू जैसे कई बड़े सितारों से शुभकामनाएं मिल चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें बधाई दे चुके हैं। गुकेश ने 12 दिसंबर 2024 को सिंगापुर में एक रोमांचक फिनाले में चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया है।

हैदराबाद एफसी के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी ईस्ट बंगाल एफसी

हैदराबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। ईस्ट बंगाल एफसी शनिवार को जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में शाम 5:00 बजे खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड का लक्ष्य मेजबान टीम पर अपने हालिया दबदबे को जारी रखना होगा। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने सीजन 2023-24 में हैदराबाद एफसी के खिलाफ अपने पिछले दो आईएसएल मैच जीतकर लीग डबल पूरा किया और पिछले पांच मैचों में चार जीते हैं। ईस्ट बंगाल एफसी 12 मैचों में चार जीत, एक ड्रा और सात हार से 13 अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर है। वहीं, हैदराबाद एफसी पिछले पांच मैचों में लगातार हार रही है। हैदराबाद एफसी 12 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और नौ हार से सात अंक लेकर तालिका में 12वें

स्थान पर है।

हैदराबाद एफसी की रक्षात्मक लड़खड़ाहट

गोल खाने की समस्या : हैदराबाद एफसी ने इस सीजन में 12 मैचों में 25 गोल खाए हैं। उन्होंने अपने पिछले पांच मैचों में ही 15 गोल खाए हैं और इस दौरान ओडिशा एफसी के खिलाफ 0-6 और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ 2-5 से हारी है।

साजी की मजबूती : डिफेंसिव खामियों के बावजूद, एलेक्स साजी ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करके प्रति मैच औसतन 5.8 क्लीयरेंस किए हैं।

जीत की लय : ईस्ट बंगाल पहली बार जीत की हैट्रिक के करीब है, क्योंकि उसने पिछले दो मैचों में पंजाब एफसी (4-2) और जमशेदपुर एफसी (1-0) को हराया है।

क्लीन शीट चुनौती : रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड आईएसएल में पहली बार लगातार अवे मैचों में क्लीन शीट पाने की कोशिश करेगी। उसने अपने पिछले अवे मैच (चेन्नइयन एफसी के खिलाफ 2-0) में क्लीन शीट रखी थी। आईएसएल में इन दोनों टीमों के बीच हुए आठ मुकाबलों में हैदराबाद एफसी ने चार मैच जीते हैं, जबकि ईस्ट बंगाल एफसी दो बार जीती है। दो मैच ड्रा रहे।

कोच कॉर्नर : हैदराबाद एफसी के अंतरिम मुख्य कोच शमील चेम्बकथ ने कहा कि उनकी टीम इस मुकाबले से सकारात्मक परिणाम हासिल करने उतरेगी। उन्होंने कहा, "मुझे पता है कि मनोबल वैसा नहीं है जैसा हम चाहते थे, लेकिन खिलाड़ी ट्रेनिंग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करके दृढ़ संकल्प दिखा रहे हैं।

वेदांता कलिंगा लांसर्स ने एरन जालेवस्की को अपना कप्तान घोषित किया

राउरकेला, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। वेदांता कलिंगा लांसर्स ने टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता और तीन बार के ओलंपियन एरन जालेवस्की को अपना कप्तान घोषित किया है। कूकाबुरास के पूर्व सह-कप्तान के पास काफी अनुभव है, उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हॉकी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई है।

हाल ही में सेवानिवृत्त हुए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान 30 दिसंबर को यूपी रुद्र के खिलाफ हीरो हॉकी लीग में अपने पहले मैच की तैयारी के लिए तुरंत प्रभाव से टीम की कमान संभालेंगे। वेदांता के स्वामित्व वाली कलिंगा लांसर्स में थिएरी ब्रिंकमैन और अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ कृष्ण पाठक, रोसन कुजूर और संजय जैसी उभरती हुई भारतीय प्रतिभाओं का शानदार संयोजन है। टीम को जर्मन उस्ताद वैलेंटिन अल्टेनबर्ग द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। अपने कप्तान की घोषणा करते हुए वेदांता कलिंगा लांसर्स के कोच वैलेंटिन एल्टेनबर्ग ने कहा, सुपरस्टार और स्वाभाविक लीडर्स से भरी टीम के साथ, कप्तान का चयन करना एक चुनौती है जिसे कोई भी कोच लेना पसंद करेगा। खेल में एरन की असाधारण महारत अपने आप में बोलती है, और 2018 में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सह-कप्तान बनने के बाद से उनका नेतृत्व प्रेरणादायक रहा है।

जबकि हमारी टीम में अनुभव और अविश्वसनीय क्षमता का खजाना है, हमारा मानना है कि एरन इस प्रतिभाशाली समूह का नेतृत्व करने के लिए एकदम उपयुक्त हैं क्योंकि हम हॉकी में ओडिशा की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाना चाहते हैं और खिताब जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

एरन ने कलिंगा लांसर्स के कप्तान की भूमिका निभाने पर अपनी खुशी व्यक्त की, "टीम ने मुझे जो अवसर दिया है, उसके लिए मैं वास्तव में आभारी हूं। हमारे पास प्रतिभा का एक अविश्वसनीय मिश्रण है, और थिएरी, कृष्ण, संजय और युवा खिलाड़ियों जैसे खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना सम्मान की बात है। भुवनेश्वर की टीम का प्रतिनिधित्व करना बहुत गर्व की बात है, खासकर इसलिए क्योंकि ओडिशा भारत में हॉकी की धड़कन है। हम सभी मैदान पर जिम्मेदारी लेने और प्रशंसकों और इस महान राज्य की विरासत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्सुक और तैयार हैं।

एचआईएल : हरमनप्रीत को सूरमा हॉकी क्लब का कप्तान बनाया गया

राउरकेला, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। सूरमा हॉकी क्लब ने 28 दिसंबर से राउरकेला में शुरू होने वाले हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आगामी सीजन के लिए दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह को कप्तान घोषित किया है। अर्जुन पुरस्कार विजेता और दो बार एफआईएच बेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर रह चुके हरमनप्रीत ने पंजाब और हरियाणा स्थित फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। दिग्गज ड्रैग-फ्लिकर ने कहा, मैं इस अविश्वसनीय टीम का नेतृत्व करने और ऐसे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हूं, जो मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। यह एक विशेषाधिकार और सम्मान है।

उन्हें नेचंडीगढ़ के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में सफल प्री-सीजन कैंप के बाद टीम की तैयारी और सौहार्द पर भी प्रकाश डाला। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान ने कहा, हमारे पास एक मजबूत टीम है, जो शिविर के दौरान अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। हममें से कई लोग सालों से एक साथ खेल रहे हैं, और हमारे पास कुछ रोमांचक युवा प्रतिभाएं और अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। सूरमा हॉकी क्लब के मुख्य कोच जेरोन बार्ट ने हरमनप्रीत के नेतृत्व गुणों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान के रूप में हरमनप्रीत का अनुभव, दबाव में उनका संयम और भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों से मिलने वाला सम्मान उन्हें टीम का नेतृत्व करने के लिए एकदम सही विकल्प बनाता है। उल्लेखनीय रूप से, टीम में भारतीय सितारे विवेक सागर प्रसाद, गुरजंत सिंह, मनिंदर सिंह, सुनीत लाकड़ा और मोहित एचएस के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई ड्रैग-फ्लिकर जेरेमी हेवर्ड, बेल्जियम के निकोलस पोंसलेट और विक्टर वेगनेज़, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गोलकीपर विन्सेंट वानाश, डच स्ट्राइकर बोरिस बर्कहार्ट और अर्जेंटीना के मिडफील्डर निकोलस डेला टोरे जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाएं शामिल हैं।

मैदान में घुसा फैन, विराट से मिला

भारतीय टीम काली पट्टी बांधकर उतरी, खुद को बोल्ड होते देखते रहे स्मिथ

स्पोर्ट्स डेस्क, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के मेलबर्न टेस्ट में मजबूत स्थिती में पहुंच गई है। भारत पर फॉलोऑन बचाने का खतरा मंडरा रहा है।

शुक्रवार को दूसरे दिन स्टंप्स तक भारत ने पहली पारी में 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए। टीम अभी भी ऑस्ट्रेलियाई टीम से 310 रन से पीछे है। कंगारू टीम पहली पारी में 474 रन पर ऑलआउट हुई।

मैच के दूसरे दिन भी कुछ इंटरेस्टिंग मोमेंट्स देखने के मिले। जैसे मैच को शुरू हुए अभी एक घंटा भी नहीं हुआ था कि एक फैन मैदान में घुस आया, उसने विराट कोहली के कंधे पर हाथ रखकर

बातचीत भी की। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ अजीब तरह से बोल्ड हो गए।

भारतीय टीम काली पट्टी बांधकर उतरी

भारतीय टीम आज बांह में काली पट्टी बांधकर उतरी। खिलाड़ियों ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। उनका गुरुवार रात निधन हो गया। वे 92 साल के थे। दूसरे दिन के पहले सेशन के दौरान एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में घुस आया। भारतीय टीम इस समय फील्डिंग कर रही थी। तभी अचानक कप्तान रोहित शर्मा को डराते हुए एक फैन स्टैंड से दौड़ते हुए उनके पास पहुंचा और फिर विराट कोहली के कंधे पर हाथ रखकर बातचीत की। तुरंत सिक्योरिटी ने उसे पकड़ा और मैदान से बाहर कर दिया।

कोहली ने स्मिथ के शतक पर बधाई दी

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने टेस्ट करियर का 34वां शतक लगाया। उन्होंने 101वें ओवर में नीतीश रेड्डी के ओवर में शतक पूरा किया। स्मिथ के शतक लगाते ही पूरा स्टेडियम खड़े होकर उनका अभिवादन किया, जबकि विराट कोहली उनके पास गए और उनकी पीठ थपथपाकर बधाई दी।

भारत ने एक महान सपूत खो दिया : सीएम रेवंत

पूर्व पीएम के निधन पर जताया गहरा शोक

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को महान अर्थशास्त्री, नेता, सुधारकों और सबसे बढ़कर मानवतावादी बताया।

एक बयान में रेवंत रेड्डी ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक सद्गुणी, बेदाग ईमानदारी वाले व्यक्ति थे, जो निर्णय लेने में मानवीय स्पर्श से सबसे अधिक पहचाने जाते थे।

उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह नए भारत के सच्चे निर्माताओं में से एक हैं, जिन्होंने दिखाया कि कैसे शालीनता और शिष्टता राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन के बहुत ज़रूरी पहलू हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से भारत ने एक महान सपूत खो दिया है।

उन्होंने कहा कि सचमुच, उनके अपने शब्दों में, इतिहास उनके साथ शायद उनके समय की तुलना में कहीं अधिक दयालुता और सम्मान के साथ पेश आएगा।

तेलंगाना में उच्च स्तर पर बनी हुई है बिजली की मांग

257 मिलियन यूनिट के पार

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले एक सप्ताह से राज्य में बिजली की खपत कड़ाके की ठंड के बावजूद भी अधिक बनी हुई है, जो 250 मिलियन यूनिट से अधिक है। गुरुवार को राज्य में बिजली की खपत 257.569 मिलियन यूनिट रही और अधिकतम मांग 13,976 मेगावाट तक पहुंच गई। पिछले एक सप्ताह में राज्य में बिजली की खपत 250 एमयू से ऊपर रही है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 217 एमयू थी। 20 दिसंबर को बिजली की खपत 257.977 एमयू रही, जबकि 21 दिसंबर को यह 257.63 एमयू थी। इसी तरह 22 दिसंबर को यह 249.144 एमयू और 23 दिसंबर को 256.847 एमयू रही। 24 दिसंबर को बिजली की खपत 257.569 एमयू तक पहुंच गई।

राज्य सरकार ने बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) से मांग को पूरा करने और पूरे राज्य में आपूर्ति बनाए रखने के लिए कदम उठाने को कहा है। रोजाना 40 एमयू की बढ़ोतरी के साथ ही इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) से बिजली की खरीद में भी बढ़ोतरी हुई है। 20 दिसंबर को राज्य की अधिकतम बिजली मांग 14.009 मेगावाट रही, जबकि पिछले साल इसी दिन यह 12,126 मेगावाट थी। चूंकि विभिन्न जलाशयों, खासकर कृष्णा नदी पर स्थित जलाशयों में कम पानी उपलब्ध होने के कारण सिंचाई के लिए पानी की कमी है, इसलिए किसान फसलों को पानी देने के लिए बोरवेल का उपयोग कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप बिजली की मांग में वृद्धि हुई है। राज्य में लगभग 29 लाख कृषि बोरवेल कनेक्शन हैं।

ग्रेटर हैदराबाद की सीमा में पिछले एक सप्ताह के दौरान मांग में 200 मेगावाट की अतिरिक्त वृद्धि हुई है। डिस्कॉम का अनुमान है कि शहर में औद्योगिक और घरेलू खपत तथा चालू रबी सीजन के कारण मांग में वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने बताया कि गृह ज्योति योजना के तहत सरकार करीब 50 लाख गरीब परिवारों को प्रति माह 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध करा रही है और इन परिवारों में पिछले कुछ दिनों में बिजली की खपत में वृद्धि देखी गई है। अधिकारियों ने बताया कि मार्च-अप्रैल में मांग में और तेजी आने की संभावना के मद्देनजर सरकार ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बिजली कंपनियां बिना किसी नेटवर्क बाधा या बिजली कटौती के इस मौसम की बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा करने में सफल रहीं।

शराब की तस्करी के आरोप में 2 पुलिसकर्मियों समेत 4 गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मद्यनिषेध एवं आबकारी जिला टास्क फोर्स ने दो पुलिसकर्मियों सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर शमशाबाद आरजीआई हवाई अड्डे के स्टॉल से ड्यूटी फ्री शराब की तस्करी कर रहे थे और अवैध रूप से बाजार में आपूर्ति कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए कांस्टेबल एम जेम्या नाइक (37), होमगार्ड भंडारी लिंगैया (36), होटल मैनेजर पी राघवेंद्र राव (36) और जी हरीश कुमार (36) ने एक सिंडिकेट बनाया था और कथित तौर पर हवाई अड्डे से ड्यूटी फ्री शराब की तस्करी कर रहे थे।

पीएंडई अधिकारियों ने बताया कि गेम्या नाइक ने अपने साथियों की मदद से एयरपोर्ट की ड्यूटी फ्री शॉप से शराब खरीदी। व्यस्त समय या वीआईपी विजिट के दौरान एयरपोर्ट से शराब की तस्करी करने के बाद गिरोह इसे शहर में नियमित ग्राहकों को बेचता था। सूचना पर पुलिस और ई टीमों ने निगरानी रखी और उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने उनके पास से 15 लाख रुपये की शराब जब्त की। इनमें से चार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जबकि उनका एक साथी महेश्वर फरार है। उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

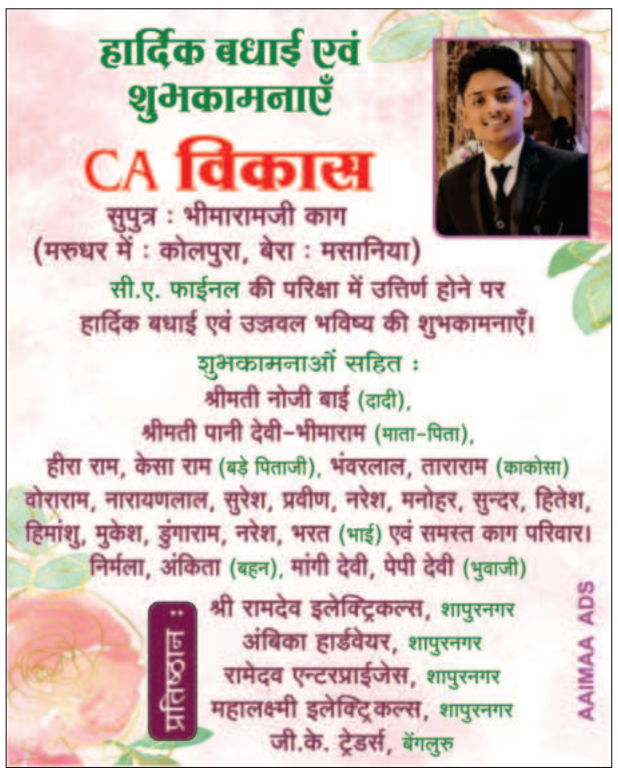

एससीआर विजयवाड़ा ने स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को पार करते हुए 79.60 करोड़ रुपये हासिल किए

विजयवाड़ा, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा डिवीजन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को पार करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

डिवीजन ने दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा निर्धारित 79 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पार करते हुए आज की तारीख तक स्क्रैप बिक्री में 79.60 करोड़ रुपये हासिल किए हैं। डिवीजन ने इस वर्ष ई-नीलामी के माध्यम से 14,272 मीट्रिक टन स्क्रैप सामग्री का सफलतापूर्वक निपटान किया है, जो कुशल परिसंपत्ति प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। स्क्रैप बिक्री में रेल स्क्रैप, एसएंडटी अपशिष्ट, इंजीनियरिंग अपशिष्ट, विविध अपशिष्ट, लोहा, स्टील और अन्य धातु जैसी सामग्री शामिल हैं, जिनका निपटान ई-नीलामी के माध्यम से किया गया।

विजयवाड़ा डिवीजन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के समापन से तीन महीने पहले निर्धारित लक्ष्यों का सफलतापूर्वक निपटान किया है। स्क्रैप सामग्री की पहचान करने और उसका निपटान करने के लिए डिवीजन के सक्रिय दृष्टिकोण ने प्रभावशाली परिणाम दिए हैं, जिससे रेलवे के समग्र राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। नरेंद्र ए पाटिल, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, विजयवाड़ा डिवीजन, एससीआर ने के.बी. तिरुपतैया, सीनियर डिवीजनल मैटेरियल्स मैनेजर, विजयवाड़ा डिवीजन, एससीआर को यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उत्कृष्ट उपलब्धि कुशल परिसंपत्ति प्रबंधन के लिए डिवीजन की प्रतिबद्धता और स्क्रैप बिक्री के माध्यम से राजस्व को अधिकतम करने के प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासन विजयवाड़ा डिवीजन को सभी पहलुओं में स्क्रैप मुक्त, ग्रीन और अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है।

राज्यपाल ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, प्रख्यात राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद और नौकरशाह डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। डॉ. मनमोहन सिंह भारत के राजनीतिक इतिहास में सबसे सम्मानित राष्ट्रीय नेताओं में से एक थे। उन्होंने अपने शानदार करियर के दौरान हर पद पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। राज्यपाल ने कहा, डॉ. सिंह, वैश्विक स्तर के एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, भारत में आर्थिक सुधारों के अग्रदूत थे। अपने दूरदर्शी कार्यों के माध्यम से, उन्होंने राष्ट्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया और विश्व मंच पर इसकी प्रतिष्ठा को बढ़ाया और दिवंगत नेता के शोक संतप्त परिवार और अनुयायियों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

वर्चुअली पेश हुए अभिनेता अल्लू अर्जुन

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता अल्लू अर्जुन 4 दिसंबर को संध्या थिएटर 70 एमएम में भगदड़ के मामले में शुक्रवार को नामपल्ली अदालत में वर्चुअली पेश हुए, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी। अभिनेता को इस मामले में आरोपी नंबर 11 बताया गया है और अन्य आरोपी उनके सुरक्षा दल के सदस्य, थिएटर कर्मचारी और मालिक हैं। अभिनेता ने अदालत में नियमित जमानत याचिका दायर की है, जिस पर 30 दिसंबर को सुनवाई होनी है। 13 दिसंबर को अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर नामपल्ली कोर्ट में पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शुक्रवार को उनकी हिरासत अवधि समाप्त हो गई और कार्यवाही के तहत वे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कोर्ट में पेश हुए।

गिरफ्तारी के बाद तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अल्लू अर्जुन को 13 दिसंबर से चार सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दे दी और अगले दिन उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। पुष्पा-2 के प्रीमियर के लिए अभिनेता की यात्रा के दौरान, भगदड़ मच गई जिससे 35 वर्षीय महिला रेवती की मौत हो गई और उसका आठ वर्षीय बेटा घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने अल्लू अर्जुन और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुष्पा की टीम ने हाल ही में परिवार को 2 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद की पेशकश की है।

पूर्व सरपंचों ने की लंबित बिलों के भुगतान की मांग

सूर्यापेट, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरपंच संघ जेएसी ने शुक्रवार को सूर्यापेट में महात्मा गांधी प्रतिमा के समक्ष एक याचिका प्रस्तुत की, जिसमें लंबित बिलों के भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे सभी पूर्व सरपंचों की दुर्दशा पर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करने का आह्वान किया गया। पूर्व सरपंचों ने नागरिक मुद्दों के समाधान तथा विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए अपनी जेब से धनराशि खर्च की थी।

कांग्रेस सरकार उन्हें बिलों के लिए दर-दर भटकने पर मजबूर कर रही है और उनमें से कई पूरी तरह से कंगाल हो गए हैं। पूर्व सरपंचों ने अपने लंबित बिलों के तत्काल भुगतान की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्य को ग्राम पंचायतों के विकास के लिए केंद्र सरकार से 20 में से 19 पुरस्कार मिले हैं, जो राज्य के विकास को दर्शाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार से उनके योगदान को मान्यता देने और फंड जारी करने का आग्रह किया।

श्रद्धालुओं की समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाए सरकार

धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने आंध्र प्रदेश सरकार से की मांग

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने आंध्र प्रदेश सरकार से तिरुमाला स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में आने वाले तेलंगाना के श्रद्धालुओं के समक्ष आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने पहले ही इन मुद्दों पर विचार करने के लिए एक समिति गठित कर दी है। इसके अलावा, दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एक बैठक की और कुछ मुद्दों पर चर्चा की और यह भक्तों के लिए शुभ संकेत है, मंत्री ने गुरुवार रात श्रीशैलम के मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद कहा।

तेलंगाना के निर्वाचित जनप्रतिनिधि और नेता भक्तों को दर्शन की सुविधा प्रदान करने के लिए उनके द्वारा जारी किए गए अनुशंसा पत्रों का सम्मान करने में विफल रहने के कारण टीटीडी पर आपत्ति जता रहे हैं।

इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए धर्मस्व मंत्री ने कहा कि तेलंगाना से लोग बड़ी संख्या में तिरुमाला आते हैं और इससे आंध्र प्रदेश सरकार को बहुत राजस्व मिलता है। अतीत में, टीटीडी कल्याण मंडपम (कार्यक्रम हॉल) के अलावा तेलंगाना में मंदिरों को सहायता प्रदान करता था। हालांकि, टीटीडी द्वारा इस प्रथा का पालन नहीं किया जा रहा है।

तेलंगाना में कई प्राचीन और प्रमुख मंदिर हैं। धर्मस्व मंत्री ने अपील की कि आंध्र प्रदेश सरकार को मंदिरों और कल्याण मंडपों को भी सहायता देने की दिशा में सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। कोंडा सुरेखा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है और हमारा दुर्भाग्य है कि हमने आंध्र प्रदेश के विभाजन के कारण श्रीशैलम मंदिर खो दिया, लेकिन मल्लिकार्जुन स्वामी के प्रति हमारी आस्था वैसी ही बनी हुई है।

फसल ऋण माफी योजना में अपनी बारी का इंतजार कर रहे किसान

संगारेड्डी, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा फसल ऋण माफी के चौथे चरण की घोषणा के लगभग एक महीने बाद, जिन किसानों के नाम सूची में थे, वे ऋण माफी राशि की स्थिति के बारे में पूछताछ के लिए कृषि कार्यालयों, बैंकों और स्थानीय नेताओं के चक्कर लगाते देखे गए। जहां संगारेड्डी जिले में 11,301 किसानों को 110 करोड़ रुपये की ऋण माफी मिली, वहीं सिद्दीपेट जिले में 95 करोड़ रुपये के पात्र 9,063 किसानों के नाम सूची के चौथे चरण में शामिल हैं।

मेदक जिले में 56 करोड़ रुपये के पात्र 7,000 से अधिक किसानों के नाम लाभार्थियों की सूची में हैं। हालांकि, वे सरकार द्वारा उनके बैंक खातों में राशि जमा करने और नया ऋण प्राप्त करने का इंतजार करते रहे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 30 नवंबर को एक सार्वजनिक बैठक के दौरान चौथे चरण के कार्यान्वयन की घोषणा की थी, जिसके बाद किसान हर दिन बैंकों और कृषि अधिकारियों के पास जाकर पूछताछ करते देखे गए।

कृषि अधिकारियों को किसानों को समझाने में मुश्किल हो रही थी। जबकि सरकार ने अब तक चार चरणों में लाभार्थी सूचियों की घोषणा की है, लेकिन बड़ी संख्या में किसानों का नाम इनमें से किसी भी सूची में नहीं है। जिन किसानों ने 2 लाख रुपये से अधिक ऋण लिया था, उनका नाम लाभार्थियों की सूची में नहीं था, हालांकि उन्होंने सरकार के सुझाव के बाद बैंकों को अतिरिक्त राशि का भुगतान कर दिया था।

विधवाओं और 18 वर्ष से अधिक आयु के अविवाहित व्यक्तियों के नाम भी सूची में नहीं हैं, क्योंकि उनके परिवार का पता नहीं चल पाया है। नाम न बताने की शर्त पर कृषि अधिकारियों ने बताया कि सूची बहुत लंबी है। प्रत्येक गांव में इनकी संख्या लगभग 35 से 40 प्रतिशत है।

हैदराबाद में आसमान में छाए रहे बादल

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शुक्रवार को बूंदाबांदी और हल्की बारिश कम होने के कारण आसमान में बादल छाए रहे। शुक्रवार की सुबह से ही हैदराबाद में मौसम उदास और बादल छाए रहने के बावजूद अपेक्षाकृत शुष्क रहा। हालांकि, शुक्रवार दोपहर को आईएमडी-हैदराबाद के राज्यव्यापी पूर्वानुमान में कहा गया है कि तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। तेलंगाना के कुछ जिलों में सुबह के समय अलग-अलग स्थानों पर धुंध या कोहरा छाए रहने की संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से 20 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहने की संभावना है।

हैदराबाद में गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पूरे राज्य में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। हैदराबाद के लिए मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध या कोहरा छाए रहने की संभावना है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध या कोहरा छाए रहने की संभावना है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.